THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 102 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.14 2083 सोमवार, 13 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

बंगाल में अवैध मदरसों पर बड़े एक्शन की तैयारी

कोलकाता, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक मामलों एवं मदरसा शिक्षा विभाग ने राज्य के 12 जिलों में संचालित अवैध और गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की पहचान के लिए चल रहे सर्वेक्षण की समीक्षा हेतु 18 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिन्हें आमतौर पर 'खारिजी मदरसा' कहा जाता है।

जानकारी के अनुसार यह समिति 15 जुलाई से संबंधित जिलों का दौरा शुरू करेगी और 21 जुलाई तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट अल्पसंख्यक मामलों एवं मदरसा शिक्षा विभाग को सौंपेगी। समिति की सिफारिशों के आधार पर विभाग आगे की प्रशासनिक कार्रवाई करेगा।

'दस कदम, दस का दम'

पीएम मोदी की विदेश यात्राओं से भारत को क्या मिला? संबित पात्रा ने गिनाईं 10 उपलब्धियां

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया विदेश यात्राओं को लेकर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रविवार को प्रेस वार्ता में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा किया। इससे पहले वह सेशेल्स भी गए थे। इसी दौरान जापान के राष्ट्राध्यक्ष ने भी भारत का दौरा किया। पात्रा ने कहा कि इन यात्राओं से भारत को क्या हासिल हुआ, इसे आसान भाषा में समझाने के लिए उन्होंने 'दस कदम, दस का दम' के रूप में दस प्रमुख उपलब्धियां सामने रखीं।

भारत ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक में क्या बढ़त हासिल की :

संबित पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का सबसे बड़ा परिणाम हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को और मजबूत करना रहा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में समान सोच वाले देशों के साथ भारत की साझेदारी पहले से अधिक मजबूत हुई है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग को नई दिशा मिली है।

रक्षा और समुद्री सुरक्षा में क्या नया हुआ :

उन्होंने बताया कि इन दौरों के दौरान रक्षा और समुद्री सहयोग को नई मजबूती मिली। समुद्री सुरक्षा, संयुक्त सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया, जिससे भारत की समुद्री क्षमताओं और सुरक्षा हितों को बल मिलेगा।

क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर भारत को क्या फायदा होगा :

पात्रा ने कहा कि भविष्य की तकनीक और उद्योगों के लिए जरूरी क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर भी महत्वपूर्ण सहमति बनी है। इससे भारत की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सकारात्मक प्रगति हुई है। इन समझौतों और सहयोग के माध्यम से भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को अधिक सुरक्षित और स्थिर बना सकेगा।

अर्थव्यवस्था और निवेश के क्षेत्र में क्या उपलब्धि मिली :

संबित पात्रा ने कहा कि आर्थिक सहयोग और निवेश बढ़ाने को लेकर भी महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए हैं। विभिन्न देशों के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में ठोस प्रगति हुई है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री को मिले विशेष सम्मान का क्या महत्व है :

उन्होंने कहा कि जिन देशों का प्रधानमंत्री ने दौरा किया, वहां उन्हें विशेष सम्मान और आत्मीयता के साथ स्वागत मिला।

>12

अमित शाह ने जनता से की पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी की अपील

अहमदाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण में जन-भागीदारी बनाए रखने की अपील की है। केंद्र सरकार की कोशिशों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने पिछले 7 सालों में 7 करोड़ पौधे लगाने का काम पूरा किया है।

अमित शाह ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि देशव्यापी कोशिशें विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर फोकस को दर्शाती हैं। गृह मंत्री शाह ने कहा, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने शनिवार को ही सात सालों में सात करोड़ पौधे लगाने का काम पूरा किया। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले दिल्ली रिज क्षेत्र में भी 43 लाख पौधे लगाए गए।

ओमान तट के पास जीएफएस गैलेक्सी जहाज पर हमला

11 भारतीय थे सवार, विदेश मंत्रालय ने की निंदा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। होर्मुज जलमार्ग में ओमान तट के पास एक कमर्शियल जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर हमला किया गया है। इस जहाज पर 11 भारतीय नाविक सवार थे। जीएफएस गैलेक्सी साइप्रस झंडे वाला एक बड़ा कटेंनर जहाज है। इस जहाज में सवार 11 भारतीयों में से 10 को बचा लिया गया है, जबकि एक अभी भी लापता बताया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने कमर्शियल जहाज 'जीएफएस गैलेक्सी' पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही बताया है कि 11 भारतीय नागरिकों में से एक लापता है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास इस स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। साथ ही वह चल रहे खोज एवं बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

विदेश मंत्रालय ने की शांति की अपील :

विदेश मंत्रालय ने कहा, होर्मुज जलमार्ग में कमर्शियल जहाजों पर लगातार हो रहे हमले को लेकर बेहद चिंतित हैं। हम तनाव को तुरंत कम करने और कूटनीतिक समाधान के लिए चल रही बातचीत को पूरा करने की अपनी अपील दोहराते हैं ताकि मिडिल ईस्ट में शांति और स्थिरत लौट सके। इलाके में कमर्शियल जहाजों और आम लोगों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय जलमार्गों से जहाजों की आवाजाही और व्यापार को बिना रुकावट के जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

ईरानी सेना ने किया हमला :

अमेरिकी सेना की ओर से यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर ट्वीट किया, आज (12 जुलाई) शाम 7:15 बजे (ईटी), यू.एस. सेंट्रल कमांड की फ़ोर्स ने इस हफ्ते ईरान के खिलाफ हमले का तीसरा दौर शुरू किया। यह कार्रवाई तब की गई जब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सेना ने होर्मुज जलमार्ग से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज एम/वी जीएफएस गेलेक्स पर खुलेआम हमला किया। हमले में एक सिविलियन क्रू मेंबर लापता हो गया है और जहाज में आग लगने और इंजन रूम को काफी नुकसान पहुंचने के कारण आगे नहीं बढ़ सकता।

आगे कहा, कमर्शियल जहाजों पर पहले हुए हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद, ईरान को 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (समझौता ज्ञापन) का पालन करने का एक और मौका दिया गया था, लेकिन वह फिर से ऐसा करने में नाकाम रहा।

'मैं आत्महत्या कर लूंगा...' : ऐसा क्यों बोले थे डॉक्टर मनमोहन सिंह?

पूर्व सीईसी कुरैशी की किताब में बड़ा खुलासा

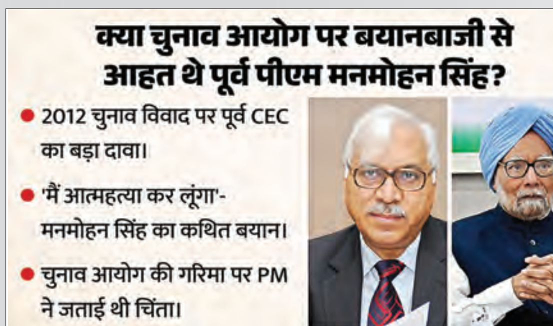

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की नई किताब इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा एक भावुक प्रसंग सामने आया है। किताब के अनुसार, वर्ष 2012 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के कुछ मंत्रियों के बीच पैदा हुए विवाद से प्रधानमंत्री इतने दुखी थे कि उन्होंने कुरैशी से कहा था, अगर आप मेरे बारे में ऐसा सोचते हैं, तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। यह बातचीत एक निजी मुलाकात के दौरान हुई थी।

क्यों हुई थी कुरैशी और मनमोहन सिंह की मुलाकात :

कुरैशी के मुताबिक, उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ कुछ केंद्रीय मंत्रियों की टिप्पणी पर अपनी नाराजगी प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाई थी। इसके बाद मनमोहन सिंह ने उन्हें तुरंत मिलने के लिए बुलाया। मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें मंत्रियों के बयानों की जानकारी नहीं थी और अगर पहले पता चलता तो वे उन्हें फटकार लगाते।

>12

भारत में पहली बार निजी कंपनियां बनाएंगी मिसाइलें

रक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अपनी रक्षा नीति में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। केंद्र सरकार जल्द ही निजी भारतीय कंपनियों को मिसाइलों के निर्माण और विकास में भागीदारी की परमिशन दे सकती है। अब तक यह क्षेत्र मुख्य रूप से सरकारी रक्षा संस्थानों तक सीमित था।

सरकार द्वारा यह फैसला ऐसे समय में लिया जा रहा है, जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की स्वदेशी मिसाइलों की ताकत पूरी दुनिया ने देखी। साथ ही भारत में विकसित मिसाइलों की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग लगातार बढ़ रही है। खासकर इंडोनेशिया ने डीआरडीओ द्वारा विकसित अस्त्र मिसाइल में रुचि दिखाई है।

रक्षा मंत्रालय जल्द ही अस्त्र मार्क-2 बियॉन्ड विजुअल रेंज (बीवीआर) एयर-टू-एयर मिसाइल के निर्माण के लिए निजी कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित कर सकता है। इस प्रक्रिया में देश की कई बड़ी निजी कंपनियों के भाग लेने की संभावना है।

अस्त्र मार्क-2 मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। इसकी मारक क्षमता लगभग 180 से 200 किलोमीटर तक बताई जाती है। यह मिसाइल भारतीय वायुसेना के कई लड़ाकू विमानों, जैसे तेजस मार्क-1ए, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई और राफेल मरीन में उपयोग में लाए जाने की योजना है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों और मित्र देशों से मिसाइलों की मांग तेजी से बढ़ रही है। मौजूदा उत्पादन क्षमता इस बढ़ती आवश्यकता को पूरी तरह पूरा नहीं कर पा रही है। ऐसे में निजी क्षेत्र की भागीदारी से उत्पादन में तेजी लाने और निर्यात क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

शादी के बाद भी करता रहा दरिंदगी तो बेटी ने खुद को लगा ली आग, हालत गंभीर; ओडिशा में टीचर पिता की हैवानियत

गंजाम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। अपनी ही 22 वर्षीय बेटी के साथ वर्षों तक कथित यौन शोषण करने के आरोप में 57 वर्षीय हाई स्कूल शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बेटी की शादी से पहले ही नहीं, बल्कि विवाह के बाद भी उसका कथित यौन शोषण जारी रखा। साथ ही निजी तस्वीरें सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया, जिससे परेशान होकर विवाहिता ने अपने ससुराल में आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक बीते गुरुवार को महिला ने खुद को आग लगा ली, जिससे वह करीब 75 प्रतिशत तक झुलस गई। गंभीर हालत में उसे पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए भुवनेश्वर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

मोदी सरकार का बड़ा कदम

कल लॉन्च होगा देश का पहला इकोनॉमिक बैरोमीटर; अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार द्वारा 14 जुलाई को लॉन्च किए जाने वाले हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनामिक बैरोमीटर का उद्योग और कारोबार ने जोरदार स्वागत करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आर्थिक प्रशासन को आधुनिक, गतिशील और डेटा-आधारित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक व क्रांतिकारी कदम बताया है।

अभी तक यह सिस्टम अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, जापान, कनाडा जैसे प्रमुख देश इस्तेमाल करते हैं। इसी तरह, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) भी दुनिया भर के विकासशील और उन्नत देशों को अपनी आर्थिक नीतियों को तुरंत सुधारने के लिए

हाई-फ्रीक्वेंसी संकेतकों का उपयोग करने की ट्रेनिंग देता है। इसी तरह विश्व बैंक भी विकासशील देशों (जैसे अफ्रीकी और एशियाई देशों) में गरीबी, मुद्रास्फीति और व्यापारिक गतिविधियों पर तुरंत नज़र रखने के लिए उपग्रह डेटा और मोबाइल मोबिलिटी डेटा जैसे आधुनिक संकेतकों का उपयोग करता है।

दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद व कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), फिक्की, एसोचैम समेत अन्य संगठनों ने इसका स्वागत किया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल इंडिया, जीएसटी, यूपीआई और प्रौद्योगिकी आधारित शासन व्यवस्था के माध्यम से देश में आर्थिक पारदर्शिता और दक्षता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनामिक बैरोमीटर उसी परिवर्तनकारी सोच का अगला महत्वपूर्ण अध्याय है, जो भारत को विश्व की सबसे आधुनिक और डेटा-संचालित अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यह बैरोमीटर जीएसटी संग्रह, यूपीआई लेनदेन, ई-वे बिल, माल ढुलाई, बिजली खपत, बैंकिंग गतिविधियों, डिजिटल कॉमर्स और अन्य प्रमुख आर्थिक संकेतकों के आधार पर अर्थव्यवस्था की वास्तविक समय में स्थिति का आकलन करेगा। इससे सरकार को त्वरित और सटीक नीति निर्माण में सहायता मिलेगी तथा आर्थिक चुनौतियों की पूर्व पहचान संभव होगी।

बिना नोटिस आसनसोल में चला बुलडोजर, मंत्री अग्निमित्रा पॉल बोलीं, जांच के बाद होगा एक्शन

कोलकाता, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आसनसोल में अतिक्रमण-विरोधी अभियान को लेकर हुए विवाद खड़ा हो गया है। इस मुद्दे पर मंत्री अग्निमित्रा पॉल का बयान का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अगर निगम के अधिकारियों ने बिना नोटिस कार्रवाई की है तो उन्हें सस्पेंड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हॉकरों को 15 दिन का नोटिस देने का वादा किया गया था और उन्हें एक नई मार्केट में शिफ्ट करने की योजना पर काम चल रहा था। बुलडोजर कार्रवाई एक गलतफहमी का नतीजा था और चेतावनी दी कि जो अधिकारी अपनी कार्रवाई का सही कारण नहीं बता पाएंगे, उन्हें सस्पेंड किया जा सकता है।

वियतनाम में नाव हादसे में आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटकों की मौत

मछलीपट्टनम , 12 जुलाई (एजेंसियां)। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास एक टूरिस्ट स्पीडबोट के पलटने से आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मछलीपट्टनम की गेल्ली जयालक्ष्मी, कडप्पा के एम। श्रीहरि और हिंदूपुर के नल्लापेटा रवि तेजा के तौर पर हुई है। यह हादसा तब हुआ जब लगभग 32 पर्यटक फु क्वोक द्वीप के पास 'एन थोई' द्वीप समूह में 'होन मे रुट' के पास नाव में यात्रा कर रहे थे। बताया जा रहा है कि तेज़ लहरों और तेज़ हवाओं के कारण समुद्र में खराब हालात का सामना करते हुए नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई।

नाव पलटने की सूचना मिलने के बाद वियतनामी अधिकारी और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुँचे। कई लोगों को बचाकर पास के अस्पतालों में पहुँचाया गया, जबकि लापता लोगों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने नाव पलटने की घटना पर गहरा दुख जताया और पीड़ितों को दी जा रही राहत और पर्यटकों की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हादसे में बचे लोगों की आंध्र प्रदेश सुरक्षित वापसी के लिए तुरंत कदम उठाएँ। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे तीनों मृतकों के परिवारों से बात करें और उन्हें ज़रूरी मदद पहुँचाएँ। नायडू ने नई दिल्ली स्थित आंध्र प्रदेश भवन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रभावित पर्यटकों और उनके परिवारों को हर ज़रूरी मदद पहुँचाने के लिए वियतनामी अधिकारियों और वियतनाम में भारतीय दूतावास के साथ मिलकर काम करें।

आंध्र प्रदेश सचिवालय का आरटीजीएस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रख रहा है। आरटीजीएस अधिकारी प्रभावित परिवारों को समय पर मदद पहुँचाने के लिए वियतनाम में भारतीय दूतावास, नई दिल्ली में एपी भवन, आंध्र प्रदेश नॉन-रेसिडेंट तेलुगु सोसाइटी (एपीएनआरटी) और वियतनाम के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

आंध्र प्रदेश में कोविड-19 से 2 मौतें और 8 एक्टिव केस के बाद अलर्ट

कडप्पा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा ज़िले में कोविड-19 के मामले फिर से सामने आए हैं। हाल के हफ़्तों में आठ मामले सामने आने और दो मरीज़ों की मौत के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और तैयारी के उपाय तेज़ कर दिए हैं। कडप्पा के राजमपेट इलाके के एक 52 वर्षीय व्यक्ति, जिनमें बुखार और खांसी के लक्षण दिखने के बाद कोविड-19 की पुष्टि हुई थी, की वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) में इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अन्य मामले में, कडप्पा के एक 43 वर्षीय व्यक्ति,

जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई और बाद में कोविड-19 इंटेंसिव केयर यूनिट में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कडप्पा मेडिकल कॉलेज के एक 25 वर्षीय मेडिकल छात्र में भी वायरस की पुष्टि हुई है और वह अभी होम आइसोलेशन में इलाज करवा रहा है। नए मामले सामने आने के बाद, स्वास्थ्य विभाग ने ज़िले में विशेष रैपिड रिस्पॉन्स टीमें तैनात कीं। अधिकारियों ने प्रभावित इलाकों में लगभग 40 लोगों के सैंपल लिए।

सुबह-सुबह कांपी धरती

बंगाल की खाड़ी में भूकंप

विशाखापत्तनम तक महसूस हुए झटके

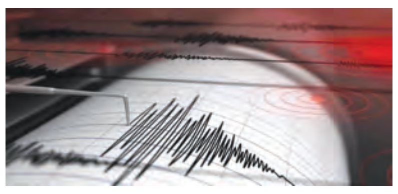

विशाखापत्तनम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तट से दूर बंगाल की खाड़ी में रविवार तड़के 4.5 तीव्रता का हल्का भूकंप आया, जिसके झटके विशाखापत्तनम शहर के कई इलाकों में महसूस किए गए। हालांकि, इस घटना में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

राहत की बात यह रही कि भूकंप का असर सीमित रहा और किसी तरह की बड़ी आपदा या जनहानि नहीं हुई। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) के अनुसार, भूकंप रविवार सुबह 5 बजकर 5 मिनट 46 सेकंड (भारतीय समयानुसार) पर आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा तट से करीब 225 किलोमीटर दूर स्थित था। इसका केंद्र 16.805 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 84.381 डिग्री पूर्वी देशांतर पर समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था। समुद्र के भीतर कम गहराई में आए भूकंपों पर विशेषज्ञ लगातार नजर बनाए रखते हैं, क्योंकि कई बार ऐसे झटके सुनामी की आशंका भी पैदा कर सकते हैं। हालांकि इस भूकंप के बाद सुनामी जैसी किसी भी स्थिति की चेतावनी जारी नहीं की गई। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप के हल्के झटके विशाखापत्तनम शहर के कई हिस्सों में महसूस किए गए।

कुछ लोगों ने सुबह अचानक कंपन महसूस होने पर घरों और इमारतों से बाहर निकलना बेहतर समझा, जबकि कई लोग सोशल मीडिया पर भी अपने अनुभव साझा करते नजर आए। हालांकि झटके काफी हल्के थे और कुछ ही सेकंड तक महसूस किए गए, इसलिए किसी तरह की अफरा-तफरी या भगदड़ जैसी स्थिति नहीं बनी।

मणिपुर के कांगपोकपी में हथियारबंद लोगों ने 53 साल के किसान की हत्या की

इंफाल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी ज़िले में धान के खेत में काम कर रहे 53 साल के एक व्यक्ति की अज्ञात हथियारबंद लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान हाओलाल सिंगसिट के तौर पर हुई है, जो कुकी-बहुल ज़िले के गोवाजांग गाँव का रहने वाला था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले के समय उसके साथ मौजूद उसकी पत्नी नेमनीकिम सिंगसिट बाल-बाल बच गईं। गाँव वालों के मुताबिक, शनिवार शाम करीब 4 बजे गोलियाँ चलने की लगभग 20 आवाज़ें सुनी गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घटना के बाद सुरक्षा बल मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने बताया कि बाद में सिंगसिट का शव बरामद किया गया। हत्या की वजह का तुरंत पता नहीं चल सका है और मामले की जाँच चल रही है।

महिला से प्रताड़ित ठेकेदार ने लगाई फांसी

इंदौर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तीन लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कनाड़िया में रहने वाले एक ठेकेदार का शव रविवार सुबह घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला। वहीं, छत्रीपुरा में एक युवक और भंवरकुआं क्षेत्र में एक महिला मजदूर ने भी आत्महत्या कर ली। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक भूरी टेकरी आईडीए बिल्डिंग निवासी 36 वर्षीय भीम सिंह चौहान, पिता नानकराम चौहान, ड्रेनेज लाइन डालने का ठेका लेते थे।

रविवार सुबह उनकी पत्नी ने उन्हें कमरे में फंदे पर लटका देखा और नीचे रहने वाले छोटे भाई अरुण को सूचना दी। इसके बाद परिजन शव को नीचे उतारकर एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे।

अरुण ने पुलिस को बताया उन्होंने बताया कि महिला भी एक बच्चे की मां है। भीम सिंह के इनकार के बावजूद वह लगातार दबाव बना रही थी, जिससे वह पिछले करीब 10 दिनों से तनाव में थे। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

16.5 लाख का जुर्माना न चुकाने पर क्या काटनी होगी 18 साल की अतिरिक्त जेल? अबू सलेम की सजा पर नया विवाद

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। 1993 मुंबई सीरियल ब्लास्ट और बिल्डर प्रदीप जैन हत्याकांड के दोषी गैंगस्टर अबू सलेम को लेकर नया कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। मुबंई की विशेष अदालत के सामने यह मामला पहुंचा है कि यदि अबू सलेम 16.51 लाख रुपये का जुर्माना नहीं भरता है तो क्या उसे नियमों के मुताबिक 18 साल 6 महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी?

अबू सलेम और नासिक जेल प्रशासन दोनों पक्षों ने कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या सालेम को सजा के तहत लगाया गया 16.51 लाख रुपये का जुर्माना भरना होगा, या राशि न चुकाने पर उसे 18 साल 6 महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी या फिर 25 साल की सीमा के कारण यह अतिरिक्त सजा लागू नहीं होगी। सलेम का दावा है कि सुप्रीम कोर्ट ने उसके जुर्माने को माफ कर दिया था और उसे केवल 25 साल की कैद (जो 2030 में पूरी हो रही है) काटनी है।

हालांकि, जेल अधिकारियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के 11 जुलाई, 2022 के आदेश या महाराष्ट्र सरकार के 14 जुलाई, 2025 के

आदेश में जुर्माने की माफी का कोई स्पष्ट जिक्र नहीं है। अपनी अर्जी में सलेम ने कहा, क्या आवेदक को कोई जुर्माना भरना है या जुर्माने की रकम के बदले सजा काटनी है? क्योंकि जेल अधिकारियों को खुद जुर्माने के बारे में जानकारी नहीं है। संबंधित विभाग की यह जिम्मेदारी है कि यह सुनिश्चित करे कि कैदी अपनी सजा काटें। आवेदक कोर्ट से गुजारिश कर रहा है कि वह जेल अधिकारियों को जुर्माने की रकम के बारे में निर्देश दे कि क्या इसे आवेदक को भरना है। गौरतलब है कि नासिक सेंट्रल जेल की हाई-सिक्योरिटी सेल में बंद सलेम ने 22 जून, 2026 को एक अर्जी दाखिल की थी। कोर्ट को भेजे गए 7 जुलाई, 2026 के एक पत्र में जेल सुपरिटेंडेंट ने कहा कि सलेम ने दो अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराए जाने पर लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं किया है और वह आरटीआई के तहत जेल अधिकारियों से बार-बार पूछ रहा है कि क्या उसके खिलाफ जुर्माने की कोई सजा अभी भी लागू है।

बताते चले कि भारत और पुर्तगाल सरकारों के बीच प्रत्यर्पण समझौते के तहत सलेम को 11 नवंबर, 2005 को पुर्तगाल से भारत लाया गया था। जेल प्रशासन ने कोर्ट को बताया है कि दोनों मामलों में मुख्य सजाएं एक साथ चलनी थीं और सलेम 11 नवंबर, 2005 से न्यायिक हिरासत में है।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता

रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े 3 शूटर्स को पकड़ा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ को बड़ी सफलता मिली है। स्टाफ ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े 3 शूटर्स को पकड़ा है। ये शूटर्स बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। ये शूटर्स टारगेट किलिंग की प्लानिंग कर रहे थे। रोहिणी जिले के स्पेशल स्टाफ को इसकी जानकारी मिली थी जिसके बाद इन्हें ट्रैक किया जा रहा था। इन शूटर्स को विदेश में बैठे नेटवर्क के जरिए जानकारी मिल रही थी, जिसके बाद इन्हें वारदात को अंजाम देना था। ये शूटर्स दिल्ली में कई वारदातों में वांटेड थे। इससे पहले भी टारगेट करके फायरिंग की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। हाल ही में खबर सामने आई थी कि अमेरिका में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ ऑपरेशन चलाया गया है।

अमेरिका में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ एफबीआई ने 7 जुलाई से 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' शुरू किया चलाया है। इस ऑपरेशन के तहत कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक्शन को ऑपरेशन हार्ड बॉल नाम दिया

गया है। ऑपरेशन के तहत लॉरेंस बिश्नोई गैंग, उसके सहयोगियों गोल्डी बराड़ और जग्गू भगवानपुरिया से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। एफबीआई ने गोल्डी बराड़ पर भी बड़ा एक्शन लिया है। एफबीआई ने उस पर 50 हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना पर 50,000 डॉलर (करीब 43 लाख रुपये) तक के इनाम की घोषणा की है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम अपराध की दुनिया में दूर तक सुनाई देता है। ऐसे में इन लोगों के गैंग के मेंबर्स को पकड़कर ये साफ मैसेज दिया गया है कि अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट हवाई किराए और एयरलाइन चार्ज को रेगुलेट करने के नियमों की मांग वाली याचिका पर आज सुनवाई करेगा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को एक याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में प्राइवेट एयरलाइंस द्वारा लगाए जाने वाले हवाई किराए और अतिरिक्त चार्ज में अचानक होने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए रेगुलेटरी गाइडलाइंस बनाने की मांग की गई है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच सामाजिक कार्यकर्ता एस। लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई करेगी। उन्होंने सिविल एविएशन सेक्टर में पारदर्शिता, सही कीमत और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र रेगुलेटर बनाने की भी मांग की है। याचिका में कहा गया है कि एयरलाइंस के पास मनमाने ढंग से किराया बढ़ाने और अतिरिक्त चार्ज लगाने की बेलगाम शक्तियां हैं, खासकर जब मांग ज़्यादा होती है।

याचिका में सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए कोर्ट के दखल की मांग की गई है। 15 मई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हवाई किराए में कुछ तर्कसंगत बदलाव होने चाहिए और केंद्र से हवाई यात्रियों को राहत देने को कहा था। बेंच ने गौर किया कि एक ही रूट पर चलने वाली एयरलाइंस अक्सर एक ही दिन बहुत अलग-अलग किराए वसूलती हैं। केंद्र ने इस

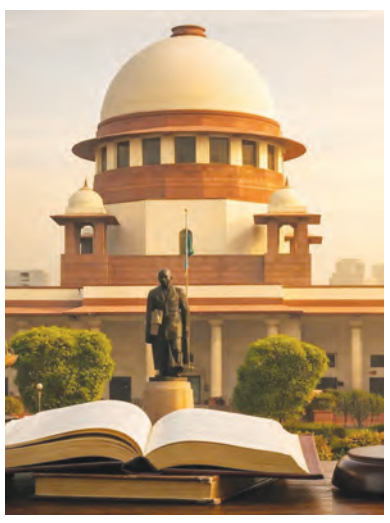

मुद्दे को मानते हुए कोर्ट को बताया कि 'भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024' जनवरी 2025 में लागू हुआ और इससे जुड़े नियमों पर अभी बातचीत चल रही है।

याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर वकील रवींद्र श्रीवास्तव ने कहा कि 'एयरक्राफ्ट एक्ट, 1937' के तहत पहले से ही रेगुलेटरी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उन्हें ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 17 नवंबर को केंद्र और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया था। इससे पहले, केंद्र ने कोर्ट को बताया था कि सिविल एविएशन मिनिस्ट्री याचिका में उठाए गए मुद्दों पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। 19 जनवरी को हुई पिछली सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने कहा था कि वह हवाई किराए में अचानक होने वाले उतार-चढ़ाव के मुद्दे पर विचार करेगा और त्योहारों के मौसम में टिकट की कीमतों में भारी बढ़ोतरी पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने किराए में भारी बढ़ोतरी को शोषण बताया था और केंद्र व डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

याचिका में कहा गया है कि प्राइवेट एयरलाइंस ने इकॉनमी क्लास के यात्रियों के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज की सीमा 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दी है, जिससे जो सेवा पहले टिकट का हिस्सा थी, उसे कमाई का एक नया ज़रिया बना दिया गया है। इसमें आगे कहा गया है कि चेक-इन के लिए सिर्फ़ एक बैग ले जाने की नई पॉलिसी और उन यात्रियों को कोई छूट, मुआवज़ा या फ़ायदा न देना जो चेक-इन बैगेज की सुविधा नहीं लेते, इस उपाय के मनमाने और भेदभावपूर्ण रवैये को दिखाता है

शादी से पहले पत्नी का किसी और से रिश्ता था तो पति ने पत्नी की हत्या कर दी

कुरनूल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। शादी से पहले पत्नी किसी और आदमी से प्यार करती थी। शादी के बाद पति को इस बारे में पता चला और उसने अपनी पत्नी को दूर रखा। हालांकि, उसने अपनी पत्नी को धोखा दिया और गुस्से में आकर अपनी शादीशुदा पत्नी की हत्या कर दी।

इस मामले में गिरफ्तार व्यक्ति को जेल भेजा गया और कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सज़ा सुनाई। और इसका नतीजा क्या हुआ? राजमुंदरी सेंट्रल जेल में बंद उस व्यक्ति ने आत्महत्या करने का फैसला किया और आत्महत्या कर ली।

कुरनूल शहर के कल्लूरु शहरी इलाके के चिंथमनीनगर का रहने वाला श्रावण कुमार (30) जेल में आत्महत्या कर ली। उसने अपने माता-पिता के साथ मिलकर अपनी पत्नी रुक्मिणी और रमा देवी की हत्या कर दी थी।

जब चाचा वेंकटेश्वर ने भी उसे मारने की कोशिश की, तो वह बचकर भाग गया। 2023 में हुई इस घटना ने उत्तर प्रदेश में सनसनी फैला दी थी। उस मामले में विचाराधीन कैदी श्रावण कुमार राजमुंदरी जेल में था, जहाँ उसने आत्महत्या कर ली।

'दाऊद ने बम रखा है'

मुंबई के ताज होटल को बम से उड़ाने की मिली धमकी

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के ताज होटल में बम होने की धमकी दी गई है। रविवार (12 जुलाई) आधी रात को मुंबई के मशहूर ताज होटल में बम की धमकी मिलने के बाद कंट्रोल रूम में पुलिस की जांच तेज कर दी गई है। एक आदमी ने रात 12.13 बजे नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल को फोन करके बताया, दाऊद ने ताज होटल में बम रखा है। इसके बाद यह जानकारी मुंबई मेन कंट्रोल रूम को दी गई।

जानकारी मिलते ही कोलाबा पुलिस, क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन टीम और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) तुरंत ताज होटल पहुंच गए। धमकी मिलने के बाद होटल की मेन लॉबी, स्विमिंग पूल, अलग-अलग हॉल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, बाहरी इलाकों और दूसरी सेंसिटिव जगहों पर काउंटर-इंमरजेंसी चेकिंग की गई। इंस्पेक्शन के दौरान कोई संदिग्ध चीज या विस्फोटक नहीं मिला। टेक्निकल जांच से पता चला कि धमकी भरा कॉल तुर्भे इलाके से किया गया था। इस नंबर के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध की तलाश शुरू कर दी है और तुर्भे पुलिस स्टेशन की मदद से कॉल करने वाले का पता लगाने का काम चल रहा है। ताज होटल में बम होने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसी अलर्ट मोड पर हैं। एजेंसियों द्वारा कॉल करने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस इस घटना को देखते हुए सावधानी बरत रही है। होटल के आसपास के इलाके में आवाजाही पर नजर रखी जा रही है। पुलिस के मुताबिक किसी संदिग्ध के मिलने की सूचना नहीं है। जांच एजेंसी इसको लेकर होटल में छानबीन करने में जुट गई। हालांकि टीम को कुछ भी नहीं मिला है। अब उस फोन कॉल का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बता दें कि कुछ महीने पहले भी इस तरह की धमकी भरा कॉल होटल स्टाफ को मिला था। फिलहाल इस घटना के बाद ताज होटल की सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है। पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 13 जुलाई, 2026 3

सुविचार

सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।

आईसीआरआईएसएटी में आज उच्चस्तरीय बैठक करेंगे तुम्मला

एल नीनो के प्रभाव से निपटने की तैयारी

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव सोमवार को हैदराबाद स्थित आईसीआरआईएसएटी में एल नीनो के संभावित प्रभावों से निपटने की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में आगामी 2026 मानसून सत्र पर एल नीनो के प्रभावों का विश्लेषण किया जाएगा। इसमें कृषि एवं बागवानी विश्वविद्यालयों, आईसीआरआईएसएटी, भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान और केंद्रीय शुष्क क्षेत्र कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ-साथ भारतीय मौसम विभाग, कृषि, बागवानी और भूजल विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार कृषि विभाग ने संभावित कम वर्षा की स्थिति से निपटने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इस योजना को जिलाधिकारियों, कृषि विभाग के अधिकारियों, भारतीय मौसम विभाग, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय शुष्क क्षेत्र कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के सहयोग से तैयार किया गया है। इसके तहत राज्य के लिए तीन चरणों वाली आकस्मिक योजना और प्रत्येक जिले की परिस्थितियों के अनुरूप अलग-अलग कार्ययोजनाएं बनाई गई हैं। मंत्री 15 जुलाई से शुरू होने वाली इस योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ आगे की बैठक भी करेंगे। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने बताया कि पिछले खरीफ सत्र में राज्य में लगभग 1.40 करोड़ एकड़ क्षेत्र में कृषि गतिविधियां हुई थीं, जिसमें अकेले धान की खेती करीब 70 लाख एकड़ में की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, इस मानसून सत्र में एल नीनो की स्थिति के बावजूद अब तक लगभग 60 लाख एकड़ क्षेत्र में बुवाई शुरू हो चुकी है। हालांकि, यदि एल नीनो का प्रभाव जारी रहता है तो वर्तमान सत्र में धान की खेती का क्षेत्र घटकर 30 से 40 लाख एकड़ तक सीमित हो सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य में लगभग 50 लाख एकड़ क्षेत्र के लिए वैकल्पिक फसल योजना तैयार की गई है, जिसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि एल नीनो के कारण संभावित देरी से होने वाली वर्षा और बढ़ते तापमान

को ध्यान में रखते हुए राज्यव्यापी तीन चरणों वाली आकस्मिक योजना तैयार की गई है। इसे 15 जुलाई, 30 जुलाई और 15 अगस्त के चरणों में लागू किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक जिले की स्थानीय कृषि परिस्थितियों के अनुसार जिला स्तरीय योजनाएं भी तैयार की गई हैं।

मानसून कमजोर, किसानों की चिंता बढ़ी

पूर्व आदिलाबाद में बारिश की भारी कमी

आदिलाबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून शुरू हुए करीब डेढ़ महीने बाद भी पूर्व आदिलाबाद जिले में पर्याप्त बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। लंबे समय से जारी सूखे जैसे हालात के कारण खेती प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

तेलंगाना विकास योजना सोसायटी की मौसम रिपोर्ट के अनुसार, आदिलाबाद जिले में 1 जून से 12 जुलाई तक सामान्य 330 मिलीमीटर बारिश के मुकाबले केवल 219 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य से करीब 34 प्रतिशत कम है। जिले के अधिकांश मंडलों में बारिश की कमी दर्ज की गई है। बाजारहथनूर मंडल में सबसे अधिक 66 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है।

मंचरियाल जिले में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यहां सामान्य 283 मिलीमीटर के मुकाबले 186 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो 34 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। वहीं निर्मल जिले में सामान्य 281 मिलीमीटर के मुकाबले 204

मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो 27 प्रतिशत कम है। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में भी सामान्य से 19 प्रतिशत कम बारिश हुई है। कई मंडलों में 30 से 60 प्रतिशत तक बारिश की कमी दर्ज की गई है।

कम बारिश के साथ किसानों को कृषि श्रमिकों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है। कपास और सोयाबीन की फसलों में खरपतवार हटाने के लिए किसान मजदूर नहीं मिल पाने से परेशान हैं। मजदूरी बढ़ाने के बावजूद श्रमिकों की उपलब्धता कम होने के कारण किसान खरपतवारनाशक और मशीनों का सहारा लेने को मजबूर हैं, जिससे खेती का खर्च बढ़ रहा है।

मानसून में भी आग का खतरा बरकरार

बिजली खराबी और लापरवाही बन रही वजह

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून आने के बाद भले ही गर्मी से राहत मिली हो, लेकिन शहर में आग लगने की घटनाओं का खतरा अभी भी बना हुआ है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि बारिश के मौसम में भी आग की घटनाओं के प्रमुख कारण बिजली संबंधी खामियां और लापरवाही ही होती हैं।

अधिकारियों के अनुसार, खराब वायरिंग, पुराने बिजली तार, ओवरलोड सर्किट, अवैध बिजली कनेक्शन, खराब रखरखाव वाले जनरेटर और

ज्वलनशील वस्तुओं का गलत तरीके से उपयोग आग लगने के मुख्य कारण हैं। मानसून के दौरान नमी बढ़ने से यदि बिजली उपकरणों और तारों का सही रखरखाव नहीं किया गया तो शॉर्ट सर्किट का खतरा और बढ़ सकता है।

हाल के दिनों में आवासीय अपार्टमेंट, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, गोदामों और औद्योगिक इकाइयों में हुई आग की घटनाओं ने अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि कई इमारतों में अब भी अग्निशमन उपकरणों का उचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है और आपातकालीन सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं हो रहा है।

अग्निशमन अधिकारियों ने अपार्टमेंट प्रबंधन, भवन मालिकों और व्यापारिक संस्थानों से नियमित रूप से बिजली व्यवस्था की जांच कराने, अग्निशामक यंत्रों और अलार्म सिस्टम की देखभाल करने तथा आपातकालीन रास्तों को साफ रखने की अपील की है। उद्योगों को ज्वलनशील सामग्री के सुरक्षित भंडारण और अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं, हैदराबाद पुलिस ने मानसून के दौरान सड़क हादसों को देखते हुए वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस ने कम गति से वाहन चलाने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने, जलभराव वाली सड़कों पर सतर्क रहने और वाहन की हेडलाइट व अन्य लाइटों की जांच करने की सलाह दी है।

केंद्रीय मंत्री कल नए ईएसआईसी ओपीडी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 14 जुलाई को देशभर में लगभग 668 करोड़ रुपये की लागत वाली सात कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। मंत्री हैदराबाद के सनतनगर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में नवनिर्मित अत्याधुनिक ओपीडी ब्लॉक का प्रत्यक्ष उद्घाटन करेंगे।

इसी स्थान से वे देश भर में स्वास्थ्य सेवा संबंधी छह अन्य प्रमुख परियोजनाओं का वर्चुअल रूप से अनावरण करेंगे। इन वर्चुअल लॉन्च में बेल्टोला (असम), श्रीपेरुम्बुदुर (तमिलनाडु), राजामहेंद्रवरम (आंध्र प्रदेश), सुरेंद्रनगर (गुजरात), भवानी मंडी और कोटा (राजस्थान) जैसे रणनीतिक औद्योगिक केंद्रों में उन्नत अस्पताल और औषधालय शामिल हैं।

इन विस्तारित सुविधाओं से भारत भर में 53 लाख से अधिक बीमित श्रमिकों और उनके आश्रितों को चिकित्सा अवसंरचना में सुधार और व्यापक सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त होंगे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। सनतनगर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का नया ओपीडी ब्लॉक एक ऐतिहासिक स्वास्थ्य सुविधा है जो हैदराबाद, मेड़चल-मल्काजगिरि, संगारेड्डी, रंगारेड्डी और महबूबनगर जिलों सहित पूरे तेलंगाना में 12,30,183 बीमित व्यक्तियों और लाभार्थियों को आधुनिक और व्यापक बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान करेगा।

टीजी टीईटी जून 2026 का परिणाम आज जारी

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी) जून 2026 के परिणाम सोमवार को दोपहर 2:30 बजे जारी किए जाएंगे। शिक्षा विभाग की ओर से परिणाम जारी होने के बाद अभ्यर्थी इसे आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे।

टीजी टीईटी परीक्षा का आयोजन 16 से 22 जून तक किया गया था। इस परीक्षा के लिए कुल 1,53,752 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। इनमें पेपर-1 के लिए 50,113 और पेपर-2 के लिए 1,03,639 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। शिक्षा विभाग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे परिणाम देखने के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर ही जाएं और अपने आवेदन संबंधी विवरण के माध्यम से परिणाम डाउनलोड करें। परीक्षा में शामिल उम्मीदवार परिणाम जारी होने का इंतजार कर रहे हैं।

ब्राह्मण समाज की एकता को मजबूत करते हैं ऐसे आयोजन : वेणुगोपाल राव

ब्राह्मण सेवा संघ महासंघ का रजतोत्सव समारोह आयोजित

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के प्रोटोकॉल एवं जनसंपर्क सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल राव ने कहा कि ब्राह्मण समाज की एकता को सुदृढ़ बनाने, सनातन धर्म की परंपराओं के संरक्षण तथा युवाओं को विवाह परिचय का मंच उपलब्ध कराने में ऐसे सामाजिक आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह बात हैदराबाद के मल्लापुर स्थित एक गार्डन में ब्राह्मण सेवा संघ महासंघ के तत्वावधान में आयोजित वशिष्ठ कल्याण वेदिका, रजतोत्सव समारोह एवं ब्राह्मण विवाह परिचय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। कार्यक्रम में तेलंगाना ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष बसवराजु श्रीनिवास भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। हरकारा वेणुगोपाल राव ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए पारस्परिक सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने वाले ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। तेलंगाना ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष बसवराजु श्रीनिवास ने ब्राह्मण सेवा संघ महासंघ द्वारा संचालित सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए समाज के कल्याण के लिए सभी से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर आयोजकों ने मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में ब्राह्मण सेवा संघ महासंघ के राज्य एवं जिला प्रतिनिधि, विद्वान, वेदपाठी, विभिन्न क्षेत्रों से आए ब्राह्मण परिवार तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

किशन रेड्डी ने काचीगुड़ा क्षेत्र में पदयात्रा कर सुनी लोगों की समस्याएं

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को अपने लोकसभा क्षेत्र सिकंदराबाद के काचीगुड़ा मंडल में पदयात्रा कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर किशन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बस्तियों का प्रत्येक शनिवार और रविवार दौरा करने की पहल शुरू की है। इसी क्रम में उन्होंने अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों की बस्तियों का दौरा कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान राज्य सरकार के अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मानसून शुरू होने के बाद कई सड़कों की स्थिति खराब हो गई है। कई इलाकों में स्ट्रीट लाइट खराब होने के कारण अंधेरा छाया हुआ है। अधिकारियों को जानकारी देने के बावजूद खराब लाइटों को बदलने में देरी

हो रही है। उन्होंने कहा कि मानसून आने के बाद भी दूरदराज की बस्तियों और घरों तक पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। गर्मी के मौसम जैसी ही जल समस्या बनी हुई है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और जल बोर्ड के अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई कर समस्याओं का समाधान करने की मांग की। किशन रेड्डी ने बताया कि स्थानीय लोग आवास और पेंशन सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने दो कमरों वाले मकानों के नाम पर लोगों को झूठी उम्मीदें दीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए लगभग तीन वर्ष हो चुके हैं, लेकिन पात्र लोगों को अभी तक पेंशन नहीं मिल रही है और बार-बार आवेदन करने के बावजूद कोई परिणाम नहीं निकल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता राज्य सरकार से महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये आर्थिक सहायता, बेरोजगार युवाओं को 4000 रुपये बेरोजगारी भत्ता तथा विवाह के अवसर पर स्कूटर और एक तोला सोना देने जैसे चुनावी वादों के क्रियान्वयन को लेकर सवाल कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार की तरह वर्तमान कांग्रेस सरकार भी विकास को केवल हाईटेक सिटी तक सीमित मान रही है। उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद, अंबरपेट, सनतनगर, गौलीगुड़ा, पुराने शहर और खैरताबाद जैसे क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद केवल हाईटेक सिटी नहीं है, बल्कि इन बस्तियों में रहने वाले लोगों का शहर भी है। उन्होंने राज्य सरकार से बुनियादी सुविधाओं की समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने और जनता को राहत पहुंचाने की मांग की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 777009 F, Sub, Venkateswarlu Podila, R/o, Dist: Guntur, Andhra Pradesh, changed my Father's name from Podila Prasada Rao to Podili Prasadrao ,vide Affidavit No.467599 dt. 10.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 777009F, Sub, Venkateswarlu Podila, R/o, Dist: Guntur, Andhra Pradesh, changed my Mother's name from Podila Jayamma to Podili Jayamma, vide Affidavit No. 467601 dt. 10.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Lalithamma, Mother of No. 14671348M, Hav, Renjith C, R/o, Dist: Alappuzha, Kerala, changed my name from Lalithamma to Lalithamma K S, vide Affidavit No. 467603 dt. 10.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Jalaja Kumari A S, Mother of No. 14663381P, Hav, Rajesh J R, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my name from Jalaja Kumari A S to A S Jalaja, vide Affidavit No. 467595 dt. 10.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सरकार एनडीएसए रिपोर्ट के अनुसार काम कर रही है : चनगानी दयाकर

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के महासचिव चनगानी दयाकर ने बीआरएस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री हरीश राव पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वे पद और धन के लिए राजनीति करते रहे हैं तथा जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। दयाकर ने कहा कि सत्ता में रहने के दौरान हरीश राव ने मानवता और जनहित की परवाह किए बिना कार्य किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता तेलंगाना की जनता को लगातार भ्रमित कर झूठ को सच साबित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब जनता उनके बहकावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम परियोजना और मेडीगड्डा बैराज पर बयान देने वाले सेवानिवृत्त अभियंताओं के पीछे हरीश राव का प्रोत्साहन है।

उनका कहना था कि राज्य सरकार राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई कर रही है। टीपीसीसी महासचिव ने सवाल उठाया कि यदि सेवानिवृत्त अभियंताओं को कालेश्वरम परियोजना की इतनी चिंता थी तो वे पिछले 30 महीनों से इस विषय पर मौन क्यों थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेतृत्व अंधविश्वासों को बढ़ावा देकर तकनीकी रूप से विकसित तेलंगाना की छवि को नुकसान पहुंचाता रहा। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता के भविष्य को ध्यान में रखते हुए वर्तमान सरकार कार्य कर रही है। दयाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तेलंगाना के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता का बढ़ता समर्थन देखकर बीआरएस नेता असहज हो गए हैं और इसी कारण सरकार के विरुद्ध निराधार आरोप लगा रहे हैं।

प्रतिबंधित कपास बीज मामले में जांच धीमी

पुलिस की चुप्पी पर उठे सवाल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर में प्रतिबंधित खरपतवारनाशक प्रतिरोधी (एचटी) कपास के बीज बेचने के मामले में पुलिस और कृषि विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। आंध्र प्रदेश के एक चर्चित बीज निर्माता के खिलाफ दर्ज मामले में जांच की प्रगति को लेकर अधिकारियों की चुप्पी चर्चा का विषय बनी हुई है।

अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस और कृषि विभाग की टीम ने 2 जुलाई को कागजनगर में एक बीज व्यापारी के प्रतिष्ठान पर अचानक छापेमारी की थी। जांच के दौरान व्यापारी के पास से प्रतिबंधित एचटी कपास के बीज बरामद हुए थे। जब्त किए गए बीजों की कीमत करीब 3.77 लाख रुपये बताई गई थी।

बरामद बीजों को जांच के लिए हैदराबाद स्थित तेलंगाना डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं ट्रांसजेनिक फसल निगरानी प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि ये बीज आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति द्वारा प्रतिबंधित एचटी कपास की श्रेणी में आते हैं। इसके बाद 8 जुलाई को व्यापारी, निर्माता के प्रतिनिधियों और दो प्रबंध निदेशकों समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच की स्थिति को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। अधिकारियों की इस चुप्पी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं, कृषि विभाग ने व्यापारी से दोबारा बीज के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित कपास बीजों की बरामदगी से क्षेत्र के किसानों में चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से संबंधित निर्माता के बीजों का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में निर्माता दोषी पाया जाता है तो किसानों का भरोसा प्रभावित होगा।

* तृतीय पुण्यतिथि *

स्व. श्री पेमारामजी गेहलोत

स्व. श्री हरजीरामजी गेहलोत (मरूधर मूकनपुरा)

स्वर्गवास: 13.07.2023

स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।

* श्रद्धा सुमन अर्पितकर्ता *

पुत्र-वधू: मुली बाई-लखाराम, भवरी बाई-तीलोकराम, सुखीया बाई -कनाराम, गोदावरी बाई-मांगीलाल, विमला बाई-वेनाराम,

पौत्रा: भेरारम, प्रवीण, कमलेश, हरीश, मोहित,जेयश, दिलेश

पौत्र-पौत्र वधू: रेखा- रमेश कुमार,वन्दना-दिनेश कुमार, भागीया- प्रकाश

पड़पुत्र-पोत्री: लोकेश, भावेश, अर्जुन, कुशाल, निकिता

बेटी-जमाई: ताराबाई- ढगलारामजी, गवरी बाई- मांगीलालजी गेरी बाई-वोरारामजी, सुखिया बाई-हकारामजी

एवं समस्त गेहलोत परिवार

प्रतिष्ठान

भगवती पेन्ट्स, मेडपल्ली, हैदराबाद, मो.: 9676486057

लक्ष्मी इलेक्ट्रीकल, पेन्ट्स, सेनिटरी

जोडिमेट्ला, हैदराबाद, मो.: 9989492668

AAIMAA ADS

पति ने दांतों से पत्नी की नाक काटी मायके जाने पर अड़ी थी, मां ने ननद की नाक काटकर बदला लिया

लखीमपुर खीरी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के लखीमपुर खीरी में पति ने दांतों से पत्नी की नाक काट दी। पत्नी मायके जाने की जिद पर अड़ी थी। इसी बात को लेकर दोनों में पहले बहस और फिर झड़प हो गई। नाक कटने से गुस्साई पत्नी ने मायके में अपनी मां को फोन कर दिया। मां ससुराल पहुंची तो बेटी की कटी नाक देखकर भड़क गई। बदला लेने के लिए उसकी 18 साल की ननद की नाक काट दी। वह खून से लथपथ हो गई। तड़पने लगी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग आए। जैसे-तैसे दोनों परिवारों को शांत कराया।

इसके बाद दोनों परिवार थाने पहुंच गए। वहां शिकायत की। इसके बाद मां बेटी को मायके लेकर चली गई। मामला शाम 4 बजे जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पडुआ इलाके के ढखेरवा गांव की है। पुलिस ने बताया कि पति का नाम श्रवण कश्यप, पत्नी का नाम प्रीति और ननद का नाम मोनी है। पत्नी और ननद का प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा चल रहा है।

राममंदिर आरएसएस कार्यालय है

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने दिया बड़ा बयान, लोगों से गौरक्षा की अपील की

बाराबंकी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने के लिए अभियान चला रहे हैं। इसके लिए जिलों में यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने यात्रा के दौरान रायबरेली में राम मंदिर के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान स्वरूप में अयोध्या का राम मंदिर आरएसएस का कार्यालय है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब यह मंदिर पूर्ण रूप से बन जाएगा तब सभी दर्शन करने जाएंगे। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शिवगढ़ में अपनी यात्रा के दौरान गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिए जाने की पुरजोर वकालत की है। गाय की रक्षा और राष्ट्रीय माता का दर्जाः स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पूरे प्रदेश में लोगों से गाय की रक्षा करने की अपील की।

उन्होंने जोर देकर कहा कि गाय को माता मानने में ही सभी का कल्याण है।

उन्होंने खेद व्यक्त किया कि लोग अनजाने में गाय की अवहेलना कर कितना बड़ा पाप कर रहे हैं, जबकि उन्हें यह समझना होगा कि गाय केवल पशु नहीं, बल्कि एक पूजनीय मां है। उनके अनुसार, यदि गाय को दुख होगा तो सभी को कष्ट होगा, इसलिए विश्व समुदाय को गोमाता की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए।

वेदों और पुराणों में भी गाय के महत्व को रेखांकित किया गया है और उसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इसके पहले, बाराबंकी में रविवार को त्रिवेदीगंज के गौतौना गांव में समाजवादी पार्टी के नेता गौतम रावत के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में गौ संरक्षण और राम मंदिर निर्माण को लेकर केंद्र व राज्य की राजनीति पर तीखी टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि जो लोग गाय को माता कहकर सत्ता में आए, वही अब उसे पशु बता रहे हैं। उनके अनुसार गाय को राष्ट्रीय गौमाता घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक दल गाय को राष्ट्रीय गौमाता घोषित करेगा, उनका समर्थन उसी दल को मिलेगा।

महिला सिपाही को अगवा कर रेप

हाजीपुर (वैशाली), 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार पुलिस की नाक के नीचे बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया है। वैशाली में एक महिला सिपाही को सरेआरम अगवा कर उसके साथ रेप किया गया है। महिला होमगार्ड को बेहोशी की हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी छोटी बहन के साथ भी छेड़खानी की गई है। आरोपी की पहचान गांव के ही सुबोध पासवान के रूप में हुई है। सुबोध पासवान पहले युवती का फिजिकल ट्रेनर था। इसी दौरान उसने युवती की अश्लील तस्वीरें खींच ली थी।

जिसके जरिए वो लगातार महिला होमगार्ड को ब्लैक मेल कर शादी करने का दबाव भी बना रहा था। बताया जाता है कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और 3 बच्चों का पिता है। घटना गौरल थाना इलाके के एक गांव की है। महिला होमगार्ड की छोटी बहन के मुताबिक दोनों बहन साइकिल से शुक्रवार को बाजार गई थीं। हमलोग सामान खरीद रहे थे, तभी हमें शक हुई कि कोई लड़का उनका पीछा कर रहा है।

सामान खरीदने के बाद हम दोनों बहनें साइकिल से घर लौटन लगे। तभी रास्ते में जो लड़का पीछा कर रहा था उसके साथ एक सुबोध पासवान ने हमारा रास्ता रोक लिया।

वो मेरी बहन के साथ जबरदस्ती करने लगा। गांव के ही एक आदमी ने हम दोनों को बचाने की कोशिश की लेकिन दोनों ने उनके साथ भी मारपीट की। सुबोध पासवान मेरी बहन को जबरन अपने घर ले गया। वो मेरी बहन को कमरे में ले गया, और मुझे धक्का देकर कमरे से बाहर किया। मैं वहां से किसी तरह भाग निकली और घर वालों को इसके बारे में पूरी जानकारी दी।

मेरी मां ने फौरन पुलिस को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के घर से मेरी बहन को बेहोशी की हालत में बरामद किया और अस्पताल में भर्ती कराया। सुबोध का भाई टुनटुन भी इस घटना में शामिल था। लड़की की मां ने बताया कि छोटी बेटी और गांव वालों की सूचना पर जब मैं सुबोध के घर पहुंची, लेकिन टुनटुन पासवान और सुबोध पासवान ने मेरी बेटी को छोड़ने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मैंने डायल 112 पर पुलिस को घटना की जानकार दी।

मीसा भारती पहुंचीं पूर्व मुखिया संजय यादव के घर

परिजनों से की मुलाकात

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहटा के राघोपुर पंचायत के पूर्व मुखिया संजय यादव की संदिग्ध मौत मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के पुत्र सोनल कुमार के आवेदन पर बिहटा थाना में छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। सोनल कुमार ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके पिता राजनीति के साथ-साथ जमीन के कारोबार से भी जुड़े थे, जिसके कारण उनका कई लोगों से विवाद चल रहा था। उन्होंने बताया कि पिता को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं,

जिसके चलते वह अक्सर घर से बाहर रहते थे। प्राथमिकी में अल्हनपुरा निवासी गुड्डू यादव, बिशनपुरा निवासी रविराज सिंह, बिहटा निवासी मनीष सिंह तथा राघोपुर निवासी करुणा शंकर मिश्रा, भोला मिश्रा और प्रभा शंकर मिश्रा को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सभी आरोपितों ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत संजय यादव की हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूर्व मुखिया संजय यादव की मौत के मामले में 52 कट्ठा जमीन का विवाद भी जांच का अहम बिंदु बन गया है। यह जमीन करोड़ों रुपये मूल्य की बताई जा रही है। परिजनों ने जमीन विवाद को लेकर भी पुलिस को जानकारी दी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जमीन के एग्रीमेंट को लेकर संजय यादव और दूसरे पक्ष के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामले में कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमिका को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं भी हो रही हैं। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और किसी भी संभावित एंगल को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। घटना के बाद देर शाम पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती राघोपुर पहुंचीं और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच जरूरी है।

वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को नहीं मिली कार्यक्रम की अनुमति, कार्यकर्ता निराश लौटे

गोरखपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं वीआइपी (विकासशील इंसान पार्टी) के प्रमुख मुकेश सहनी का रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे गोरखपुर क्लब के आशीष मैरिज हाल में प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश संवाद एवं राज्य प्रवास कार्यक्रम' प्रशासन ने अनुमति न मिलने के कारण नहीं होने दिया। प्रशासन ने जनपद में विशिष्ट जन के आगमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का हवाला देते हुए कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार कर दिया। साथ ही आदेश दिया कि बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित करने पर आयोजकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विभिन्न जिलों से पहुंचे कार्यकर्ताओं को वापस लौटना पड़ा। कार्यक्रम स्थल के बाहर और आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा और पूरे क्षेत्र की निगरानी की जाती रही। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे कार्यकर्ता पुलिसकर्मियों से आयोजन न होने का कारण पूछते रहे। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने बताया कि प्रशासन के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

जेडीयू से निकाले गए छोटू सिंह पर एक और कार्रवाई

परिषद महासचिव पद से भी हटाया

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से निष्कासित किए गए अरविन्द कुमार उर्फ छोटू सिंह को बिहार राज्य नागरिक परिषद के महासचिव पद से भी हटा दिया गया है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार उन्हें आदेश जारी होने की तिथि से इस पद से मुक्त कर दिया गया है। अरविन्द कुमार उर्फ छोटू सिंह को 23 जून 2025 को राज्य नागरिक परिषद का महासचिव मनोनीत किया गया था।

अब सक्षम प्राधिकार के आदेश पर उनकी नियुक्ति समाप्त कर दी गई है। गौरतलब है कि हाल ही में जनता दल (यूनाइटेड) ने भी अनुशासनहीनता के आरोप में छोटू सिंह को छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित किया था। इससे संबंधित कार्यालय आदेश प्रदेश जदयू के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के हस्ताक्षर से जारी किया गया था।

छोटू सिंह जदयू के प्रदेश महासचिव के पद से पहले हटा दिए गए थे। जदयू के पदाधिकारियों की जारी नई सूची में उनका नाम नहीं है। इसी सिलसिले में उन्होंने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा से मुलाकात की। उनके साथ जदयू के कई ऐसे नेता थे, जिन्हें इस बार दल की विभिन्न कमिटियों में जगह नहीं दी गई है। छोटू का कहना था कि विधान परिषद सदस्य संजय गांधी के कारण कई महत्वपूर्ण नेताओं-कार्यकर्ताओं को कमिटी में जगह नहीं मिली है। इसी दौरान विवाद की बात सामने आई थी और उनपर कार्रवाई हो गई।

नाबालिग के साथ 2 लोगों ने किया रेप

अलीगढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के छर्रा थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ सामूहिक रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ पोक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि एक किशोरी के साथ गंभीर अपराध हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश में दबिश दी। पुलिस को देखकर दोनों आरोपी भागने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान एक आरोपी ने बचने के लिए मकान की ऊपरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे वह घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों के आक्रोश के बीच दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस ने हस्तक्षेप कर आरोपियों को सुरक्षित हिरासत में लिया और थाने ले गई। पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर उसे उपचार और चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला महिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है।

'अपने गुंडों को संभाल लीजिए महाराज, नहीं तो ये योगी सरकार है'

अखिलेश यादव पर क्यों भड़क गए ओपी राजभर?

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी सरकार में मंत्री और सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर लगातार सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमलावर नजर आते हैं। एक दिन पहले बलिया में इसको लेकर सपा नेताओं ने राजभर के काफिले के सामने जमकर हंगामा किया। इस बहाने राजभर ने एक बार फिर अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। रविवार को ओपी राजभर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है- 'मित्र @ अखिलेश यादव जी, देख रहे हैं न अपने गुंडों की करतूत।

बलिया में सैकड़ों की तादाद में आपके गुंडे मेरे खिलाफ सड़क पर उतर आए! क्यों? क्योंकि मैं सच लिख रहा हूं, और सच आपको पच नहीं रहा। यही तो आप लोगों की पुरानी मानसिकता रही है। हमेशा से आप लोग गैर-यादव ओबीसी समाज के प्रति हेय दृष्टि रखते आए हैं।' राजभर ने आगे लिखा है- 'हम मुर्दाबाद के नारों और काले कपड़ों से विचलित होने वालों में से नहीं हैं। हम तो उस

समाज से हैं जिसके मुर्दाबाद के नारे आपके स्वजातीय हमेशा से लगाते आए हैं। रही बात काले कपड़ों की तो हमें काला रंग बहुत पसंद है, दिखाइये जितना दिखा सकते हैं।' सुभासपा प्रमुख ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'आप और आपके गुंडों में अगर दम है तो लोकतांत्रिक ढंग से लड़ें।

आओ मैदान में, चुनाव में दम दिखाओ। काला लाल हरा जो दिखाना है, दिखा लेना आप लोग। भगवा फिर भी लहरा के रहेगा। और हां। आपके गुंडों के जवाब में अगर जनता सड़क पर उतर आई तो कहीं के नहीं रहोगे।' राजभर ने आगे लिखा है- 'ओम प्रकाश राजभर सपाई गुंडों से डरने वाला नहीं है। हम तो जमीन से आए और जमीन पर ही रहते हैं। हमें ऐसे लम्पटों का सामना करना अच्छे से जानता है। संघर्ष से उपजा हूं। समाज की लड़ाई लड़ता आया हूं। अपने गुंडों को संभाल लीजिए महाराज, नहीं तो ये योगी सरकार है, गुंडों का इलाज बेहतर ढंग से करना खूब आता है। असली ओबीसी समाज अब जाग चुका है। नक्काल परेशान हैं।'

बाराबंकी में गरजे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

'बाबरी के चंदा का हिसाब मांगने की हिम्मत नहीं गोली चलवाने वाले पढ़ा रहे मर्यादा का पाठ'

बाराबंकी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बाराबंकी में पौधारोपण अभियान का जिला अस्पताल से शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबरी मस्जिद धन्नीपुर के लिए एकत्र चंदा का हिसाब बहुरूपिये क्यों नहीं मांगने की हिम्मत जुटा पा रहे?क्योंकि यह बहुरूपिये पहले जानता को ठगते रहे ? अब सनातन को बदरंग करने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि सनातन पर सवाल उठाने वालों ने श्रीराम मंदिर अयोध्या में नहीं है, इसका शपथपत्र तक यह दे चुके हैं।

वह चाहते ही नहीं थे कि राम मंदिर बने। अब सरकार हर मोर्चे पर सफल हो रही है, तो बेचैनी बढ़ गई है। यही वजह है कि झूठा

प्रलाप कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने पौधा रोपा और हरियाली का संकल्प करवाया। सभी से मां के नाम पौध लगाने का आह्वान किया। सपा मुखिया का नाम लिए बगैर कहा अयोध्या में राम भक्तों पर गोली चलवाने वाले आज राम की मर्यादा का पाठ पढ़ा रहे हैं, उनको लाज नहीं आती है जिले में हृदय रोग विशेषज्ञ की भर्ती कर तैनाती जल्द करने की बात कही।

रेखा गुप्ता क्यों पड़ीं अकेली? न नामांकन में तेजस्वी, न बड़े नेता

बांकीपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल ने एक बार फिर रेखा गुप्ता पर भरोसा जताया है। पिछली बार चुनाव हारने के बावजूद उन्हें दोबारा उम्मीदवार बनाया गया है। रेखा वैश्य समाज से आती हैं। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने मंत्री बनने के बाद नितिन नवीन के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर नीरज सिन्हा को मैदान में उतारा है, जबकि जन सुराज की ओर से प्रशांत किशोर चुनाव लड़ रहे हैं। तीन प्रमुख उम्मीदवारों के बीच मुकाबले ने इस सीट को बेहद दिलचस्प बना दिया है।

हालांकि चुनावी माहौल के बीच सबसे ज्यादा चर्चा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी को लेकर हो रही है। तेजस्वी इन दिनों यूरोप दौरे पर हैं, जबकि बांकीपुर में पार्टी की उम्मीदवार चुनावी मैदान में संघर्ष करती नजर आ रही हैं। नामांकन के दौरान जो तस्वीर सामने आई, उसने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए।रेखा गुप्ता जब नामांकन दाखिल करने जिला समाहरणालय पहुंचीं तो उनके साथ पार्टी के कुछ ही नेता मौजूद थे। पूर्व मंत्री आलोक मेहता उनके साथ दिखे, लेकिन राजद के अन्य बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय मौजूदगी नजर नहीं आई। इससे विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिला कि पार्टी का पूरा संगठन अभी तक चुनावी मोड में सक्रिय दिखाई नहीं दे रहा है। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कुछ स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि पिछले चुनाव में भी रेखा गुप्ता उम्मीदवार थीं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस बार कार्यकर्ताओं के बीच शुरुआती उत्साह सीमित दिखाई दे रहा है। वहीं, कुछ कार्यकर्ताओं का कहना है कि मतदान की तारीख नजदीक आने के साथ प्रचार अभियान तेज होगा।

राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो तेजस्वी यादव ने वैश्य समाज और महिला मतदाताओं को साधने की रणनीति के तहत रेखा गुप्ता को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि इस फैसले पर महागठबंधन के सहयोगी रहे पप्पू यादव ने भी सवाल उठाए और कहा कि क्या वैश्य समाज का वोट परंपरागत रूप से राजद की ओर आएगा। यह बयान राजनीतिक चर्चाओं का विषय बना हुआ है।

23 औरतें, 5 मर्द, कई कमरे गाजियाबाद में चल रहा था गंदा काम, मुखबिर ने बिगाड़ा गैंग का खेल

गाजियाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के इंदिरपुरम इलाके में अवैध देह व्यापार सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने 23 महिलाओं को पकड़ा। साथ ही 5 ग्राहक सहित 6 लोग भी पकड़े गए हैं। इंदिरापुरम पुलिस ने बताया कि उन्हें मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि वैशाली सेक्टर 4 के एक कमर्शियल कॉम्पलेक्स के थर्ड फ्लोर पर कुछ अवैध गतिविधियां की जा रही हैं।

इस बात की सूचना मिलते ही एसीपी और थाना कौशाम्बी पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा वहां पर छापेमारी की। इस दौरान 23 महिलाओं का रेस्कयू किया गया तथा मौके से 5 ग्राहक और 1 कर्मचारी को पकड़ा गया है। साथ ही मौके से कुछ अवैधानिक चीजें भी बरामद की गई हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही के सम्बन्ध मे थाना कौशाम्बी पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया है। अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है। बता दें कि इंदिरापुरम के एसीपी सुर्यबली के नेतृत्व में कौशांबी थाना पुलिस ने वैशाली सेक्टर-4 स्थित एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में छापेमारी कर देह व्यापार से जुड़े अवैध रैकेट का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान 23 महिलाओं को रेस्क्यू किया गया। जबकि मौके से 5 ग्राहकों और एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया।

युवाओं पर फोकसः टिकट बंटवारे के लिए सपा की अहम रणनीति तैयार

गाजियाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में सभी राजनीतिक दल जुट गए हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) सत्ता में वापसी के लिए प्रयासरत है। इसके तहत सपा पीडीए के फॉर्मूले पर काम कर रही है और टिकट वितरण में सावधानी बरत रही है। समाजवादी पार्टी हर विधानसभा में टिकट के दावेदारों का सर्वे करा रही है। यह सर्वे जनता और कैडर के बीच किया जाएगा। दोनों सर्वे रिपोर्टों को क्रॉस चेक किया जाएगा।

जिस दावेदार का नाम प्रमुखता से सामने आएगा, पार्टी उसे उम्मीदवार बनाएगी। सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि यह सर्वे एक बार नहीं, बल्कि दो से तीन बार कराया जाएगा। पार्टी का मानना है कि जो दावेदार जनता के बीच सक्रिय रहेगा, उसे ही आगे बढ़ाया जाएगा। इस सर्वे में उम्मीदवार की छवि भी एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

पार्टी इस पहल के माध्यम से यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सही उम्मीदवार को ही टिकट दिया जाए, जिससे चुनाव में सफलता प्राप्त की जा सके। विधानसभा चुनाव को लेकर सपा का फोकस सबसे ज्यादा युवाओं पर है। पार्टी के हाईकमान से भी कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिए जा रहे हैं कि वे हर बूथ पर अपने साथ अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ें। इसके अलावा प्रबुद्ध वर्ग के लोगों पर भी पार्टी की नजर है। पार्टी हर बूथ पर प्रबुद्ध वर्ग के लोगों का फीडबैक लेगी। इस फीडबैक को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशियों का चयन भी किया जाएगा।

वाराणसी में मानव तस्करी का पर्दाफाश एक लाख में बेची गई किशोरी; 5 गिरफ्तार

वाराणसी, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सुरक्षित और सख्त कानून व्यवस्था के रूप में वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट का जनपद के लिए दावा किया जाता है। लेकिन वाराणसी में ही एक ऐसा सनसनीखेज मामला आया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। वाराणसी में मानव तस्करी और जबरिया शादी से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।

हालांकि, परिजनों शिकायत के बाद इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल, यह पूरा मामला वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है।

चौबेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरईगांव क्षेत्र में मानव तस्करी के साथ-साथ जबरिया शादी करने से जुड़ी एक घटना ने सभी को हैरत में डाल दिया है। हालांकि, इस मामले में वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। लेकिन, यह घटना अपने पीछे कई सवाल छोड़ गई है।

टेलीग्राम-वाट्सएप पर सजती थी दुकान, ऑन डिमांड करते थे सप्लाई; आगरा में अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा पकड़ा

आगरा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। तीन राज्यों में अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए खेरागढ़ पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर .32 बोर की 11 पिस्टल और थार कार बरामद की थी। गिरफ्तार आरोपित ऑन डिमांड मध्य प्रदेश से पिस्टल सहित अन्य असलहे लेकर आते थे। टेलीग्राम और वाट्सएप पर अवैध असलहों की दुकान सजती थी। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ऑर्डर मिलने के बाद वह अवैध असलहों की सप्लाई देते थे। गिरफ्तार दोनों युवक अलीगढ़ के तस्कर को पिस्टल की डिलीवरी देने आए थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके मोबाइल फोन में पिस्टल सहित अन्य हथियारों की फोटो और खरीदारों के बीच हुई चैटिंग पुलिस को मिली है। अपर पुलिस आयुक्त सचिंद्र पटेल ने प्रेसवार्ता कर अंतरराज्यीय हथियार तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया था। खेरागढ़ थाना पुलिस, पश्चिम जोन की एसओजी ने सर्विलांस सेल की मदद से गुरुवार रात 7:50 बजे सैफऊ बॉर्डर पर स्थित पुलिया के पास से थार कार में सवार उदयवीर सिंह निवासी कंजौली थाना सादाबाद हाथरस व यश शर्मा निवासी गोशाला मोहल्ला, निहालगंज धौलपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया।

'कांग्रेस में गुटबाजी चुनावी हार की बड़ी वजह'

पंजाब चुनाव से पहले दिग्गज नेता ने खोल दी अपनी पार्टी की पोल

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद डॉ उदित राज ने पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को कई राज्यों में सत्ता इसलिए नहीं मिल पाई क्योंकि नेताओं ने संगठन को मजबूत करने के बजाय आपसी खींचतान में ज्यादा ऊर्जा लगाई। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हम जीतते-जीतते रह गए। सरकार सजी हुई थाली की तरह हमारे सामने थी, लेकिन आपसी गुटबाजी के कारण हम हार गए।

पिछले चुनाव में पंजाब में भी ठीक यही स्थिति बनी थी। वहां सरकार हमारी बन रही थी, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष सहित कुछ लोगों ने सबसे पहले मोर्चेबंदी शुरू कर दी। पूर्व सांसद उदित राज ने आगे कहा कि इस गुटबाजी से न सिर्फ पार्टी को नुकसान हो रहा है, बल्कि पूरे देश को भी नुकसान पहुंच रहा है। हम सरकारें बनाने में असफल हो रहे हैं, लगातार

हार रहे हैं और संगठन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अभी पंजाब में बेहद जरूरी है कि सभी नेता टीमवर्क के साथ काम करें, क्योंकि वहां पर भयंकर समस्याएं हैं, जनता कराह रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसी स्थिति में अगर हम गुटबाजी में फंसे रहे तो किसी को कुछ नहीं मिलेगा। जब कुछ मिलेगा तभी बंटेगा, तभी तो फायदे में रहेंगे, मंत्री और मुख्यमंत्री बनेंगे। इसलिए गुटबाजी छोड़कर एकजुट होकर काम करने का समय है। इससे पहले, उदित राज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी एक पोस्ट किया है। कांग्रेस नेता ने लिखा कि कांग्रेस में अंदरूनी गुटबाजी न केवल चुनाव हारने का एक बड़ा कारण है, बल्कि संगठनात्मक स्तर पर पार्टी के कमजोर होने की भी प्रमुख वजह है। समझ में नहीं आता कि आपसी लड़ाई से किसी को कुछ भी नहीं मिलने वाला है। गुटबाजी के कारण कांग्रेस उत्तराखंड में सरकार बनाने से असफल हो गई।

पंजाब के नेताओं और कार्यकर्ताओं को इससे सीख लेनी चाहिए। उदित राज ने आगे कहा कि स्वयं पंजाब भी पिछली विधानसभा चुनाव के समय भीषण गुटबाजी का शिकार हुआ। पार्टी के अध्यक्ष ने मानो सुपारी ले रखी थी कि अपनी ही सरकार के हर निर्णय का विरोध करना है और परिणाम था हम हारे। उन्होंने पोस्ट में आगे कहा कि यदि हम संविधान बचाने के संघर्ष तथा राहुल गांधी जी के त्याग और समर्पण को सामने रखकर देखें, तो हमें गुटबाजी से बचना होगा। संगठन में यदि कोई समस्या या मतभेद हो, तो उसे पार्टी के उचित मंच पर रखना चाहिए।

टोरंटो में स्ट्रीट फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, 2 लोगों की मौत; कई घायल

टोरंटो, 12 जुलाई (एजेंसियां)। टोरंटो में एक स्ट्रीट फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी की घटना सामने आई है। फायरिंग की इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि चार लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। हमले के बाद पुलिस ने पहले तो एक्टिव शूटर के बारे में चेतावनी दी। हालांकि पुलिस ने बाद में कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। टोरंटो पुलिस ने बताया कि सेंट क्लेयर एवेन्यू वेस्ट और अर्लिंग्टन एवेन्यू के पास गोलीबारी के बाद 6 लोगों को गोली लगने के घाव मिले। वहां 'साल्सा ऑन सेंट क्लेयर' फेस्टिवल चल रहा था। जानकारी के मुताबिक घटनास्थल पर पहुंचने के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से उस इलाके से दूर रहने को कहा, जहां पर गोलीबारी हुई थी। बाद में पुलिस ने बताया कि स्थिति सुरक्षित है।

ट्रंप के करीबी सीनेटर लिंडसे ग्राहम का निधन, भारत पर 500% टैरिफ वाला ला रहे थे बिल

वॉशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। साउथ कैरोलिना के रिपब्लिकन अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम का निधन हो गया। यह जानकारी ग्राहम के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जारी एक बयान में दी गई। एक्स पर जारी एक बयान में कहा गया है कि 'सीनेटर ग्राहम का परिवार इस समय प्रार्थनाओं के लिए आभारी है और इस बेहद मुश्किल दौर में निजता बनाए रखने का अनुरोध करता है।' आपको बता दें कि सीनेटर लिंडसे ग्राहम डोनाल्ड ट्रंप के काफी करीबी थे और इस वक्त उस बिल को पारित कराने की तैयारी कर रहे थे जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये बिल रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाने को लेकर था जिसको लेकर ट्रंप प्रशासन से समझौता हो गया था। लेकिन अब उनका निधन हो गया है।

पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे पार्थ बनेंगे दूल्हा, होने वाली दुल्हन कायनात धर

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के प्लेन क्रैश में निधन हो गया था। उनके निधन के बाद अब परिवार में खुशियां लौटने वाली हैं। अजित पवार के बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार जल्द ही दूल्हा बनने जा रहे हैं। पिता अजित पवार की मौत के कुछ महीने बाद बेटे पार्थ पवार 7 फेरे लेने वाले हैं। पार्थ पवार की 29 जुलाई को कायनात धर के साथ सगाई होने वाली है। कायनात धर डिजाइन बॉक्स की टीम में काम करती थी। वे हरियाणा से हैं और नोएडा में रहती हैं। अजित पवार को इनके रिश्ते से प्रॉब्लम नहीं थी। यह रिश्ता पहले ही तय हो गया था। कायनात धर पहली बार पब्लिकली सुप्रिया सुले की बेटी की शादी में आई थीं। पार्थ पवार और कायनात के रिश्ते को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं।

पहली बार दोनों को मुंबई में बीते दिनों हुई सुप्रिया सुले की बेटी रेवती की शादी में दिखाई दिए थे। बताया जा रहा है कि दोनों की शादी 29 जुलाई को पुणे में होने जा रही है। पिता अजित पवार के निधन के बाद ये शादी बेहद सादगी से की जाएगी। अजित पवार के निधन के बाद पहली बार घर में इस शादी की वजह से खुशियां लौटने जा रही हैं।

डिलीवरी बॉय जबरदस्ती महिला के घर में घुसा, पहले वॉशरूम इस्तेमाल किया, फिर खुद को किया एक्सपोज

बेंगलुरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक डिलीवरी एजेंट ने एक महिला के घर में घुसकर वॉशरूम का इस्तेमाल किया है और फिर खुद को एक्सपोज भी किया है। पीड़ित महिला ने सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा एक पोस्ट किया है और आरोप लगाए हैं। महिला ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक पोस्ट में दावा किया कि फ्लिपकार्ट/मिंत्रा का एक डिलीवरी एजेंट पार्सल देने आया था।

इस दौरान उसने महिला से वॉशरूम इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी। महिला के अनुसार, उसने कई बार मना किया और उसे पड़ोस के किसी घर में जाने की सलाह दी, लेकिन इसके बावजूद डिलीवरी एजेंट उसकी अनुमति के बिना घर के अंदर घुस गया। महिला का आरोप है कि वॉशरूम से बाहर आने के बाद डिलीवरी एजेंट ने उसके सामने खुद को एक्सपोज किया। महिला ने कहा कि इस घटना से वह सदमे में है और उसे अपने ही घर में असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उसने यह भी दावा किया कि घटना का एक हिस्सा उसके मोबाइल फोन में रिकॉर्ड हुआ है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उसने न्याय की मांग की है।

इस मामले को बेंगलुरु पुलिस ने संज्ञान में लिया है। पुलिस ने महिला से घटना से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी और सबूत साझा करने को कहा है, ताकि आरोपों का सत्यापन कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच आगे बढ़ाने के लिए वे महिला से और जानकारी मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही

उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड, गाड़ियां-मशीनें मलबे में दबीं

जम्मू, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, देश के 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है।

9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी।

इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं। फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। आईएमडी का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से पूरे तरह सक्रिय होने की संभावना कम है।

बादल फटने की 4 वजहें

ऑपरेशन लोटस' पर सियासी घमासान: प्रियंका चतुर्वेदी का बीजेपी पर हमला

बोलीं- सत्ता के लिए लोकतंत्र से हो रहा खिलवाड़

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के 'ऑपरेशन लोटस' संबंधी बयान को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस मुद्दे पर शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ऐसी राजनीतिक गतिविधियां अब कोई नई बात नहीं रह गई हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि उन्हें उमर अब्दुल्ला के बयान पर बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ। उनका दावा है कि भाजपा लंबे समय से विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करने और अपने पक्ष में राजनीतिक समीकरण बनाने की कोशिश करती रही है।

उनके मुताबिक, पार्टी का पूरा ध्यान जनादेश का सम्मान करने के बजाय सत्ता का गणित साधने पर रहता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां पिछले सालों में बड़े राजनीतिक

घटनाक्रम सामने आए। इसके अलावा पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वहां भी तृणमूल कांग्रेस के विधायकों को तोड़ने के प्रयास किए गए। उनका कहना था कि ऐसे कई राज्य हैं, जहां भाजपा विपक्ष की सरकारों पर लगातार दबाव बनाने की रणनीति अपनाती रही है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आरोप लगाया कि चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जनता अपने मत से प्रतिनिधियों का चुनाव करती है और यदि बाद में राजनीतिक जोड़-तोड़ के जरिए उस जनादेश को बदलने का प्रयास किया जाता है, तो यह मतदाताओं के विश्वास और संविधान दोनों के साथ अन्याय है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता हासिल करने की चाह में सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। उनके मुताबिक, एजेंसियों और अन्य संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है, जब जनता के फैसले का सम्मान किया जाए। हालांकि भाजपा पहले भी इस तरह के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करती रही है। पार्टी का कहना है कि विपक्ष अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए इस तरह के आरोप लगाता है।

भारतीय मूल की गूगल कर्मचारी शीतल की अमेरिका में गोली मारकर हत्या, बेटा भी हुआ घायल

वॉशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के जॉर्जिया में भारतीय-अमेरिकी महिला और गूगल की सीनियर टेक्नोलॉजी एग्जीक्यूटिव की उनके पति ने गोली मारकर हत्या कर दी। घरेलू हिंसा की इस कथित घटना में उनके बेटे को भी गोली लगी। आरोपी 56 वर्षीय किर्क बी। ब्रजेसियन को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में उनके घर से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार उन्हें अभी कॉब काउंटी एडल्ट डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पुलिस ने बताया कि जॉर्जिया के स्मर्ना शहर में एक घर में गोलीबारी की सूचना मिलने पर अधिकारी रात 8:00 बजे से कुछ देर पहले वहां पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्हें घर के अंदर 57 वर्षीय शीतल ब्रजेसियन मिलीं, जिन्हें गोली लगी थी।

बाद में चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। उनका 23 वर्षीय बेटा जेसन ब्रजेसियन घर के बाहर घायल अवस्था में मिला क्योंकि उसे भी गोली लगी थी। इमरजेंसी रिस्पॉन्डर्स उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए। कॉब काउंटी पुलिस डिपार्टमेंट के हवाले से बताया गया है कि कर्क ब्रजेसियन पर हत्या का आरोप, गंभीर मारपीट के 2 आरोप और हथियार रखने के 2 आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने इस घटना को घरेलू हिंसा का मामला बताया और कहा कि आम जनता को इससे कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि गोलीबारी की वजह क्या थी और जेसन की मेडिकल स्थिति के बारे में कोई ताजा जानकारी नहीं दी गई है। अधिकारियों ने फिलहाल किसी और की गिरफ्तारी की घोषणा नहीं की है। मामले को लेकर जांच जारी है।

चीन में बाढ़ से 18 लाख लोग विस्थापित

बांग्लादेश में 44 की गई जान; हर तरफ तबाही का मंजर

बिजिंग, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जापान और ताइवान में तबाही मचाने के बाद चक्रवात 'बावी' चीन के पूर्वी शहर वेंझोउ की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए 18 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। वहीं, बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई है, जबकि लाखों लोग बाढ़ में इधर-उधर फंसे हैं। तूफान 'बावी' जापान के दक्षिणी साकिशिमा द्वीप समूह में भारी बारिश से आई बाढ़ और तेज हवाओं के बाद उत्तरी ताइवान के पास से गुजरने के बाद पूर्वी चीन के बड़े शहर वेनझोऊ की ओर बढ़ रहा है। इस बीच चीन ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए शनिवार को 18 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। हालांकि, ठंडे समुद्र के ऊपर उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए तूफान 'बावी' की रफ्तार कम हो रही है और यह कमजोर पड़ रहा है, फिर भी यह तूफान एक बड़ा खतरा बना हुआ है। तूफान 'बावी' के सुबह वेनझोऊ के आसपास जमीन से टकराने की संभावना है। इस शहर की आबादी लगभग 1 करोड़ है। सरकारी मीडिया ने बताया कि झेजियांग प्रांत (जहां वेनझोऊ स्थित है) में 17 लाख से ज्यादा लोगों को और पड़ोसी फुजियान प्रांत में 1 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

आंबेडकर प्रतिमा पर क्यों मचा बवाल?: पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज, आठ लोग गिरफ्तार

चेन्नई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सेलम जिले के ओधियाथुर गांव में डॉ। भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर शनिवार देर रात तनाव फैल गया। विरोध प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें पथराव की घटना हुई और पांच लोग घायल हो गए। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को पानी की बौछार और हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विवाद उस समय शुरू हुआ जब गांव के कुछ लोगों ने नई स्थापित डॉ। भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण का विरोध किया। उनका कहना था कि प्रतिमा में अंबेडकर को एक पैर दूसरे पैर पर रखकर बैठे हुए दिखाया गया है,

जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई। दो समुदायों के बीच प्रतिमा की मुद्रा और स्थापना को लेकर बढ़ते तनाव को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने कानून व्यवस्था बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। हालात को तत्काल शांत करने के उद्देश्य से अधिकारियों ने प्रतिमा को अस्थायी रूप से टिन की चादरों से ढक दिया। हंगामे और झड़प के दौरान पांच प्रदर्शनकारी घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। ओधियाथुर गांव में किसी भी नई अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर दंगे में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पूरे मामले की जांच जारी है।

वांगचुक की भूख हड़ताल का 15वां दिन, सेहत बिगड़ी

सीजेपी का विरोध-प्रदर्शन 23वें दिन में

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की सेहत रविवार को और बिगड़ गई क्योंकि उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का 15वां दिन था। डॉक्टरों ने बताया कि उनका ब्लड प्रेशर और कम हो गया है और उपवास शुरू होने के बाद से उनका वजन कुल 7.18 किलोग्राम घट गया है। परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) का विरोध-प्रदर्शन 23वें दिन में प्रवेश कर गया। संगठन का दावा है कि वांगचुक का ब्लड प्रेशर गिरकर 104/66 मिमी एचजी हो गया है। संगठन ने बताया कि आंदोलन के समर्थन में कई राजनीतिक नेता और जाने-माने बुद्धिजीवी दिन भर विरोध स्थल का दौरा करेंगे। केरल के पूर्व मंत्री केके शैलजा, केएन। बालगोपाल और पी। राजीव के प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने की उम्मीद है, जबकि समाजवादी पार्टी के सांसद पुष्पेंद्र सरोज सभा को संबोधित करेंगे। सीजेपी ने बताया कि दिन के कार्यक्रम का समापन अर्थशास्त्री जयंती घोष के बेरोजगारी का अर्थशास्त्र विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान के साथ होगा, जिसमें रोजगार के संकट और युवाओं पर इसके असर पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस बीच,सीपीआई (एमएल) लिबरेशन से जुड़े 'ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन' (ऐसा) के सदस्य - नेहा, मनीष, दीपक कुमार वर्मा और आमीन - विरोध स्थल पर अपनी अलग अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखे हुए हैं। शनिवार को वांगचुक ने लोगों से दूसरों में हीरो न खोजने का आग्रह किया और कहा कि वह सिर्फ एक आम नागरिक हैं, न कि आधुनिक गांधी या कोई हीरो।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, कृपया किसी और में हीरो न खोजें। अपनी जिंदगी के हीरो खुद बनें। एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। उन्होंने लोगों से 20 जुलाई को संसद तक प्रस्तावित मार्च में शामिल होने की भी अपील की। नागरिकों को एकजुट होकर सांसदों से परीक्षा में कथित गड़बड़ियों से जुड़े मुद्दों को उठाने का आग्रह करना चाहिए। सीजेपी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग कर रही है।

त्विषा शर्मा मामला: एम्स की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, जिम बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू

छतरपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भोपाल की चर्चित त्विषा शर्मा मौत मामले में एम्स दिल्ली की अंतिम फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने आ गई है। कोर्ट के आदेश पर किए गए दूसरे पोस्टमार्टम के बाद तैयार रिपोर्ट में जिम्नास्टिक बेल्ट (जिम बेल्ट) पर स्किन टिश्यू मिलने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है और इसकी जानकारी मध्य प्रदेश हाईकोर्ट को भी भेजी गई है। सूत्रों के अनुसार, एम्स दिल्ली के पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 11 पन्नों की अंतिम फॉरेंसिक रिपोर्ट 10 जुलाई को सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंपी।

रिपोर्ट में प्रयोगशाला और हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच के आधार पर पुष्टि की गई है कि कथित तौर पर फांसी लगाने में इस्तेमाल की गई जिम्नास्टिक बेल्ट पर स्किन टिश्यू मिले हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू मृतका के गले पर पाए गए चोट के निशानों के अनुरूप हैं। मेडिकल बोर्ड की इस पुष्टि को जांच के लिए अहम फॉरेंसिक साक्ष्य माना जा रहा है। त्विषा शर्मा 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में फंदे से लटकी हुई मिली थीं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दूसरे पोस्टमार्टम के आदेश दिए थे।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का निधन, अपने ही पिता का कर दिया था तख्तापलट

दोहा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक कतर के शाही दफ्तर अमीरी दीवान ने रविवार को उनके निधन की पुष्टि की। बयान में कहा गया कि देश ने अपने एक महान नेता को खो दिया है और उनके लिए ईश्वर से दया की प्रार्थना की गई है। मौत के कारण का फिलहाल खुलासा नहीं किया गया है। उनके निधन के बाद पूरे कतर में शोक का माहौल है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान में जंग चल रही है और ईरान की तरफ से कतर पर भी हमला किया गया है। शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का जन्म 1 जनवरी 1952 को हुआ था। उन्होंने ब्रिटेन की प्रतिष्ठित रॉयल मिलिट्री अकादमी सैंडहर्स्ट में मिलिट्री ट्रेनिंग ली और बाद में कतर की सेना में कई अहम जिम्मेदारियां संभालीं। 1977 में उन्हें आधिकारिक तौर पर उत्तराधिकारी घोषित किया गया था।

लेकिन उन्होंने सत्ता छीन कर हासिल की। जून 1995 में उन्होंने एक बिना खून बहाए महल तख्तापलट के जरिए अपने पिता शेख खलीफा बिन हमद अल थानी को सत्ता से हटा दिया। इसके बाद वह खुद कतर के अमीर बन गए। यह ऐसे समय पर हुआ जब उनके पिता स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रहे थे। पिता को फ्रांस और अबू धाबी में निर्वासन में रहना पड़ा और 2004 में वह लौटे। शेख हमद के 18 साल के शासनकाल ने कतर की तस्वीर बदल दी।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 13 जुलाई - 2026

सख्ती के साथ संतुलन भी जरूरी

केंद्र सरकार ने 12 प्रतिशत से अधिक अल्कोहल युक्त दवाओं की बिक्री केवल डॉक्टर के पर्चे पर ही करने का निर्णय लिया है। इससे पहले सरकार कुछ कफ सिरप की बिक्री पर भी सख्ती लागू कर चुकी है। यह फैसला उन बढ़ती घटनाओं को देखते हुए लिया गया है, जिनमें कुछ लोग उपचार के बजाय दवाओं का इस्तेमाल नशे के विकल्प के रूप में करने लगे थे। यदि इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह न केवल दवाओं के दुरुपयोग पर अंकुश लगाएगी, बल्कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के शेड्यूल-के के तहत कुछ दवाओं को विशेष छूट प्राप्त थी। इनमें कई ऐसी दवाएं शामिल हैं, जिनमें एथाइल अल्कोहल की मात्रा 80 से 90 प्रतिशत तक होती है। इन दवाओं में अल्कोहल का उपयोग प्रिजर्वेटिव और सॉल्वेंट के रूप में किया जाता है। सामान्य सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों में लोगों को शीघ्र राहत मिले, इसलिए यह बिना डॉक्टर के पर्चे के भी उपलब्ध थी। लेकिन इस सुविधा का व्यापक दुरुपयोग होने लगा। कुछ लोगों ने इन्हें नशे के साधन के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। कई राज्यों ने इस समस्या को लेकर केंद्र सरकार के समक्ष चिंता व्यक्त की थी। विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने यह निर्णय लिया है। देश पहले ही शराब और अन्य मादक पदार्थों की बढ़ती लत की गंभीर चुनौती से जूझ रहा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 के अनुसार वर्ष 2023-24 में लगभग 18.9 प्रतिशत पुरुष अल्कोहल सेवन के आदी पाए गए। ऐसे में यदि अल्कोहलयुक्त दवाओं की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया जाता, तो नशे की समस्या और विकराल हो सकती थी। साथ ही, डॉक्टर की सलाह के बिना या आवश्यकता से अधिक दवाओं का सेवन स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता था। इस निर्णय के सफल क्रियान्वयन के लिए कुछ व्यावहारिक चुनौतियों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा। दूर-दराज और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। छोटी-मोटी बीमारियों में लोग अक्सर सीधे मेडिकल स्टोर से दवा खरीद लेते हैं। यदि हर बार डॉक्टर का पर्चा अनिवार्य होगा, तो गरीब और ग्रामीण मरीजों को अतिरिक्त खर्च, समय और असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए टेलीमेडिसिन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की क्षमता बढ़ाने तथा डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन जैसी व्यवस्थाओं को समानांतर रूप से मजबूत करना आवश्यक होगा। सरकार ने मेडिकल स्टोर संचालकों के लिए तीन वर्षों तक बिक्री का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का प्रावधान भी किया है। इससे निगरानी व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी, लेकिन छोटे दवा विक्रेताओं पर प्रशासनिक बोझ भी बढ़ सकता है। पहले से ही ऑनलाइन दवा प्लेटफॉर्म की प्रतिस्पर्धा झेल रहे मेडिकल स्टोरों की व्यावहारिक समस्याओं का समाधान भी सरकार को करना चाहिए। निस्संदेह, अल्कोहलयुक्त दवाओं पर नियंत्रण जनहित में उठाया गया एक आवश्यक और समयोचित कदम है, लेकिन किसी भी नीति की सफलता केवल सख्ती से नहीं, बल्कि उसके संतुलित और व्यावहारिक क्रियान्वयन से तय होती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नशे पर प्रभावी रोक लगे, लेकिन जरूरतमंद मरीजों को समय पर दवा तक पहुंच और ईमानदार दवा विक्रेताओं के हित भी प्रभावित न हों। साथ ही, दवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाना भी उतना ही आवश्यक है। यही संतुलित दृष्टिकोण इस निर्णय को वास्तव में सफल, प्रभावी और जनकल्याणकारी बनाएगा।

दलित राजनीति की नई जंग आमने-सामने मायावती और चंद्रशेखर

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित नेतृत्व को लेकर जो बहस लंबे समय से भीतर ही भीतर चल रही थी, वह अब खुलकर सामने आ गई है। मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड के बाद आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद के आंदोलन और उस पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया ने इस बहस को नई दिशा दे दी है। मायावती ने बिना नाम लिए ऐसे आंदोलनों को 'मगरमच्छ के आंसू' और 'संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ' से जोड़ते हुए दलित समाज को सड़क की बजाय संविधान और न्यायपालिका के रास्ते पर चलने की सलाह दी। इसके जवाब में चंद्रशेखर ने कहा कि जब समाज पर अत्याचार हो रहा हो, तो केवल अदालतों का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है। यह विवाद केवल दो नेताओं की बयानबाजी नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की दलित राजनीति में नेतृत्व और रणनीति की नई लड़ाई का संकेत है।मायावती का राजनीतिक दर्शन हमेशा सत्ता के जरिए सामाजिक परिवर्तन का रहा है। कांशीराम ने जिस 'मास्टर चाबी' का सिद्धांत दिया था, उसी को आगे बढ़ाते हुए मायावती लगातार कहती रही हैं कि सत्ता हासिल किए बिना बहुजन समाज का स्थायी उत्थान संभव नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि बसपा सड़क जाम, हिंसक प्रदर्शन और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी राजनीति में विश्वास नहीं करती। उनका कहना है कि गरीब, मजदूर और बेरोजगार नौजवान यदि आंदोलनों के दौरान मुकदमों में फंसेंगे, तो उनका भविष्य बर्बाद होगा और इसका सबसे ज्यादा नुकसान बहुजन समाज को ही उठाना पड़ेगा। यह संदेश केवल वर्तमान आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि 2027 के चुनाव से पहले बसपा की पूरी राजनीतिक रणनीति का संकेत भी माना जा रहा है। दिलचस्प यह है कि मायावती के इस बयान का समर्थन बीजेपी के वरिष्ठ नेता संगीत सोम ने भी किया। उन्होंने कहा कि समाज को दलालों और उकसाने वालों से बचना चाहिए। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के खिलाफ भी उन्होंने तीखा हमला बोला। इस समर्थन ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि लंबे समय से विपक्ष मायावती पर बीजेपी के प्रति अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाने का आरोप लगाता रहा है। हालांकि, बसपा लगातार इन आरोपों को खारिज करती रही है और खुद को सभी दलों से समान दूरी रखने वाली पार्टी बताती है। अगर पिछले डेढ़ दशक का राजनीतिक इतिहास देखें, तो तस्वीर और भी रोचक दिखाई देती है।

वर्ष 2007 में मायावती ने 'सर्वजन' सामाजिक इंजीनियरिंग के सहारे उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। यह बसपा का स्वर्णकाल माना जाता है। लेकिन 2012 में पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा पहली बार शून्य सीट पर पहुंची। 2017 विधानसभा चुनाव में पार्टी केवल 19 सीटों तक सिमट गई। 2019 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके बसपा ने 10 लोकसभा सीटें जरूर जीतीं, लेकिन गठबंधन ज्यादा समय नहीं चला। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट जीत सकी और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी फिर शून्य पर पहुंच गई। चुनावी आंकड़ों के अनुसार, 2007 में करीब 30 प्रतिशत वोट पाने वाली बसपा का वोट प्रतिशत अब लगभग 10 से 13 प्रतिशत के बीच सिमट चुका है।

दुर्घटनाओं के लिये शासन जिम्मेदार

रघु ठाकुर

3 जून 2026 दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में आगजनी की घटना में लगभग 21 लोगों के मरने की खबर है। इनमें विदेशी नागरिक भी थे जो इलाज के लिये साकेत के मेक्स हॉस्पिटल में आये थे तथा अग्निकांड के शिकार हो गये। राधेश्याम अग्रवाल जो मैक्स में इलाज के लिए भर्ती थे उनके परिजन उनको देखने आये थे, उनमें से 8 लोगों की जलकर मौत हो गई। जैसा होता है कि सरकार ने जांच कमेटी बनाई, जांच होगी, कुछ सिफारिशें होंगी और फिर अतीत की पुनरावृत्ति होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जब तक मीडिया किसी खबर को जिंदा रखता है तब तक वह खबर जिंदा रहती है और मीडिया के मुख्य पृष्ठों से ओझल होने के बाद जनता उसे भूल जाती है। आम जनता का स्मृति दोष क्यों है यह यक्ष प्रश्न है। जिसका कोई उत्तर अभी तक मुझे नहीं मिला है। आजादी के पहले जब जलियावाला कांड हुआ था और ब्रिटिश जनरल डायर ने जलियावाला बाग में निर्दोष लोगों को गोली से मरवाया था तब वह समाचार मीडिया में कुछ दिन रहा परंतु मीडिया के मुख्य पृष्ठों से हटने के बाद भी देश के लोगों के दिलों-दिमाग पर गहरा असर रहा, जिसके चलते शहीद ऊधम सिंह ने लंदन में जाकर उस घटना का बदला लिया था। इसी प्रकार साइमन कमीशन का विरोध करते हुए लाला लाजपतराय पर लाठियाँ पड़ी व वह मौत के शिकार हुए, उनकी मौत को देश ने याद रखा और शहीद भगत सिंह ने उसका प्रतिशोध लिया। निसंदेह यह घटनायें आजादी के आंदोलन की थी। इसलिये इनका अलग महत्व व भाव है। मैं उनकी तुलना नहीं कर रहा हूँ, न करना चाहता हूँ, मैं तो इन कारणों को खोजना चाहता हूँ कि ऐसी कितनी घटनायें देश में हुई हैं और जिन्हें अलग काल में देश ने भुला दिया। देश की पटाखा कंपनियों में आग लगने से पिछले डेढ़-दो दशक में मरने वालों की संख्या 100 से अधिक है। मप्र के धार में, हरदा में और हाल ही में देवास में पटाखा कंपनियों में घटना घटित हुई और बड़ी संख्या में लोग मारे गये। इसी प्रकार कुछ दिनों पूर्व तमिलनाडु के शिवकाशी में जो देश का पटाखा बनाने का सबसे बड़ा केंद्र है, में विस्फोट हुआ था जिसमें अनेक लोग मारे गये थे। इसी प्रकार अस्पतालों में, होटलों में, सार्वजनिक स्थलों पर आग लगने की बड़ी-बड़ी घटनायें पिछले दिनों मीडिया की प्रमुख खबरों में रही और कुछ दिनों बाद जन स्मृति में विलुप्त हो गईं। मैं मानता हूँ कि ये घटनायें सत्ता या व्यवस्था के प्रतिरोध में नहीं हुई हैं, परंतु ये घटनायें व्यवस्था की असफलता, और कुशासन और भ्रष्टाचार के परिणाम हैं। मालवीय नगर की घटना में दिल्ली नगर निगम ने होटल के मालिक लवकेश बजाज को मात्र 6 कमरों को बनाने की अनुमति दी थी, परंतु यह 25 कमरे कैसे बन गये। दिल्ली का नगर निगम सरकार, दिल्ली सरकार का प्रशासन क्या इससे अनजान थे। जहां तक मैं समझता हूँ कि निगम से लेकर सरकार तक को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष जानकारियां रहती हैं, इसका प्रमाण इस बात से मिलता है कि होटल में आग लगने की सूचना के बाद लवकेश बजाज वहां से निकले, वे रूके भी नहीं। बाद में मीडिया को बयान देते हुए कहा कि मैं रूका नहीं क्योंकि मैं डर गया था। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में यह सब चलता है। वह एक पंक्ति दिल्ली और देश की व्यवस्था को नंगा कर देती है। एक नागरिक के मन में यह आमधारणा है कि हमें धन कमाना है और उसके लिये नियमों के पालन की कोई जरूरत नहीं है, नियम तो केवल कागज पर लिखने के लिये होते हैं। बकाया व्यवस्था व कामकाज तो रिश्वत से चलते हैं। कुछ दिनों पूर्व दिल्ली में ही, कई जर्जर मकान गिरे जिनमें अनेकों मौतें हुई। यह कानून है कि जो मकान जर्जर है, निगम को मकान मालिक को नोटिस देना चाहिए कि वह इसे गिराये और यदि वह नहीं गिराते हैं तो निगम को उसे गिराने का अधिकार दिया गया है। परंतु इतने भवनों के गिरने व मौतों के बाद किसी भी राजनैतिक सत्ताधीश की कोई जिम्मेदारी तय नहीं की गई कि इन जर्जर मकानों की पहचान क्यों नहीं की गई, इन्हें गिराया क्यों नहीं गया और इसके पीछे किन अधिकारियों, राजनेता का आदेश या सिफारिश थी, किसी को भी जिम्मेवार नहीं ठहराया गया। आज भी दिल्ली में हजारों ऐसे मकान हैं जो जर्जर हैं, छोड़ देने के योग्य हैं, परंतु नीचे से लेकर ऊपर तक भ्ररुटाचार हर अपराध का संरक्षक बन गया है। यह स्थिति अकेले दिल्ली की नहीं है बल्कि देश के मेट्रोपोलिटिन सिटी और महानगरों लगभग हर नगर की है। बम्बई में पुरानी चालों के गिरने की खबर आई हैं जिनमें लोगों की मौत हुई है। यह नियम है कि निश्चित अवधि के बाद पुराने भवनों का या तो जिर्णोद्धार या पुनरू निर्माण होना चाहिये। लवकेश बजाज ने बता दिया है कि दिल्ली में यह सब चलता है इसमें अंतरनिहित है कि देश में सब चलता है।

दिल्ली के मालवीय नगर की घटना ने जो समाचार अखबारों में आये थे, उनमें बताया गया था कि अग्नि शामक यंत्र तो थे ही नहीं, निकलने का रास्ता भी नहीं था। यहां तक कि छतों के दरवाजे बंद थे, कोई केन्टीन नहीं थी और कमरों में ही खाना पकाने के हीटर आदि रख दिये गये थे। लवकेश बजाज ने यह भी कहा था कि हमने 6 कमरों से बढ़ाकर 25 इसलिये किये थे क्योंकि अच्छा मुनाफा मिल रहा था।

आग लगने की जानकारी मिलते ही आसपास के मुस्लिम भाईयों और नौजवानों ने जिस साहस व मानवता का परिचय दिया वह भुलाया नहीं जा सकता। जिन मुस्लिम भाईयों की दुकानें आसपास थीं उनमें कुछ टेंट वाले भी थे, उन्होंने अपनी दुकानों के सारे गद्दे नीचे सड़क पर बिछा दिये ताकि होटल में आग से घिरे लोग अपनी जान बचा सकें। एक मुस्लिम भाई ने तो जलती सलाकों के बीच उन्हें तोड़कर लोगों को बचाया। अनेक मुस्लिम नौजवानों ने आग से बेहोश और मृत्यु की ओर जा रहे घायलों को कृत्रिम सांस देकर बचाया। दिल्ली पुलिस के जवानों की प्रशंसा करना पड़ेगी कि उन्होंने भी अनेक लोगों की जान बचाई, इन्हें द्रत्रिम सांस दी और आग से निकाला।देश के हिंदु संगठनों और आरएसएस के मुखियाओं को अवश्य इस पर विचार करना चाहिये कि जब मालवीय नगर में यह मानवीय संकट आया तो मुसलमानों ने हिंदू की रक्षा की मैं ना सारे हिंदूओं को दोष देता हूँ और न सारे मुसलमान भाईयों की प्रशंसा कर रहा हूं। मेरा कहना यही है कि हर धर्म में अच्छे व बुरे लोग होते हैं इसलिये किसी कौम को संपूर्ण रूप से बुरा नहीं कहना चाहिये। अगर सारे हिंदु अच्छे होते तो क्या लवकेश बजाज अपने अपराधों के चलते होटल में जल रहे लोगों को देखता हुआ कार से चला जाता, जलकर मरने वालों में अधिकांश हिंदु ही हैं। यह भी श्री बजाज जानते होंगे कि उनकी होटल में ठहरने वाले कौन लोग हैं, उनके होटल के मैनेजर भी हिंदु ही थे और उन्होंने भी इतनी भयाभय घटना के बाद इंसानों को बचाने के लिये कुछ नहीं किया।

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है।

यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विज़न महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड-ये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा।

सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा। यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है।

यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है। इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों , सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है।

दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूज़ीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूज़ीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है। इस यात्रा का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते की वार्ताओं को मिली नई गति है। न्यूज़ीलैंड ने भारतीय सामानों, विशेषकर कृषि-प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के लिए अपने बाजारों में पूरी तरह से शुल्क-मुक्त या रियायती पहुंच प्रदान करने के रोडमैप पर सहमति जताई है।

विदेश से भारत की संप्रभुता-सुरक्षा के खिलाफ डिजिटल वार

संजय सक्सेना

दुनिया में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी देशों को कमजोर करने के लिए सीमा पर सेना उतारी जाती थी, अब वही काम मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए किया जा रहा है। इस युद्ध में न तो टैंक दिखाई देते हैं और न ही मिसाइलें, लेकिन इसका असर किसी पारंपरिक युद्ध से कम नहीं होता। इसका लक्ष्य दुश्मन के शहरों पर कब्जा करना नहीं, बल्कि उसके समाज में अविश्वास, भय और विभाजन पैदा करना होता है। भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ सबसे बड़ा डिजिटल समाज भी बन चुका है, पिछले एक दशक से इसी अदृश्य युद्ध का प्रमुख निशाना बना हुआ है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 95 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। हर दिन करोड़ों भारतीय मोबाइल पर समाचार देखते हैं, राय बनाते हैं और उसे आगे भी भेजते हैं। यही वजह है कि भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हो गया है, जहां सूचना को हथियार बनाकर सामाजिक माहौल प्रभावित करने की सबसे अधिक कोशिश होती है। सुरक्षा एजेंसियां कई बार संकेत दे चुकी हैं कि सीमा पार बैठे संगठित नेटवर्क भारतीय नामों, तस्वीरों और स्थानीय भाषाओं का इस्तेमाल कर ऐसे फर्जी खाते तैयार करते हैं, जिन्हें देखकर सामान्य व्यक्ति यह समझ ही नहीं पाता कि उसके सामने बैठा व्यक्ति वास्तव में किसी दूसरे देश से अभियान चला रहा है।

इस डिजिटल हमले की पहली गंभीर झलक 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों में दिखाई दी। हिंसा भड़काने के लिए पाकिस्तान का नहीं, बल्कि दूसरे देश का एक पुराना वीडियो उत्तर प्रदेश का बताकर प्रसारित किया गया। जांच में वीडियो फर्जी निकला, लेकिन तब तक समाज में तनाव फैल चुका था। यही वह दौर था जब पहली बार यह महसूस किया गया कि मोबाइल स्क्रीन पर चलने वाला झूठ जमीन पर खून-खराबे की वजह बन सकता है। इसके बाद 2017 और 2018 में बच्चा चोरी की अफवाहों ने पूरे देश को झकझोर दिया। व्हाट्सएप पर कुछ सेकंड के वीडियो और झूठे संदेशों ने ऐसी दहशत फैलाई कि असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, त्रिपुरा और तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भीड़ ने निर्दोष लोगों को बच्चा चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस जांच में अधिकांश मामलों में कोई संगठित बच्चा चोरी गिरोह नहीं मिला, लेकिन सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें इतनी मजबूत हो चुकी थीं कि सच की कोई कीमत नहीं रह गई थी। कोरोना महामारी के दौरान यह सूचना युद्ध और खतरनाक हो गया। किसी समुदाय को संक्रमण फैलाने वाला बताया गया, कहीं झूठे घरेलू इलाज वायरल किए गए, तो कहीं वैक्सीन को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलाई गईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'इन्फोडेमिक' कहा, यानी ऐसी महामारी जिसमें बीमारी से ज्यादा झूठ फैलता है। भारत में भी करोड़ों लोगों तक ऐसे संदेश पहुंचे जिनका चिकित्सा विज्ञान से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून, दिल्ली हिंसा और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पूरी तरह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन गया। वास्तविक मुद्दों के साथ-साथ हजारों ऐसे वीडियो और तस्वीरें साझा की गईं जिनका घटना से कोई संबंध नहीं था। कुछ पुराने वीडियो नए बताकर वायरल किए गए तो कुछ तस्वीरों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया गया। किसान आंदोलन के दौरान तथाकथित टूलकिट विवाद ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या भारत के आंतरिक आंदोलनों को विदेशी डिजिटल नेटवर्क दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। जांच एजेंसियों ने कई डिजिटल कड़ियों की जांच की और यह स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया अब केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि रणनीतिक अभियान चलाने का औजार भी बन चुका है।

2023 में मणिपुर हिंसा ने इस खतरे को और स्पष्ट कर दिया। कई ऐसे वीडियो, जो महीनों पुराने थे या दूसरे देशों के थे, उन्हें मणिपुर का बताकर वायरल किया गया। एक फर्जी वीडियो ने हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों के मन में भी गुस्सा और अविश्वास पैदा कर दिया। यह दिखाता है कि डिजिटल दुष्प्रचार अब किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे देश का माहौल प्रभावित कर सकता है। 2024 के आम चुनावों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस युद्ध को नया आयाम दिया। नेताओं की आवाज बदलकर भाषण तैयार किए गए, नकली वीडियो बनाए गए और ऐसे संदेश प्रसारित किए गए जिन्हें सामान्य व्यक्ति आसानी से पहचान नहीं सकता था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में डीपफेक लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव ने इस खतरे को वास्तविक रूप में सामने ला दिया। जैसे ही सीमा पर सैन्य गतिविधियां तेज हुईं, सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो की बाढ़ आ गई। गाजा युद्ध के दृश्य भारत-पाक संघर्ष बताकर चलाए गए। पुराने विस्फोटों के वीडियो को ताजा सैन्य कार्रवाई बताया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीरों ने भ्रम और बढ़ा दिया। कुछ विदेशी खातों ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के झूठे दावे किए, जबकि दूसरी ओर भारतीय कार्रवाई को लेकर भी मनगढ़ंत वीडियो फैलाए गए। बाद में सरकारी एजेंसियों ने ऐसे अनेक दावों का खंडन किया और बड़ी मात्रा में भ्रामक सामग्री को हटाने की कार्रवाई की। विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक डिजिटल युद्ध का सबसे बड़ा हथियार 'बॉट नेटवर्क' हैं।

गिरगिट ! तुम बेवजह बदनाम हो

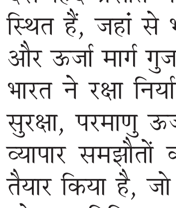
सुरेश कुमार मिश्रा

एक पेड़ की झुकी हुई डाल पर बैठा बाघा गिरगिट बड़ी देर से सड़क किनारे खड़े इंसानों की महफ़िल देख रहा था। उसे अपनी पुश्तैनी रगों पर, अपने खानदानी हुनर पर बड़ा नाज़ था। जब चाहा, धानी पत्तों के बीच पन्ना बन गया; जब चाहा, सूखी टहनियों पर बैठ कत्थई चोला ओढ़ लिया। पर आज इंसानों की यह चुनावी और सामाजिक बैठकी देखकर उसकी पूंछ शर्म से दोहरे घेरे में मुड़ गई। उसने एक गहरी सांस ली, अपनी बाईं आंख को नब्बे डिग्री उत्तर और दाईं आंख को एक सौ अस्सी डिग्री दक्षिण में घुमाया और सोचने लगा कि विधाता ने उसे रंग बदलने की जो कला बख्शी थी, इंसानों ने तो उसका पूरा का पूरा कॉरपोरेट साम्राज्य ही खड़ा कर दिया है। बाघा ने हवा में उड़ते एक झींगुर को लपकने के लिए जीभ निकाली, पर फिर उसे लगा कि आज भोजन करने से ज़्यादा ज़रूरी आत्मनिरीक्षण है। वह समझ गया कि गिरगिट तो बस एक बदनाम विधा है, असली उस्ताद तो दो पैरों पर चलने वाला यह जीव है। गिरगिट तो केवल त्वचा का रंग बदलता है, इंसान तो अंतरात्मा का भूगोल ही बदल देता है। गिरगिट जब रंग बदलता है, तो उसका मक़सद बहुत सीधा और पाकीज़ा होता है, या तो पेट की आग बुझाना या फिर किसी शिकारी की बाज़ नज़रों से अपनी खाल बचाना। इसमें कोई मक्कारी नहीं, कोई कपट नहीं, विशुद्ध आत्मरक्षा का प्राकृतिक नियम है। इसके विपरीत, इंसान जब रंग बदलता है, तो वह किसी को गर्त में गिराने, किसी की जेब काटने या फिर सत्ता की सीढ़ी चढ़ने के लिए बदलता है। गिरगिट का रंग बदलना एक कला है, इंसान का रंग बदलना एक सोची-समझी साज़िश है। पेड़ के नीचे बैठे नेताओं और चेलों की बातचीत बाघा के कानों में पिघले सीसे की तरह उतर रही थी। एक कुर्ताधारी भाईसाहब कल तक जिस पार्टी को देश का कलंक कह रहे थे, आज उसी का पटका पहनकर उसे राष्ट्र का तारणहार बता रहे थे। बाघा ने अपनी गर्दन ऊपर-नीचे हिलाकर एक ठंडी आह भरी। उसने सोचा, हम गिरगिट कितने सीधे हैं! हम कभी इतिहास नहीं बदलते, कभी वादे नहीं तोड़ते, और कभी किसी दूसरे गिरगिट की पीठ में छुरा नहीं घोंपते। हम जब हरे से लाल होते हैं, तो पूरी ईमानदारी से होते हैं, हमारी नीयत में कोई खोट नहीं होता। इंसान तो महफ़िल देखकर अपनी ज़बान, अपनी वफ़ादारी और अपने जमीर का रंग बदल लेता है। उसकी नज़रों का पानी कब तेज़ाब बन जाए और कब गंगाजल, इसका अंदाज़ा तो यमराज भी नहीं लगा सकते।

बाघा को अपनी बिरादरी के वे दिव्य गुण याद आने लगे जो उन्हें इंसान से मीलों आगे, एक ऊंचे पायदान पर खड़ा करते थे। गिरगिट कभी अपनी पहचान का झूठा ढोल नहीं पीटता, वह जैसा है, वैसा ही दिखता है। वह प्रकृति के साथ एकाकार होकर जीता है, जबकि इंसान प्रकृति को नोचकर कंक्रीट के जंगल खड़े करता है और फिर वहां बैठकर पर्यावरण पर भाषण देता है। गिरगिट की आंखों में कोई पाखंड नहीं होता, उसकी दोनों आंखें अलग-अलग दिशाओं में घूमकर सच को तलाशती हैं, जबकि इंसान की आंखें सामने देखते हुए भी बगल वाले की लंगोटी खींचने का जुगाड़ लगाती हैं। गिरगिट कभी गिरगिट का हक नहीं मारता, वह किसी दूसरे की डाल पर कब्ज़ा करने के लिए अदालतों के चक्कर नहीं काटता। उसमें न तो पैसों की हवस है, न ऊंचे पदों की भूख, और न ही तिजोरियां भरने की बीमारी। वह तो बस एक सूखी पत्ती पर बैठकर भी शहंशाहों की तरह मुस्कुरा सकता है।

किस मुस्लिम ने की थी बाबा अमरनाथ की खोज

अमरनाथ से जुड़ी कहानियों में कहा जाता है कि एक मुस्लिम गड़रिये बूटा मलिक ने इस पवित्र गुफा को खोजा था हालांकि इस दावे को लेकर इतिहासकारों और धार्मिक विद्वानों के अलग-अलग मत भी सामने आते रहे हैं.

अमरनाथ यात्रा इस साल एक बार फिर सुर्खियों में है। यात्रा की शुरुआत होने की कुछ ही दिनों बाद प्राकृतिक हिमलिंग के पूरी तरह पिघल जाने की खबरें सामने आने के बाद श्रद्धालुओं के बीच कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन करने कर चुके थे। वहीं पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ता तापमान, जलवायु परिवर्तन और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी जैसी परिस्थिति हिमलिंग के जल्दी पिघलने की वजह बन सकती है। वहीं अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इसे प्राकृतिक प्रक्रिया बताया। इसी घटना के बीच अमरनाथ गुफा के इतिहास और उसकी खोज को लेकर पुरानी चर्चाएं भी एक बार फिर लोगों के बीच शुरू हो गई है। ऐसे में चलिए अब आपको बताते हैं कि किस मुस्लिम ने की थी बाबा अमरनाथ की खोज।

किस मुस्लिम ने की थी बाबा अमरनाथ की खोज?

अमरनाथ से जुड़ी पुरानी कहानियों में कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक मुस्लिम गड़रिये बूटा मलिक ने इस पवित्र गुफा को खोजा था। हालांकि इस दावे को लेकर इतिहासकारों और धार्मिक विद्वानों के अलग-अलग मत भी सामने आते रहे हैं। वहीं लोक कथाओं के अनुसार पहलगाम क्षेत्र के रहने वाले मुस्लिम चरवाहे बूटा मालिक एक दिन अपनी भेड़- बकरियां चराने निकले थे। रास्ते में उनकी मुलाकात एक साधु से हुई। कहा जाता है कि साधु ने उन्हें एक कांगड़ी दी जो बाद में सोने की बन गई। अगले दिन जब बूटा मलिक दोबारा उस स्थान पर पहुंचे तो वहां उन्हें बर्फ से बना विशाल शिवलिंग दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने दूसरे साधुओं को भी वहां पहुंचाया और धीरे-धीरे स्थान की जानकारी दूर-दूर तक फैल गई। इसी कहानी के आधार पर कई लोग मानते हैं कि अमरनाथ यात्रा की शुरुआत बूटा मलिक की खोज के बाद हुई। वहीं आज भी बटकोट क्षेत्र में रहने वाले बूटा मलिक के वंशजों का नाम अमरनाथ यात्रा के इतिहास से जोड़ा जाता है। लंबे समय तक यात्रा की पारंपरिक व्यवस्था में भी उनके परिवार की बड़ी भूमिका बताई जाती है।

कब शुरू हुई थी पहली अमरनाथ यात्रा?

अमरनाथ यात्रा की कोई निश्चित ऐतिहासिक शुरुआत दर्ज नहीं है। वहीं धार्मिक ग्रंथ और इतिहासकारों के अनुसार यह तीर्थ सदियों पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अमरनाथ को वहीं स्थान माना गया है, जहां भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य सुनाया था। इसी कारण यह गुफा हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में गिनी जाती है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस गुफा तक कठिन पहाड़ी रास्तों से पहुंचकर बाबा बर्फानी के दर्शन करते हैं।

धार्मिक ग्रंथ भृगु संहिता के अनुसार अमरनाथ गुफा के सबसे पहले दर्शन महर्षि भृगु ने किए थे। पुरानी कथा के अनुसार एक समय पूरी कश्मीर घाटी जलमग्न हो गई थी। तब महर्षि कश्यप ने नदियों और जलधाराओं के माध्यम से पानी को बाहर निकाला। इसके बाद महर्षि भृगु हिमालय में तपस्या के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश करते हुए इस गुफा तक पहुंचे और उन्होंने प्राकृतिक हिम शिवलिंग के दर्शन की। इस वजह से कई धार्मिक मान्यताओं में महर्षि भृगु को अमरनाथ का पहला तीर्थ यात्री माना जाता है।

इस साल कब तक चलेगी यात्रा?

प्राकृतिक हिमलिंग के पिघल जाने के बावजूद अमरनाथ यात्रा निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार जारी है। यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और इसका समापन 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर होगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से केवल वैध रजिस्ट्रेशन के साथ यात्रा करने और सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की भी अपील की है।

गौतम बुद्ध की शिष्यों को सीख

जल्दबाजी अच्छे परिणामों को भी खराब कर देती है, धैर्य के साथ मेहनत करेंगे, तो सफलता जरूर मिलेगी

गौतम बुद्ध के कई ऐसे प्रेरक प्रसंग हैं, जिनसे हमें सुखी जीवन की सीख मिलती है। बुद्ध की कई कथाओं में यह संदेश दिया गया है कि केवल मेहनत करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही दिशा, धैर्य और निरंतरता भी उतनी ही जरूरी है। एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ यात्रा कर रहे थे। वहां पहुंचकर उन्हें लोगों को जीवन का सही मार्ग बताना था। यात्रा के दौरान रास्ते में एक विचित्र दृश्य दिखाई दिया। जगह-जगह छोटे-छोटे गड्ढे खुदे हुए थे। कोई गड्ढा आधा फीट गहरा था, कोई दो फीट, तो कोई उससे थोड़ा अधिक। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने पूरे क्षेत्र को खोद डाला है, लेकिन कहीं भी काम पूरा नहीं हुआ।

बुद्ध के एक शिष्य के मन में जिज्ञासा जागी। उसने विनम्रता से पूछा, तथागत, इन अधूरे गड्ढों का क्या रहस्य है? आखिर किसने इन्हें खोदा होगा और क्यों?

बुद्ध मुस्कुराए और बोले, इन गड्ढों को एक ऐसे व्यक्ति ने खोदा है जो पानी की तलाश में था। उसने एक जगह खुदाई शुरू की, लेकिन थोड़ी देर बाद जब पानी नहीं मिला, तो उसने सोचा कि शायद यहां पानी नहीं है। फिर वह दूसरी जगह चला गया। वहां भी कुछ देर मेहनत की, लेकिन धैर्य खो बैठा और तीसरी जगह खुदाई करने लगा। इसी तरह उसने कई स्थानों पर गड्ढे तो खोदे, लेकिन किसी एक जगह इतनी गहराई तक नहीं पहुंचा कि पानी मिल सके।

शिष्य ने आश्चर्य से पूछा, अगर वह एक ही स्थान पर लगातार मेहनत करता तो क्या उसे पानी मिल जाता?

बुद्ध ने उत्तर दिया, निश्चित रूप से। धरती के भीतर पानी है, लेकिन उसे पाने के लिए निरंतर प्रयास और धैर्य चाहिए था। अधूरी मेहनत और बार-बार दिशा बदलने से केवल थकान मिलती है, सफलता नहीं।

इसके बाद बुद्ध ने अपने सभी शिष्यों से कहा, हमारा जीवन भी इसी प्रकार का है। जो व्यक्ति हर कठिनाई पर अपना लक्ष्य बदल देता है या जल्दी हार मान लेता है, वह सफलता से दूर रह जाता है, लेकिन जो धैर्य के साथ एक दिशा में लगातार प्रयास करता है, वह देर-सवेर अपनी मंजिल तक अवश्य पहुंचता है।

यह छोटी-सी घटना जीवन का बड़ा संदेश देती है कि सफलता का रास्ता मेहनत, धैर्य और निरंतरता से होकर गुजरता है। जो लोग इन तीन गुणों को अपना लेते हैं, वे परिस्थितियां चाहे जैसी हों, अंततः अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं।

गौतम बुद्ध की सीख

एक लक्ष्य चुनें और उसी पर टिके रहें बार-बार लक्ष्य बदलने से ऊर्जा और समय दोनों नष्ट होते हैं। मेहनत के साथ ही स्पष्ट दिशा सफलता की पहली शर्त है। बार-बार लक्ष्य बदलने से सफलता नहीं मिलती है।

धैर्य को ताकत बनाएं

हर बड़ी उपलब्धि समय मांगती है। जल्दबाजी अक्सर अच्छे परिणामों को भी खराब कर देती है। इसलिए धैर्य के साथ मेहनत करें, धैर्य को अपनी ताकत बनाइए।

निरंतर मेहनत करते रहें

हर दिन थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ना, कभी-कभार बहुत अधिक मेहनत करने से बेहतर होता है। नियमित रूप से आगे बढ़ते रहने ज्यादा जरूरी है।

असफलता से सीख लें

अगर पहली कोशिश सफल नहीं होती है, तो उसे अंत नहीं, बल्कि अनुभव की शुरुआत मानें। असफलता से सीख लें और आगे बढ़ें।

तुलना से बचें

हर व्यक्ति की परिस्थितियां और यात्रा अलग होती है। अपने काम पर ध्यान देना अधिक लाभदायक है, कड़ी मेहनत करें, लेकिन दूसरों के साथ अपनी तुलना न करें।

छोटी सफलताओं का सम्मान करें

बड़े लक्ष्य तक पहुंचने के लिए छोटे-छोटे पड़ाव ही प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। हर उपलब्धि का महत्व समझें। छोटी-छोटी सफलताओं का भी सम्मान करें।

सकारात्मक सोच बनाए रखें

असफल होने के बाद नकारात्मकता से बचें, नकारात्मक विचार निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर कर देते हैं, जबकि सकारात्मक सोच नए अवसर दिखाती है।

सही रणनीति के साथ काम करें

सिर्फ मेहनत नहीं, बल्कि सही दिशा में मेहनत करना जरूरी है। समय-समय पर अपनी कार्य योजना की समीक्षा करें।

अनुशासन न छोड़ें

अनुशासन कभी न छोड़ें। अनुशासित रहकर काम करने से सफलता जरूर मिलती है। अनुशासन ही आपको हर दिन आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

स्वयं पर विश्वास रखें

यदि आपको अपनी क्षमता पर भरोसा है, तो कठिन परिस्थितियां भी आपको लंबे समय तक रोक नहीं सकतीं। आत्मविश्वास सफलता की मजबूत नींव है।

मंदिर कब जाना चाहिए? सुबह, दोपहर या शाम

मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उन्नति के लिए लोग मंदिर जाते हैं। वहां वे अपने आराध्य की पूजा और दर्शन करते हैं। भोग, फूल, माला, हवन आदि अर्पित करते हैं। मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्नते मांगते हैं। हर व्यक्ति के अपने अलग-अलग इष्ट देव होते हैं, लेकिन वे हर मंदिर में जाते हैं, चाहें वो भगवान शिव का हो, श्रीहरि विष्णु, मां दुर्गा, हनुमान जी या फिर किसी और का। लेकिन सवाल यह है कि मंदिर कब जाना चाहिए? मंदिर जाने का सही समय क्या है? मंदिर सुबह में जाएं या दोपहर में या फिर शाम के समय।

मंदिर जाने का सबसे शुभ समय क्या है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त में या फिर सूर्योदय के समय में मंदिर जाना चाहिए। ब्रह्म मुहूर्त भोर में यानि तड़के 4 एएम से शुरू होता है। यदि आप इस मुहूर्त में मंदिर न जा पाएं तो सूर्योदय के समय या उसके बाद मंदिर जाएं।

यह देवताओं का समय माना जाता है। इस समय मन और वातावरण शांत रहता है। सकारात्मक ऊर्जा का स्तर बढ़ा होता है। मंदिरों में इस समय भगवान को जगाते हैं, अभिषेक, पूजा-अर्चना के साथ मंगला आरती की जाती है। इसमें शामिल होने के लिए भक्त सुबह सुबह मंदिर पहुंचते हैं।

दोपहर के समय में मंदिर नहीं जाना चाहिए। दोपहर में शृंगार और भोग आरती की जाती है। उसके बाद भगवान के विश्राम का समय होता है। भोग आरती के बाद मंदिरों के पट बंद कर दिए जाते हैं, इस वजह से उस समय आप अपने प्रभु के दर्शन से वंचित हो जाते हैं।

क्या शाम के समय मंदिर जाना भी शुभ माना जाता है?

यदि आप ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय के समय मंदिर नहीं जा पाते हैं तो सूर्यास्त के ठीक बाद यानि प्रदोष काल में जा सकते हैं। इस समय में संध्या आरती होती है। यह भी समय दर्शन और पूजा के लिए अच्छा माना जाता है। देर रात में मंदिर नहीं जाना चाहिए क्योंकि उस समय भगवान के शयन का समय होता है। शयन आरती के बाद भगवान सोते हैं और फिर से पट बंद कर दिए जाते हैं।

मंदिर कब न जाएं?

सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण के समय मंदिर नहीं जाना चाहिए क्योंकि उस समय मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। जब ग्रहण खत्म होता है तो मंदिर का शुद्धिकरण होता है, उसके बाद कपाट खोले जाते हैं और फिर दर्शन होते हैं।

मंदिर जाने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

जब आपको मंदिर जाना है तो स्नान आदि से निवृत होकर पवित्र रहें।

मंदिर जाने के लिए पारंपरिक वस्त्र पहनें। ऐसे वस्त्र न पहनें तो अमार्यादित हों। कहने का मतलब है कि पार्टी वाली ड्रेस मंदिर में नहीं पहन सकते। इसलिए कई मंदिरों में दर्शन के लिए एक ड्रेस कोड बना होता है, जिसका पालन करने पर ही प्रवेश मिलता है।

मंदिर जाएं तो खाली पेट जाएं। भोजन करने के तुरंत बाद मंदिर नहीं जाना चाहिए।

मंदिर जाते समय इस बात का ध्यान रखें कि चमड़े से बनी वस्तुएं साथ लेकर न जाएं।

हर कौवे का संकेत एक जैसा नहीं होता!

कौन-सी हरकत देती है शुभ और कौन-सी अशुभ फल

भारतीय ज्योतिष और शकुन शास्त्र में प्रकृति से मिलने वाले संकेतों का विशेष महत्व बताया गया है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और रोजमर्रा की कई छोटी-छोटी घटनाओं को भविष्य में होने वाली परिस्थितियों का संकेत माना जाता है। इन्हीं संकेतों में कौवे का भी खास स्थान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौवा केवल एक सामान्य पक्षी नहीं, बल्कि पितरों और यमलोक से जुड़ा दूत माना जाता है। इसलिए इसकी आवाज, उड़ान या व्यवहार को शकुन शास्त्र में विशेष संकेत के रूप में देखा जाता है।

हालांकि इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, लेकिन सनातन परंपरा और ज्योतिषीय मान्यताओं में इनका उल्लेख मिलता है। आइए जानते हैं कि ज्योतिषाचार्य पंडित कौशल पांडेय के अनुसार कौवे की कौन-सी हरकतें शुभ मानी जाती हैं और किन संकेतों पर सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

कौवे को क्यों माना जाता है विशेष संकेत देने वाला पक्षी? ज्योतिष और शकुन शास्त्र के अनुसार कौवा पितरों का प्रतिनिधि माना जाता है। यही कारण है कि पितृ पक्ष में कौवे को भोजन कराना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि कौवे के व्यवहार के माध्यम से भविष्य में होने वाली कुछ घटनाओं के संकेत मिल सकते हैं। हालांकि इन संकेतों को अंधविश्वास की तरह नहीं, बल्कि पारंपरिक धार्मिक मान्यता के रूप में देखा जाना चाहिए।

कौवे के ये संकेत माने जाते हैं अशुभ

शकुन शास्त्र के अनुसार यदि कौवा दक्षिण दिशा की ओर मुख करके लगातार कांव-कांव करता है, तो इसे शुभ नहीं माना जाता। ज्योतिषीय मान्यता कहती है कि यह घर में किसी परेशानी, बीमारी या मानसिक तनाव आने का संकेत हो सकता है। ऐसे समय में भगवान का स्मरण करने और सकारात्मक सोच बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

एक साथ कई कौवों का शोर मचाना

अगर अचानक कई कौवे किसी घर की छत या आसपास एक साथ शोर मचाने लगें, तो शकुन शास्त्र में इसे भी अशुभ संकेत माना गया है। मान्यता है कि यह किसी अप्रत्याशित घटना या पारिवारिक तनाव की ओर इशारा कर सकता है। ऐसे समय में धैर्य रखने और धार्मिक कार्यों में मन लगाने की सलाह दी जाती है।

सिर को छूकर निकलना या बीट कर देना

ज्योतिषाचार्य पंडित कौशल पांडेय के अनुसार यदि कौवा किसी व्यक्ति के सिर को छूकर उड़ जाए या उसके ऊपर बीट कर दे, तो इसे भी सावधानी का संकेत माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह आर्थिक नुकसान, स्वास्थ्य संबंधी परेशानी या किसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का संकेत हो सकता है। ऐसे में जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय लेने से बचना बेहतर माना जाता है।

कौवे के ये संकेत माने जाते हैं शुभ

अगर सुबह के समय घर की मुंडेर, बालकनी या आंगन में कौवा आकर आवाज करता है, तो शकुन शास्त्र में इसे अतिथि आगमन का संकेत माना गया है। पुराने समय में इसे शुभ समाचार मिलने या किसी प्रिय व्यक्ति के आने की सूचना भी माना जाता था।

रोटी लेकर उड़ता हुआ कौवा दिखना

यदि कौवा अपनी चोंच में रोटी या भोजन का टुकड़ा लेकर उड़ता दिखाई दे, तो यह शुभ संकेत माना जाता है। मान्यता है कि यह रुके हुए कार्य पूरे होने, मनोकामना पूर्ण होने या जीवन में सकारात्मक बदलाव आने का संकेत हो सकता है।

कौवे को पानी पीते देखना

शकुन शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को कौवा शांत भाव से पानी पीता दिखाई दे, तो इसे धन लाभ और आर्थिक स्थिति मजबूत होने का संकेत माना जाता है। कई ज्योतिषीय मान्यताओं में इसे नए अवसर मिलने का भी प्रतीक बताया गया है।

क्या हर संकेत पर विश्वास करना जरूरी है?

ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि शकुन शास्त्र में बताए गए संकेत केवल संभावनाओं की ओर इशारा करते हैं। इन्हें जीवन का अंतिम सत्य नहीं माना जाना चाहिए। किसी भी शुभ या अशुभ संकेत के आधार पर घबराने के बजाय सकारात्मक सोच, अच्छे कर्म और ईश्वर में विश्वास बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करते हुए विवेकपूर्ण निर्णय लेना ही सबसे बेहतर तरीका है।

सुख-सुविधाएं और अन्य चीजें हमारा ध्यान लक्ष्य से हटा देती हैं, ये असफलता का कारण बन सकती हैं

हर व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ना, सफल होना और ऊंचाइयां प्राप्त करना चाहता है, लेकिन दुनिया की भौतिक चीजें और उनके आकर्षण व्यक्ति को लक्ष्य से भटका देते हैं। धन, सुख-सुविधाएं और अन्य चीजें हमारा ध्यान अच्छे विचारों और ऊंचे आदर्शों से हटाकर केवल भोग-विलास की ओर ले जाते हैं। इस कारण हमारा मानसिक विकास रुक जाता है। जो चीजें हमें बाहरी रूप से उन्नति जैसी लगती हैं, वे वास्तव में हमारी असफलता का कारण बन सकती हैं।

14 जुलाई को बन रहा है गजकेसरी योग

जुलाई में गजकेसरी योग का निर्माण 14 जुलाई की शाम से होने जा रहा है। कर्क राशि में चंद्रमा और देव गुरु बृहस्पति की युति से गजकेसरी योग बनने वाला है। उस समय चंद्रमा अपनी ही राशि कर्क में विराजमान होंगे और गुरु 2 जून से ही कर्क में हैं। इन दोनों की युति से यह अद्भुत राजयोग बन रहा है। गजकेसरी में गज का अर्थ हाथी और केसरी यानि सिंह से है। 14 जुलाई से बनने वाला गजकेसरी योग कुछ राशियों के लिए शुभ हो सकता है, इससे उनकी किस्मत खुल सकती है।

जुलाई में गजकेसरी योग कब से कब तक है?

14 जुलाई को कर्क राशि में चंद्रमा का गोचर शाम को 6 बजकर 48 मिनट पर होगा। उस समय ही कर्क में चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग बनेगा। कर्क राशि में चंद्रमा की उपस्थिति 16 जुलाई को शाम 07 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। उसके बाद से चंद्रमा सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। तब गजकेसरी योग खत्म हो जाएगा।

गजकेसरी योग के फायदे

गजकेसरी योग बनने से धन, सुख, सुविधाओं, पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होती है। इसके अलावा व्यक्ति को करियर में उन्नति का मौका मिलता है। शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। बुद्धि, पराक्रम और साहस में भी वृद्धि होती है।

मेष: गजकेसरी योग वाले दिनों में मेष राशि के लोगों को नई नौकरी का मौका मिल सकता है। इस दिन आप जॉब के अवसर को तलाश करके आगे बढ़ सकते हैं। आपको सफलता प्राप्त होने की उम्मीद है क्योंकि समय अनुकूल रहेगा। अपने काम को दिखाने का मौका मिलेगा। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा, लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क: कर्क राशिवालों को मेहनत करनी होगी, जो करियर में आपके लिए नई संभावनाएं और सफलताएं दिला सकती है। इन दिनों में आपको कोई महत्वपूर्ण काम सौंपा जा सकता है, इससे आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। बिजनेस करने वालों को पैसे कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। अपनी योजनाओं को लागू करके सफलता प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। निवेश या धन से जुड़े फैसले सोच समझकर लें।

सिंह: सिंह राशिवाले जिस मौके की तलाश में थे, वह उनको इन 3 दिनों में मिल सकता है। करियर में आने वाले इस महत्वपूर्ण अवसर को पहचानें और काम करें। सफलता प्राप्त होगी। आपका सोशल नेटवर्क मजबूत होगा और लोग आपसे प्रभावित होंगे। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। दोस्तों के साथ मौज मस्ती करने का मौका मिलेगा। रिश्ते मधुर और मजबूत होंगे। हालांकि इस बीच सेहत का ध्यान रखें।

धनु: धनु राशिवालों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे और आपका जीवन खुशियों से भरा होगा। इस समय में आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेंगे। इस समय में आपकी किसी खास व्यक्ति से दोस्ती हो सकती है, जो आपके लिए खुशियां ला सकता है। धन के मामले में समय अनुकूल रहेगा। निवेश और धन लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

मीन: मीन वालों को करियर में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। किसी अच्छी कंपनी से नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है। कार्यस्थल पर लोग आपके काम की प्रशंसा करेंगे और बॉस भी खुश रहेंगे। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और पार्टनर का पूरा सहयोग होगा। मन को शांत रखें और तनाव से दूर रहें। इन दिनों में आप कोई बड़ी खरीदारी कर सकते हैं, लेकिन आपको अपनी जेब का भी ध्यान रखना चाहिए। नकारात्मक लोगों से दूर रहें तो अच्छा रहेगा।

'पांड्या स्टोर' एक्टर रोहित चंदेल गिरफ्तार, 16 साल की लड़की से छेड़छाड़ और मारपीट करने का आरोप

टीवी के जाने-माने एक्टर रोहित चंदेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर 16 साल की नाबालिग लड़की का पीछा करने और उससे मारपीट करने का आरोप है। एक्टर के खिलाफ 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज' एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रोहित चंदेल गिरफ्तार

टीवी एक्टर रोहित चंदेल, जो 'पांड्या स्टोर' और 'काशीबाई बाजीराव बल्लाल' जैसे शो में अपने किरदारों के लिए जाने जाते हैं, उन्हें मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन पर 16 साल की लड़की का पीछा करने, बार-बार फोन करने, परेशान करने और मारपीट करने का आरोप है। एक्टर के खिलाफ 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज' एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

खबरों के मुताबिक, 29 साल के इस एक्टर को पंत नगर पुलिस ने शुक्रवार, 10 जुलाई को दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ़्तार किया। बाद में उन्हें एक स्पेशल POCSO कोर्ट में

पेश किया गया, जिसने उन्हें पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

क्या है पूरी बात?

एफ़.आई.आर.के अनुसार, आरोपी ने नाबालिग लड़की के मना करने के बावजूद अपने पर्सनल नंबर और दूसरे मोबाइल नंबरों से उसे बार-बार फोन किए। शिकायत में यह भी कहा गया है कि 5 जुलाई को एक्टर ने कथित तौर पर लड़की को उसकी हाउसिंग सोसाइटी के पास रोका, उसका पीछा किया, उससे बहस की, उसे गालियां दीं और कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की।

रोहित चंदेल के खिलाफ मामला दर्ज

इसलिए, पास्को एक्ट के साथ-साथ, उस पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 78 और 115(2) के तहत भी मामला दर्ज किया गया है, जो पीछा करने (स्टॉकिंग) और जान-बूझकर चोट पहुंचाने से संबंधित हैं।

एक्टर की तरफ से कोई बयान नहीं

मामले की आगे की जांच चल रही है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज किया गया और आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।' ध्यान देने वाली बात यह है कि अभी तक एक्टर या उनकी टीम ने इन आरोपों या गिरफ़्तारी पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है और न ही कोई प्रतिक्रिया दी है।

'देश ने संगीत के क्षेत्र में एक महान हस्ती खो दी'

एस. जानकी के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया शोक

दिग्गज गायिका एस. जानकी का बीते दिन 11 जुलाई को मैसूर में 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वे हमेशा कहती थीं कि सिंगिंग ईश्वर का दिया हुआ उपहार है। वे अपनी सफलता का श्रेय संगीतकारों और गीतकारों को भी देती थीं। उनकी और एसपी बालसुब्रह्मण्यम की जोड़ी भारतीय फिल्म संगीत की सबसे सफल जोड़ियों में मानी जाती है। दोनों ने साथ मिलकर हजारों डुएट गाए।

करीब छह दशक तक एक्टिव रहने के बाद उन्होंने 2017 में स्वयं घोषणा की कि अब वे नई रिकॉर्डिंग नहीं करेंगी। उनका कहना था, 'मैं बहुत गा चुकी हूं, अब आराम करना चाहती हूं।' उन्होंने मैसूर में एक कार्यक्रम के साथ अपने गायन करियर को विराम दिया।**लिखा- 'उनका संगीत हमेशा अनमोल रहेगा'**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज रविवार को अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मशहूर प्लेबैक सिंगर एस. जानकी अम्मा के निधन से भारत ने संगीत की एक महान हस्ती को खो दिया है। उनकी शानदार गायकी ने कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया। उनका शानदार करियर छह दशकों से भी ज्यादा लंबा रहा, जिसमें उन्होंने हिंदी, ओडिया, तुलु, उर्दू, पंजाबी और बंगाली समेत लगभग 20 भारतीय भाषाओं में हजारों गाने रिकॉर्ड किए। उनका सदाबहार संगीत हमेशा अनमोल रहेगा। मैं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं'।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- 'संगीत और संस्कृति की दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट साझा कर जानकी अम्मा के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा है, 'मशहूर प्लेबैक सिंगर एस. जानकी अम्मा का निधन संगीत और संस्कृति की दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति है। अलग-अलग भाषाओं में

गाए उनके गाने कई पीढ़ियों के बीच लोकप्रिय रहे। उन्होंने बेमिसाल खूबसूरती और विविधता के साथ हर भावना को अपनी आवाज दी। उनकी मधुर आवाज आने वाले वर्षों में भी सुनने वालों को मंत्रमुग्ध करती रहेगी।

सोनू मिश्रा ने मेकर्स का लीगल नोटिस फाड़ा

'काला हिरण' के प्रोड्यूसर से बोले- धमकी से डरने वाला नहीं हूं; हनुमान जी का भक्त हूं

एक्टर सोनू मिश्रा ने फिल्म 'काला हिरण' के मेकर्स की तरफ से मिले लीगल नोटिस को फाड़ दिया और कहा कि वह डरने वाले नहीं हैं।

इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड कर सोनू ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से 'काला हिरण' मूवी की कंट्रोवर्सी चल रही है और आप सबने मेरा नाम नेशनल और इंटरनेशनल मीडिया में देखा होगा, सुना होगा। मैंने मीडिया में सच बोला था और उस सच बोलने की वजह से 'काला हिरण' मूवी के प्रोड्यूसर अमित जानी ने मुझे एक लीगल नोटिस भेजा है। क्यों भाई साहब? सच बोलना क्राइम है क्या? बताइए मुझे और जो लिखित धमकी आपने लीगल नोटिस के नाम पर दी है, उसे इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 351 के तहत इसको क्रिमिनल इंटिमिडेशन कहा जाता है। मतलब लीगल नोटिस के नाम पर आप रिटन थ्रेट दे दो, मतलब इलीगल धमकी बोल सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'आपको बता दूं मैं, इस गीदड़ धमकी से मैं डरने वाला नहीं हूं। हनुमान जी का भक्त हूं मैं। छोटे से गांव से निकलकर मुंबई तक का सफर किया है।

आपकी तरह ऐसा नहीं है कि फेमस लोगों का नाम इस्तेमाल करके चर्चाओं में आ जाऊं मैं। मेहनत करता हूं। ठीक है? और आपने जो सलमान खान साहब का नोटिस फाड़ा, नहीं फाड़ा, वो मुझे पता नहीं है। आपका जो ये इलीगल धमकी है ना... ये अपने पास रखो। ठीक है? और जितने भी लोग हैं, सबसे मेरी रिक्वेस्ट है, ऐसे लोगों से दूर रहो। और मैं हमेशा सच के साथ था और हमेशा सच ही बोलूंगा।'

सोनू ने मेकर्स पर गंभीर आरोप लगाए थे बता दें कि फिल्म 'काला हिरण' को लेकर एक्टर सोनू मिश्रा ने दावा किया था कि फिल्म में सलमान खान का किरदार निभाने के लिए पहले उन्हें चुना गया था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद ही प्रोजेक्ट छोड़ दिया। उन्होंने कहा था कि फिल्म में सलमान को नेगेटिव तरीके से दिखाया जा रहा है। एक्टर सोनू मिश्रा ने दावा किया था कि उन्हें फिल्म 'काला हिरण' में उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा रोल देने का वादा किया गया था। जल्दबाजी में उन्हें यूपी में शूटिंग के लिए बुलाया गया, लेकिन सेट पर पहुंचने के बाद उन्हें न स्क्रिप्ट दी गई और न ही कोई एग्रीमेंट कराया गया।

सोनू का कहना था कि कोर्टरूम वाले सीन की शूटिंग के दौरान उन्हें लगा कि फिल्म की कहानी उन्हें पहले जैसी बताई गई थी, वैसी नहीं है। उन्होंने कई बार पूरी स्क्रिप्ट और एग्रीमेंट मांगा, लेकिन हर बार कहा गया कि पहले शूट पूरा करें। बाद में जब एग्रीमेंट दिखाया गया, तो उसमें मौजूद कुछ शर्तों से वह सहमत नहीं हुए और फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया

क्या गोविंदा से अलग होंगी सुनीता आहूजा? 'लॉकअप 2' से बाहर आकर किया खुलासा; कहा- 'कोई दूध का धुला नहीं है'

अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' से बाहर हो गई हैं। बीते दिन शनिवार को 'जजमेंट डे' एपिसोड में गोविंदा और उनकी बेटी टीना आहूजा उन्हें शो से बाहर ले जाने के लिए आए थे। शो के दौरान, सुनीता ने कई बार शादी में धोखा देने का जिक्र किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गोविंदा के कई वर्षों तक कई अफेयर रहे हैं। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि वह कभी भी उन्हें छोड़कर नहीं जाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमाम मुश्किलों के बावजूद शादी में उनका भरोसा और प्यार अटूट बना हुआ है।

'कोई दूध का धुला नहीं होगा'

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने 'लॉक अप 2' से निकलने के बाद 'द फ्री प्रेस जर्नल' से बातचीत में शादी में धोखे के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने भरोसे, माफी और एक एक्टर से शादी करने का क्या

मतलब है, इस पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'भरोसा बहुत बड़ी चीज है। मुझे नहीं लगता कि फिल्म इंडस्ट्री का कोई भी हीरो दूध का धुला होगा। हमसे ज्यादा तो वो लोग हीरोइनों के साथ टाइम बिताते हैं। तो ये आपके प्यार पर निर्भर करता है कि आप कैसे लेते हो'।

कहा- 'एक्टर की पत्नी होना आसान नहीं'

सुनीता आहूजा ने आगे कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि एक एक्टर की पत्नी बनना...यानी आपको अपना दिल पत्थर का रखना पड़ता है। मैं जब 15 साल की थी, तब गोविंदा से प्यार किया था। आज 56 साल की हो गई हूं और आज भी उनसे उतना ही प्यार करती हूं। मैंने उसे इतने माफिया दी हैं। मैंने भी कभी कुछ बदतमीजी की होगी। वो हमेशा कहते हैं, 'ये मेरी बीवी नहीं है, बच्ची है।' प्यार अगर दिल से होता है, तो इंसान माफ करके निकल जाता है'।

कब हुई गोविंदा और सुनीता की शादी?

गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादीशुदा जिंदगी की बात करें तो दोनों ने साल 1987 में शादी की थी। हालांकि, उन्होंने शादी की बात करीब दो साल तक छिपाकर रखी। साल 1989 में बेटी टीना के जन्म तक कपल ने शादी की बात की किसी को भनक तक नहीं लगने दी। बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा के बेटी टीना के अलावा एक बेटा यशवर्धन आहूजा भी है।

उर्वशी ढोलकिया सिंगल मदर से टीवी की आइकॉनिक विलेन तक का सफर

किसी भी ड्रामा, फिल्म या सीरियल की सफलता में एक दमदार खलनायक का किरदार अहम भूमिका निभाता है, जो कहानी में रोमांच लाने के साथ दर्शकों को बांधे रखता है। भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री में कई ऐसे विलेन रहे हैं, जिन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग से धारावाहिकों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मनोरंजन जगत में ऐसे लोकप्रिय विलेन के किरदार निभाने वाले नामों में एक उर्वशी ढोलकिया हैं। उर्वशी ढोलकिया एक मशहूर टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 9 जुलाई 1979 को दिल्ली में हुआ था। उनके पिता गुजराती और मां पंजाबी मूल की हैं। उनका एक भाई भी है, जिसका नाम अनुरुप ढोलकिया है। उर्वशी ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत महज 6 वर्ष की उम्र में लक्स साबुन के एक विज्ञापन से की। हालांकि, छोटी उम्र में ही उन्होंने जीवन के कई उतार-चढ़ाव को देखा। उर्वशी ने महज 16 वर्ष की उम्र में शादी कर ली और 17 वर्ष की उम्र में वह जुड़वां बेटों (क्षितिज और सागर) की मां बनीं। हालांकि, उर्वशी की शादी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई। विवाह के मात्र डेढ़ वर्ष बाद उनका तलाक हो गया।

तलाक के बाद उर्वशी को कई प्रकार की चुनौतियों को सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। मुश्किल दौर से सीख लेते हुए, उन्होंने सिंगल मदर के रूप में अपने दोनों बेटों की परवरिश की।

उर्वशी के करियर की बात करें तो उन्होंने 90 के दशक में कई प्रसिद्ध टीवी शो में काम किया, जिसमें 'श्रीकांत', 'देख भाई देख', 'कभी सौतन कभी सहेली', 'शक्तिमान', 'चंद्रकांता', 'नागिन 6', 'कसौटी जिंदगी की', 'घर एक मंदिर', 'बेताब दिल की तमन्ना है', 'मेहंदी तेरे नाम की' जैसे नाम शामिल हैं।

हालांकि, एकता कपूर की मशहूर धारावाहिक 'कसौटी जिंदगी की' में 'कोमोलिका बसु' का किरदार ने उन्हें काफी सराहना दिलाई। विलेन के इस रोल ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और कई अवॉर्ड्स दिलाए।

उर्वशी देश के सबसे बड़े, चर्चित और लोकप्रिय रियलिटी शो में से एक, 'बिग बॉस 6' की विजेता रह चुकी हैं। इसके अलावा, वह 'नच बलिए सीजन 9', 'झलक दिखला जा सीजन 11' और 'द 50' जैसे रियलिटी शो में एक प्रतिभागी के तौर पर भी नजर आ चुकी हैं।

उर्वशी ढोलकिया की बॉलीवुड जर्नी की बात करें, तो उन्होंने 'बाबुल', 'कब तक चुप रहूंगी', और 'इज्जत' जैसी कुछ लोकप्रिय हिंदी फिल्मों में काम किया है। वहीं, अभिनेत्री आज भी मनोरंजन जगत में काफी सक्रिय हैं और अपने ग्लैमरस, बोल्ड व बेबाक अंदाज के लिए सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं।

अखिल अक्किनेनी को पूर्व भाभी सामंथा ने दी बधाई, 'लेनिन' फिल्म पर किया पोस्ट; लिखा- 'ब्लॉकबस्टर वाली फील आ रही'

एक्टर अखिल अक्किनेनी तीन साल बाद फिल्म 'लेनिन' के साथ कमबैक कर रहे हैं। उनकी पिछली फिल्म 'एजेंट' साल 2023 में रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। अब उनकी यह एक्शन ड्रामा आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस बीच उनकी पूर्व भाभी सामंथा रुथ प्रभु ने सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

सामंथा ने 'लेनिन' पर किया पोस्ट

सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'लेनिन' का ट्रेलर शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'अखिल अक्किनेनी और पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। फिल्म से पहले से ही ब्लॉकबस्टर वाली

फील आ रही है।'

सामंथा और अखिल का क्या है रिश्ता

अखिल, नागा चैतन्य के छोटे भाई हैं, जिनकी शादी पहले सामंथा से हुई थी। दोनों ने चार साल साथ रहने के बाद साल 2021 में तलाक ले लिया था। अब दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। सामंथा ने राज निदिमोरू से शादी कर ली है, जबकि नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला के साथ नई शुरुआत की है।

क्या है फिल्म की कहानी?

मुरली किशोर अब्बुरु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में भाग्यश्री बोरस, सुनील और अन्य कलाकार भी हैं। यह फिल्म रायलसीमा इलाके की कठोर पृष्ठभूमि में एक गांव के जालिम नेता के खिलाफ न्याय के लिए लड़ने वाले एक साहसी युवक की कहानी है।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म को मुरली किशोर अब्बूरू ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म में शिवाजी, ब्रह्माजी, ईश्वरी राव और सुनील भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक थमन ने दिया है, एडिटिंग नवीन नूली ने की है और सिनेमैटोग्राफी लियोन ब्रिटो ने संभाली है।

प्रकाश राज को 7 साल पुराने केस में मिली जमानत

वोटर आईडी में धांधली का आरोप, हलफनामे में छिपाई जानकारी

साउथ स्टार प्रकाश राज को जमानत मिल गई है। एक्टर को 2019 के लोकसभा चुनावों से जुड़े आरोपों में जमानत मिली है। उन पर आरोप है कि उस समय वे कई राज्यों में वोटर के तौर पर रजिस्टर्ड थे और हलफनामे में जानकारी नहीं दी।

प्रकाश राज को मिली जमानत

बेंगलुरु की एक अदालत ने 2019 के लोकसभा चुनावों से जुड़े आरोपों के मामले में एक्टर प्रकाश राज को जमानत दे दी है। उन पर आरोप है कि उस समय वे कई राज्यों में वोटर के तौर पर रजिस्टर्ड थे और उन्होंने अपने आधिकारिक चुनावी हलफनामे में यह जानकारी नहीं दी थी। जमानत मिलने के बाद, अब इस मामले में ट्रायल शुरू होगा। 'बार एंड बेंच' की रिपोर्ट के अनुसार, 10 जुलाई को चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ज्योति शांताप्पा काले ने एक्टर प्रकाश राज को जमानत दे दी। जमानत की शर्तों के तहत, उन्हें 4,000 की सिक्योरिटी जमा करनी होगी और भविष्य में कोर्ट की सभी सुनवाइयों में शामिल होना होगा। कोर्ट ने पहले राज के

खिलाफ नॉन-बेलेबल वारंट जारी किया था क्योंकि उन्हें कोर्ट का समन नहीं मिल पाया था। हालांकि, एक्टर शुक्रवार को खुद कोर्ट में पेश हुए।

उनके वकील नागार्जुन ने बताया कि प्रकाश राज को असल में वारंट कभी मिला ही नहीं और उन्हें कानूनी कार्यवाही के बारे में सिर्फ खबरों से पता चला। नागार्जुन ने यह भी बताया कि प्रकाश राज ने अपना तमिलनाडु वोटर ID सरेंडर कर दिया है। शिकायत करने वाले व्यक्ति की तरफ से पेश हुए वकील धर्मपाल ने कहा कि राज पर लगे आरोप नॉन-कॉग्निजेबल (कम गंभीर अपराध) हैं। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद, जज ने जमानत देने का फैसला किया।

कहां से शुरू हुआ मामला

यह मामला बेंगलुरु के रहने वाले के. दिलीप कुमार की एक निजी शिकायत से शुरू हुआ। 1 अगस्त 2025 को, मजिस्ट्रेट ने प्रकाश राज के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त सबूत मिलने के बाद, 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम' की धारा 31 और 125A के तहत मामले का संज्ञान लिया।

प्रकाश राज ने क्या बताया?

प्रकाश राज ने 2019 का लोकसभा चुनाव बेंगलुरु सेंट्रल से एक निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था। अपने चुनावी हलफनामे में उन्होंने बताया था कि उनका नाम बेंगलुरु के शांतिनगर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज है। हालांकि, शिकायतकर्ता का दावा था कि राज का नाम उसी समय तीन अन्य मतदाता सूचियों में भी दर्ज था। इनमें चेन्नई (तमिलनाडु) के वेलाचेरी विधानसभा क्षेत्र में दो एंट्री और तेलंगाना के सेरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र में एक एंट्री शामिल थी।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम क्या है?

शिकायत के अनुसार, 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम' की धारा 17 और 18 किसी व्यक्ति को एक से ज़्यादा चुनाव क्षेत्रों में या एक ही चुनाव क्षेत्र में एक से ज़्यादा बार वोटर के तौर पर रजिस्टर होने से रोकती हैं।

इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि धारा 31 वोटर लिस्ट से जुड़े झूठे बयानों से संबंधित है, जबकि धारा 125A झूठा हलफ़नामा दाखिल करने से जुड़ी है।

भारत में पढ़ रहा हर चौथा विदेशी छात्र नेपाल का पंजाब-कर्नाटक है पहली पसंद, खूब हो रहे एडमिशन

हायर एजुकेशन पर ऑल इंडिया सर्वे से पता चला है कि भारत में पढ़ने वाले विदेशी स्टूडेंट्स में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसमें नेपाल सबसे आगे है और कर्नाटक टॉप डेस्टिनेशन स्टेट के तौर पर उभरा है। भारत के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है। यहां के क्लासरूम अब सिर्फ देसी छात्रों तक सीमित नहीं हैं बल्कि दुनिया भर के युवाओं की चहल-पहल से गुलजार होने लगे हैं। शिक्षा के मामले में हमारा देश अब एक ग्लोबल हब बनने की राह पर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। हाल ही में जारी हुई ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (AISHE) 2023-24 की ताजा रिपोर्ट कुछ ऐसे ही शानदार आंकड़े पेश करती है। इन आंकड़ों से साफ जाहिर होता है कि विदेशी छात्रों का भारत की ओर रुझान लगातार बढ़ रहा है। दिलचस्प बात यह है कि हमारे पड़ोसी देश नेपाल से सबसे ज्यादा छात्र भारत पढ़ने आ रहे हैं, जबकि राज्यों की बात करें तो कर्नाटक और पंजाब विदेशी छात्रों के सबसे पसंदीदा ठिकाने बनकर उभरे हैं।

19 फीसदी का उछाल

बीते पांच सालों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो एक बहुत ही सकारात्मक तस्वीर उभरकर सामने आती है। भारत में पढ़ाई करने आने वाले विदेशी छात्रों की तादाद में करीब 19 फीसदी का शानदार इजाफा देखने को मिला है। साल 2019-20 में जहां 48,898 विदेशी छात्र भारत के अलग-अलग संस्थानों में पढ़ाई कर रहे थे, वहीं 2023-24 के एकेडमिक सेशन में यह आंकड़ा बढ़कर 58,134 के पार पहुंच गया। यानी सीधे तौर पर 9,236 नए छात्रों ने भारत की शिक्षा व्यवस्था पर अपना भरोसा जताया है। यह बढ़ोतरी सिर्फ किसी एक जेंडर तक सीमित नहीं है। पुरुष छात्रों की संख्या जो पहले 32,386 थी, वो अब बढ़कर 37,295 हो गई है। वहीं, महिला छात्राओं की तादाद में भी अच्छा-खासा उछाल आया है, जो 16,512 से बढ़कर 20,839 हो चुकी है। साल 2018 में शिक्षा मंत्रालय ने स्टडी इन इंडिया (SII) नाम से एक खास पहल शुरू की थी, जिसका बुनियादी मकसद विदेशी छात्रों को भारत की ओर आकर्षित करना था। अब ताजे सर्वे के नतीजे चीख-चीख कर बता रहे हैं कि सरकार की यह कोशिश किस कदर कामयाब हो रही है। आज के वक्त में दुनिया के 173 देशों के छात्र भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में अपने सुनहरे भविष्य के सपने बुन रहे हैं।

इन मुल्कों से भी आ रहे युवा

भले ही भारत के कैंपसों में दुनिया भर के छात्र आ रहे हों, लेकिन सबसे बड़ा हिस्सा हमारे पड़ोस से ही आता है। AISHE की रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में भारत में पढ़ाई करने वाले कुल विदेशी छात्रों में से अकेले 24.1 फीसदी सिर्फ नेपाल से हैं। इसे आसान भाषा में समझें तो भारत में पढ़ाई कर रहा हर चौथा विदेशी छात्र नेपाली है। इसके बाद दूसरे नंबर पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का नाम आता है, जिसकी हिस्सेदारी 7 फीसदी है। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) और बांग्लादेश, दोनों देशों से 5.9-5.9 फीसदी छात्र यहां आ रहे हैं। इसके अलावा नाइजीरिया से 5.5 फीसदी और जिम्बाब्वे से 4 फीसदी युवाओं ने भारत को अपनी शिक्षा के लिए चुना है। अगर टॉप 10 देशों को मिला लें तो कुल विदेशी छात्रों का 63.8 फीसदी हिस्सा इन्हीं देशों से आता है। हालांकि, लेबनान, बुर्किना फासो, मंगोलिया, मैक्सिको, कजाकिस्तान, बेलारूस और चिली जैसे दूर-दराज के देशों से भी छात्र हमारे यहां दाखिल हो रहे हैं जो भारतीय एजुकेशन की ग्लोबल पहुंच की गवाही देता है।

राज्यों की रेस में कर्नाटक ने पंजाब को पछाड़ा

जब बात आती है कि ये विदेशी छात्र भारत में किस जगह रहना और पढ़ना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, तो दक्षिण भारत के कर्नाटक ने बाजी मार ली है। हालांकि, यह मुकाबला बेहद कांटे का रहा। कर्नाटक में कुल 7,914 इंटरनेशनल छात्रों ने एडमिशन लिया और वो देश में पहले पायदान पर रहा। वहीं पंजाब बिल्कुल मामूली अंतर से 7,902 छात्रों के साथ दूसरे नंबर पर रहा। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर महाराष्ट्र है जहां 6,190 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। इसके बाद 5,953 छात्रों के साथ उत्तर प्रदेश चौथे और 5,694 छात्रों के साथ तमिलनाडु पांचवें स्थान पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा। इन आंकड़ों से एक बात साफ समझ आती है कि भारत के जो राज्य पहले से ही एजुकेशन हब के तौर पर मशहूर हैं, विदेशी छात्रों का सबसे ज्यादा भरोसा भी उन्हीं राज्यों पर है।

अंडरग्रेजुएट कोर्स की डिमांड सबसे ज्यादा

आखिर ये विदेशी छात्र भारत में आकर किस तरह की पढ़ाई करना पसंद करते हैं? सर्वे के मुताबिक, सबसे ज्यादा डिमांड अंडरग्रेजुएट (यूजी) यानी स्नातक कोर्सेज की है। कुल विदेशी छात्रों में से 73.6 फीसदी युवा इसी स्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। संख्या के हिसाब से देखें तो 42,779 छात्र अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में दाखिला ले चुके हैं, जिनमें से 27,849 लड़के और 14,930 लड़कियां शामिल हैं।

इसके बाद नंबर आता है पोस्टग्रेजुएट (पीजी) प्रोग्राम का जिसमें 9,845 छात्रों ने एडमिशन लिया है, जो कुल तादाद का 16.8 फीसदी बैठता है। इसके अलावा डिप्लोमा, पीएचडी, सर्टिफिकेट और इंटिग्रेटेड कोर्सेज में भी विदेशी छात्र अपनी किस्मत आजमा रहे हैं लेकिन इनकी संख्या ग्रेजुएशन के मुकाबले काफी कम है। बताते चलें कि ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (AISHE) शिक्षा मंत्रालय की एक सालाना कवायद है। इसके जरिए पूरे भारत के हायर एजुकेशन सेक्टर का नक्शा तैयार किया जाता है।

देश भर की यूनिवर्सिटीज, कॉलेज और तमाम शिक्षण संस्थान एक वेब-आधारित डेटा कैप्चर फॉर्मेट (DCF) के जरिए अपनी जानकारियां सरकार को भेजते हैं। इसमें छात्रों के एडमिशन से लेकर फैकल्टी, स्टाफ, इंफ्रास्ट्रक्चर और परीक्षा के नतीजों तक का पूरा ब्योरा शामिल होता है।

न्यूजीलैंड में पढ़ाई का मौका, भारतीय छात्रों को मिलेगी 14 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप!

न्यूजीलैंड की प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी भारतीय सहित अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अंडरग्रेजुएट पर पढ़ाई के लिए 14 लाख रुपये ($15,000) तक की स्कॉलरशिप दे रही है।

विदेश जाकर हायर एजुकेशन हासिल करने और एक बेहतरीन करियर बनाने का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए एक बेहद शानदार और बड़ी खबर आई है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय छात्रों के बीच न्यूजीलैंड पढ़ाई के लिए एक बेहद पॉपुलर डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। इसी कड़ी में, न्यूजीलैंड की प्रतिष्ठित 'यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी' ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने और उन्हें आर्थिक मदद देने के लिए एक स्पेशल स्कॉलरशिप प्रोग्राम की घोषणा की है, जिसके तहत योग्य छात्रों को लाखों रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

14 लाख रुपये तक की मिलेगी वित्तीय मदद

यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी द्वारा दी जा रही इस 'यूसी इंटरनेशनल फर्स्ट ईयर स्कॉलरशिप' का मुख्य उद्देश्य उन मेधावी छात्रों की मदद करना है जो पहली बार यूनिवर्सिटी के अंडरग्रेजुएट कोर्सेज में दाखिला ले रहे हैं। इस स्कॉलरशिप के तहत चुने गए भाग्यशाली छात्रों को उनकी पहले वर्ष की ट्यूशन फीस में 15,000 न्यूजीलैंड डॉलर (करीब 14 लाख रुपये) तक की बड़ी छूट या वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यह विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष ऐसे लगभग 10 स्कॉलरशिप पुरस्कार प्रदान करता है।

कौन कर सकता है आवेदन? जानें जरूरी योग्यता

इस प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप का लाभ उठाने के लिए यूनिवर्सिटी ने कुछ जरूरी शर्तें तय की हैं:

यह स्कॉलरशिप केवल उन अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए है जो पूरी ट्यूशन फीस देने की श्रेणी में आते हैं और न्यूजीलैंड या ऑस्ट्रेलिया के नागरिक या स्थायी निवासी नहीं हैं।

आवेदकों ने न्यूजीलैंड के किसी मान्यता प्राप्त सेकेंडरी स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की हो, या यदि वे गैप ईयर (पढ़ाई में ब्रेक) पर हैं, तो आवेदन से पिछले वर्ष वहां पढ़ाई की हो।

उम्मीदवार ने स्कॉलरशिप की अंतिम तिथि से पहले यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए सफलतापूर्वक आवेदन कर दिया हो।

छात्रों का चयन केवल उनके अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि उनके चरित्र, नेतृत्व क्षमता और खेल, संस्कृति या सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी के आधार पर भी किया जाएगा।

6 अगस्त 2026 है आवेदन की आखिरी तारीख, ऐसे करें अप्लाई

इस स्कॉलरशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसके लिए अंतिम समयसीमा 6 अगस्त 2026 (न्यूजीलैंड समय के अनुसार रात 11:59 बजे) तय की गई है. आवेदन करने के लिए छात्रों को सबसे पहले विश्वविद्यालय के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना 'myUC' अकाउंट बनाना होगा। एडमिशन के लिए आवेदन करने के बाद छात्र स्कॉलरशिप सेक्शन में जाकर निर्दिष्ट फॉर्म को भर सकते हैं।

ध्यान रहे कि यदि स्कॉलरशिप अवधि के दौरान किसी छात्र का इमिग्रेशन स्टेटस बदलता है और वह अंतरराष्ट्रीय छात्र की श्रेणी से बाहर हो जाता है, तो यह वित्तीय सहायता तुरंत वापस ले ली जाएगी। इच्छुक छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी योग्यता जांचें और फॉर्म सबमिट कर दें।

आईआईटी बीएचयू में निकली कई विभागों में गैर-शिक्षण पदों पर भर्ती

आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी ने गैर-शिक्षण भर्ती 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस भर्ती के तहत प्रशासनिक, तकनीकी, पुस्तकालय, सिस्टम विश्लेषक, महिला एवं बाल विकास (IWD), राजभाषा और खेल विभागों में कुल 16 पद भरे जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार 11 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक SAMARTH पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती संस्थान में विभिन्न सहायक और प्रबंधन से जुड़े पदों पर नियुक्ति के लिए आयोजित की जा रही है।

कितना लगेगा आवेदन शुल्क?

इस भर्ती के लिए सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों को 500 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), दिव्यांग (PwBD) और सभी महिला उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क से पूरी तरह छूट दी गई है, यानी इन श्रेणियों के अभ्यर्थियों को कोई शुल्क नहीं देना होगा।

कैसे होगा चयन?

इसके लिए उम्मीदवारों का चयन पद के अनुसार स्क्रीनिंग टेस्ट, लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन, प्रेजेंटेशन और इंटरव्यू के आधार पर किया जा सकता है। केवल न्यूनतम योग्यता पूरी करने से चयन प्रक्रिया में शामिल होने की गारंटी नहीं मिलेगी। संस्थान जरूरत पड़ने पर चयन मानदंड को और सख्त कर सकता है तथा बेहतर योग्यता और अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

वैध ई-मेल आईडी से नया रजिस्ट्रेशन करें।

लॉगिन करके आवेदन फॉर्म में व्यक्तिगत, शैक्षणिक और अनुभव संबंधी जानकारी भरें।

पासपोर्ट साइज फोटो, हस्ताक्षर और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क का भुगतान करें (यदि लागू हो)।

भरी गई जानकारी को जांचकर आवेदन फॉर्म सबमिट करें।

बिहार में फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर के पदों पर भर्ती,16 जुलाई से शुरू होगा आवेदन

बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (BPSSC) ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तहत फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर के 16 पदों पर भर्ती का नोटिस जारी किया है। भर्ती प्रक्रिया विज्ञापन संख्या 10/2026 के तहत आयोजित की जाएगी।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 जुलाई 2026 से शुरू होगी और उम्मीदवार 16 अगस्त 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। चयन प्रतियोगी परीक्षा, इंटरव्यू और शारीरिक दक्षता परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाइन आवेदन शुरू : 16 जुलाई 2026। आवेदन की अंतिम तिथि : 16 अगस्त 2026

कुल 16 पदों पर भर्ती

भर्ती के तहत कुल 16 रिक्तियां भरी जाएंगी। इनमें महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा स्वतंत्रता सेनानियों के पौत्र-पौत्रियों के लिए 2 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी लागू रहेगा।

कौन कर सकता है आवेदन?

उम्मीदवार का भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है। पुरुष, महिला और थर्ड जेंडर अभ्यर्थी आवेदन के पात्र हैं। शैक्षणिक योग्यता के रूप में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से निम्न विषयों में से किसी एक में स्नातक डिग्री होना आवश्यक है- आयु सीमा क्या है?

न्यूनतम आयु सभी वर्गों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है। आयु की गणना 1 अगस्त 2025 के आधार पर की जाएगी। बिहार सरकार के कर्मचारियों और पूर्व सैनिकों को नियमानुसार अतिरिक्त आयु छूट भी मिलेगी।

शारीरिक मानक भी जरूरी

इस भर्ती में शारीरिक मानकों को पूरा करना अनिवार्य होगा। हालांकि इसके लिए अलग से अंक नहीं दिए जाएंगे।

न्यूनतम लंबाई

सामान्य, बीसी, ईबीसी और एससी पुरुष : 163 सेमी, एसटी पुरुष : 152.5 सेमी, सामान्य, बीसी, ईबीसी और एससी महिला : 150 सेमी

एसटी महिला : 145 सेमी

पुरुष अभ्यर्थियों के लिए सीना

बिना फुलाए : 79 सेमी

फुलाने के बाद : 84 सेमी

कम से कम 5 सेमी का फैलाव अनिवार्य होगा।

शारीरिक दक्षता परीक्षा में क्या होगा?

चयन प्रक्रिया में शामिल रहने के लिए उम्मीदवारों को वॉकिंग टेस्ट पास करना होगा।पुरुष उम्मीदवारों को 4 घंटे में 25 किलोमीटर पैदल चलना होगा। महिला उम्मीदवारों को 4 घंटे में 14 किलोमीटर पैदल चलना होगा।

चयन प्रक्रिया कैसी होगी?

योग्य उम्मीदवारों का चयन चार चरणों के आधार पर किया जाएगा: लिखित परीक्षा, इंटरव्यू,शारीरिक दक्षता परीक्षा,मेडिकल परीक्षण,कितनी मिलेगी सैलरी?

एआई स्किल्स वाली नौकरियों में 8 गुना तेज बढ़ोतरी, किन जॉब की डिमांड

पीडब्ल्यूसी के ही सर्वे में पाया गया कि 49% सीईओ को उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में एआई के इस्तेमाल से जूनियर लेवल पर हायरिंग कम होगी, जबकि सीनियर लेवल की नौकरियों के लिए ऐसा सोचने वाले सीईओ सिर्फ 12% हैं।

वर्ष 2025 में खास एआई स्किल्स की मांग वाली नौकरियों में कुल जॉब मार्केट की तुलना में लगभग आठ गुना तेजी से बढ़ोतरी हुई। ऐसी नौकरियों में वेतन भी तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी प्रोफेशनल सर्विसेज और कंसल्टिंग फर्मों में से एक पीडब्ल्यूसी की 2026 एआई जॉब्स बैरोमीटर' रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ऐसी नौकरियां जो क्रिएटिविटी और सही फैसले लेने जैसी इंसानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर सकती हैं, उनमें सबसे तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। रेडियोलॉजिस्ट और रिक्रूटर को इसके उदाहरण के तौर पर बताया गया है। जिन नौकरियों में एआई गैर-विशेषज्ञों के लिए काम आसान बनाता है, जैसे आईटी सर्विस मैनेजर और मेडिकल सेक्रेटरी, उनमें बढ़ोतरी की रफ्तार काफी धीमी है। स्टडी में बताया गया है कि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ग्लोबल लेबर मार्केट को दो विपरीत दिशाओं में ले जा रहा है। यह उन कंपनियों को फायदा पहुंचा रहा है जो इंसानी स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल करती हैं, जबकि जो कंपनियां सिर्फ लागत कम करने के लिए इसका इस्तेमाल करती हैं, वे पीछे रह जाती हैं। पीडब्ल्यूसी के ग्लोबल चीफ एआई ऑफिसर जो एटकिंसन ने कहा, जो कंपनियां एआई से ज्यादा फायदा उठा रही हैं, वे इसका प्रयोग इंसानी विशेषज्ञता को बढ़ाने, इनोवेशन में तेजी लाने को कर रही हैं।

एआई इनोवेशन में बेंगलुरु एशिया में दूसरे नंबर पर

ग्लोबल स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट 2026 के अनुसार,बेंगलुरु एआई इनोवेशन के लिए एशिया में दूसरे स्थान पर है। परफॉर्मेंस और शोध के मामले में दुनिया के टॉप 10 में जगह बनाई है। स्टार्टअप इकोसिस्टम इंडेक्स में दुनिया भर में 15वें स्थान पर रहने वाला बेंगलुरु, भारत के प्रमुख स्टार्टअप हब के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और इसकी इकोसिस्टम वैल्यू 152.8 अरब अमेरिकी डॉलर है।

इन नौकरियों की मांग बढ़ी

खास एआई स्किल्स जैसे मशीन लर्निंग और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग में 69% बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रेडियोलॉजिस्ट, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और रिक्रूटर जैसी प्रोफेशनल भूमिकाओं में नौकरियों में बढ़ोतरी हुई।

भारत सहित 27 देशों पर अध्ययन किया

रिपोर्ट में भारत सहित 27 देशों और क्षेत्रों में एक अरब से अधिक जॉब पोस्टिंग के डाटा का इस्तेमाल किया गया। इसमें लेबर मार्केट, फाइनेंशियल और पेशे की जानकारी को मिलाकर यह देखा गया कि एआई कैसे काम, स्किल्स, वेतन को बदल रहा है। पीडब्ल्यूसी ने कहा एंट्री-लेवल की एआई से संबंधित नौकरियों के लिए अब अक्सर ऐसी क्षमताओं की जरूरत होती है जो पारंपरिक रूप से सीनियर लेवल की मानी जाती थीं।

एआई से जूनियर लेवल पर हायरिंग कम होगी

पीडब्ल्यूसी के ही सर्वे में पाया गया कि 49% सीईओ को उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में एआई के इस्तेमाल से जूनियर लेवल पर हायरिंग कम होगी, जबकि सीनियर लेवल की नौकरियों के लिए ऐसा सोचने वाले सीईओ सिर्फ 12% हैं। जिन कंपनियों में एआई का इस्तेमाल सबसे अधिक हुआ, उन्होंने 2018 के मुकाबले रोजगार में 52% की बढ़ोतरी की। 27 देशों में एक अरब से अधिक जॉब पोस्टिंग डाटा का विश्लेषण किया गया।

हायर एजुकेशन में भारत की ऊंची उड़ान, पहली बार रिकॉर्ड 4.5 करोड़ दाखिले

भारतीय शिक्षा व्यवस्था और कॉलेज जाने वाले युवाओं के लिए एक बेहद गर्व और उत्साह से भरने वाली खबर सामने आई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण की नई रिपोर्ट जारी कर दी है। इस रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि भारत में कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। देश के इतिहास में पहली बार उच्च शिक्षा में कुल एडमिशन का आंकड़ा रिकॉर्ड 4.5 करोड़ के पार पहुंच गया है, जो यह दर्शाता है कि भारतीय युवाओं में आगे बढ़ने और बड़ी डिग्रियां हासिल करने की ललक लगातार बढ़ रही है।

बेटियों ने रचा इतिहास: लड़कों से आगे निकली भागीदारी

इस बार की एआईएसएचई रिपोर्ट की सबसे खास बात यह है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं यानी बेटियों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी और उनके सकल नामांकन अनुपात (GER) में पुरुषों के मुकाबले ज्यादा तेजी से सुधार हुआ है। उच्च शिक्षा में लड़कियों का GER 31.2 दर्ज किया गया। आज देश के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों से निकलकर बेटियां न सिर्फ कॉलेजों में दाखिला ले रही हैं, बल्कि वे उच्च शिक्षा के हर क्षेत्र में लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। सरकार की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं ने बेटियों के इस सपने को नई उड़ान दी है।

साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स कोर्सेज और तकनीकी शिक्षा का बढ़ा क्रेज

रिपोर्ट में देखा गया है कि साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स यानी साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स के क्षेत्र में दाखिले लेने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या में भारी उछाल आया है। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स कोर्सेज में लड़कियों की रुचि तेजी से बढ़ी है। इन तकनीकी विषयों में छात्रों का कुल नामांकन साल 2014-15 के 91.5 लाख से बढ़कर अब 2023-24 में 1.02 करोड़ के पार पहुंच गया है।इस भारी उछाल के बीच STEM कोर्सेज की पढ़ाई करने में लड़कियों की हिस्सेदारी भी पहले के 38.4% से बढ़कर अब 44% हो चुकी है।

ये आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि देश में तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा के क्षेत्र में बेटियां अब पहले से कहीं अधिक आत्मनिर्भर और आगे हो रही हैं। युवा अब कोडिंग, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोर इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपना करियर तलाश रहे हैं।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों का उच्च शिक्षा में बढ़ा ग्राफ

रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गके छात्रों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए अनुसूचित जाति छात्रों का एनरोलमेंट 69.72 लाख, ST छात्रों का 28.83 लाख और अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों का एनरोलमेंट 1.80 करोड़ दर्ज किया गया। इसके साथ ही, सकल नामांकन अनुपात में भी भारी सुधार हुआ है; साल 2014-15 के मुकाबले अनुसूचित जाति छात्रों का GER 18.9 से बढ़कर 27.8 हो गया है, जबकि अनुसूचित जनजाति छात्रों का GER भी 13.5 से उछलकर 22.8 पर पहुंच गया है। ये मजबूत आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि समाज के हर वर्ग के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच अब पहले के मुकाबले कहीं बेहतर हुई है।

मस्क ने ट्विटर खरीदते ही नौकरी से निकाला

तो पराग अग्रवाल ने खड़ा कर दिया 16,000 करोड़ का एआई का साम्राज्य

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। किसी भी इंसान के लिए बड़ी कंपनी की नौकरी जाना सबसे बड़ा झटका हो सकता है। लेकिन ट्विटर (जो अब एक्स के नाम से जाना जाता है) के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल की कहानी इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि किसी बड़े पद से हटाए जाना करियर का अंत नहीं, बल्कि एक नई और बड़ी शुरुआत हो सकती है।

एलन मस्क ने जब ट्विटर खरीदा था, तब उन्होंने पराग अग्रवाल को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। लेकिन पराग ने इस झटके को हार में बदलने के बजाय अपनी नई ताकत बना लिया। उन्होंने दुनिया के सामने यह साबित कर दिखाया है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो शून्य से भी दोबारा साम्राज्य खड़ा किया जा सकता है। उन्होंने नौकरी ढूंढने के बजाय खुद का रास्ता बनाने का फैसला लिया और एआई की दुनिया में अपना नया सफर शुरू किया।साल 2023 में 'पारलेल वेब सिस्टम्स' नाम से अपना एआई स्टार्टअप शुरू किया। महज दो साल के भीतर आज उनकी एआई कंपनी की वैल्यू करीब 2 अरब डॉलर यानी लगभग 16 हजार करोड रुपये पहुंच चुकी है।पराग अग्रवाल की शुरुआत काफी शानदार रही थी। उन्होंने जेईई में ऑल इंडिया रैंक 77 हासिल की और फिर आईआईटी बॉम्बे से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से पीएचडी पूरी की। अपनी पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट, याहू और एटी एंड टी जैसी बड़ी कंपनियों में रिसर्च का काम किया।

इंजीनियर से ट्विटर के सीईओ तक का सफर

साल 2011 में पराग अग्रवाल ने ट्विटर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम शुरू किया। उस समय कंपनी काफी छोटी थी। अपनी मेहनत और काम के दम पर वह तेजी से आगे बढ़े। साल 2017 में उन्हें सीटीओ बनाया गया। इसके चार साल बाद नवंबर 2021 में वह ट्विटर के सीईओ बने और दुनिया के सबसे युवा टेक सीईओएस में शामिल हो गए।

मस्क ने हटाया, तो शुरू कर दी अपनी एआई कंपनी

हालांकि साल 2022 में एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद सब कुछ बदल गया।अक्टूबर 2022 में मस्क ने ट्विटर का अधिग्रहण पूरा किया और सबसे पहले पराग अग्रवाल समेत कई बड़े अधिकारियों को कंपनी से बाहर कर दिया। इसके बाद पराग ने किसी दूसरी कंपनी में नौकरी करने के बजाय एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सेक्टर में धमाका कर दिया।साल 2023 में पैरेलल वेब सिस्टम्स नाम से अपना एआई स्टार्टअप शुरू किया। यह कंपनी एआई एप्लिकेशन और बड़े कंप्यूटिंग सिस्टम के लिए जरूरी टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रही है।

दो साल में 16,000 करोड रुपये की कंपनी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पैरेलल वेब सिस्टम्स ने बहुत कम समय में निवेशकों का भरोसा जीत लिया। निवेशकों ने उनके स्टार्टअप पर भरोसा जताया और आज यह कंपनी सिलिकॉन वैली के सबसे तेजी से उभरते स्टार्टअप्स में गिनी जाने लगी है। महज दो साल में कंपनी की वैल्यू करीब 2 अरब डॉलर यानी लगभग 16 हजार करोड रुपये पहुंच गई है। पराग अग्रवाल की कहानी बताती है कि एक नौकरी का छूटना आपकी मंजिल तय नहीं करता। आईआईटी से लेकर स्टैनफ़ोर्ड, फिर ट्विटर के सीईओ बनने और उसके बाद अपनी एआई कंपनी खड़ी करने तक का उनका सफर यही दिखाता है कि अगर सीखना और आगे बढ़ना नहीं छोड़ते, तो मुश्किल समय भी नई सफलता की शुरुआत बन सकता है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या उनका एआई स्टार्टअप आने वाले समय में गूगल, मेटा और ओपनएआई जैसी बड़ी कंपनियों को कड़ी टक्कर दे पाएगा।

ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों के पार्ट्स खराब होने का दावा

बढ़ी पार्ट्स की खपत; बंद हो जा रही हैं गाड़ियां

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी में एक माह से वाहनों में खराबी के मामले ज्यादा ही सामने आने लगे हैं। इससे स्पेयर पार्ट्स की खपत में तेजी से वृद्धि हुई है। कार्बोरेटर, वाल्व, फिल्टर और वायरिंग सेट की मांग में 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। स्पेयर पार्ट्स की खपत बढ़ने के कारण डुप्लीकेट सामान का बाजार भी गर्म हो गया है। शनिवार को अलीगंज के पुरनिया और लालबाग के ऑटो मार्केट में खरीदारों की भारी भीड़ देखी गई। इनमें वाहन मालिकों से ज्यादा कारीगर थे, जो मुख्य रूप से बाइक व स्कूटी के कार्बोरेटर, पिस्टन, वाल्व, फिल्टर और वायरिंग सेट की मांग कर रहे थे। कारीगरों ने बताया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण बाइक और स्कूटी में खराबी आ रही है, जिससे प्लास्टिक के उपकरण भी प्रभावित हो रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार, एक महीने में इन स्पेयर पार्ट्स की खपत 50 फीसदी बढ़ गई है।

बीएस-6 वाहनों पर अधिक असर

अलीगंज के स्पेयर पार्ट्स कारोबारी जसपाल सिंह ने बताया कि बीएस-6 दोपहिया वाहन सवारों को सबसे ज्यादा झटका लग रहा है। बीएस-6 के ज्यादातर दोपहिया वाहन इलेक्ट्रॉनिक होने के कारण पेट्रोल में मिलावट से खराब हो रहे हैं। उन्होंने पेट्रोल में एथनॉल के अलावा अन्य पदार्थों की मिलावट की जांच की मांग की।

कंपनी में ही ठीक हो रहे वाहन

कारीगर अनवर ने बताया कि बीएस-6 बाइक और स्कूटी की खराबी सिर्फ कंपनी में ही ठीक हो पा रही है। इससे वाहन मालिकों को अधिक खर्च करना पड़ रहा है। शनिवार को राजधानी में कई लोग अपनी बाइक को धक्का मारकर कारीगर के पास ले जा रहे थे, तो कई स्कूटी में किक मार-मार कर बेहाल थे।

दोपहिया वाहन के स्पेयर पार्ट्स

स्पेयर पार्ट्स कीमत (रुपये में)

कार्बोरेटर	1600-2500
पिस्टन	600-800
वाल्व	350-500
फिल्टर	300-400

पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण की चर्चाएं तेज हैं। हर कोई इससे होने वाले फायदे और नुकसान को लेकर चिंतित है। उधर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विशेषज्ञों का दावा है कि पांच से छह वर्ष पुराने वाहनों के इंजन पर एथेनॉल विपरीत असर डाल रहा है, लेकिन नए इंजन वाली गाड़ियां पूरी ऊर्जा के साथ रफ्तार भर रही हैं और उन पर किसी तरह का खास असर नहीं है। हीवेट पॉलिटेक्निक में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रभारी एमपी सिंह के अनुसार, पुराने इंजनों में सामान्य पेट्रोल की जगह एथेनॉल मिश्रित ईंधन का इस्तेमाल इंजन के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा रहा है। पुराने इंजन, खासकर बीएस-4, 100 प्रतिशत पेट्रोलियम आधारित ईंधन के लिए डिजाइन किए गए हैं। इससे इंजन के कई पार्ट्स प्रभावित हो रहे हैं। इसके मुख्य लक्षण और नुकसान में रबर और प्लास्टिक के हिस्सों का गलना। हाइड्रोस्कोपिक प्रकृति की वजह से नमी को सोखना और पानी का टंकी के निचले हिस्से में बैठना, जिससे जंग लगने का खतरा अधिक रहता है।फ्यूल टैंक, कार्बोरेटर के अंदरूनी हिस्सों और धातुओं में जंग लगना। इंजन का अत्यधिक गर्म होना और माइलेज कम देना है। हालांकि, बीएस-5 और उसके बाद वाले इंजन पर एथेनॉल मिश्रित ईंधन खास असर नहीं डाल रहा है। इसमें उन्नत ईसीयू और सेंसर्स, बेहतर फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम होने से इंजन के परफॉरमेंस पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता, नए इंजनों के वाल्व और वाल्व सीट्स अधिक मजबूत होने की वजह से धातुओं में जंग नहीं लग रही है।

सिंगूर में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव

सीएम शुभेंदु खुद मामले को देख रहे; ममता के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

कोलकाता, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है।राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है, लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं। 75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं।जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिंद्य दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिंद्य को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री लग गई होती तो उन्हें रोज शहर जाकर नौकरी नहीं करनी पड़ती। उनके पिता ने भी जमीन दी थी, लेकिन आज वह जमीन भी खेती के योग्य नहीं बची है। खासेरभेड़ी गांव के स्वरूप दास ने भी दो बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। वे बताते हैं कि मुआवजा मिलने के बाद वे दुबई चले गए थे, जबकि उनके दोनों भाइयों का चयन टाटा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रशिक्षण के लिए किया था। उत्तराखंड में ट्रेनिंग शुरू हो चुकी थी और नौकरी की उम्मीद भी थी, लेकिन परियोजना बंद होने के साथ सारे सपने टूट गए। उनका कहना है कि यदि आज टाटा या कोई दूसरी बड़ी कंपनी आती है तो वे फिर जमीन देने के लिए तैयार हैं।भूमि अधिग्रहण के समर्थन में बनी सिंगूर शिल्प विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. उदयन दास का कहना है कि वर्ष 2006 के बाद से जमीन की कीमतों में लगभग 15 गुना वृद्धि हो चुकी है। उनके मुताबिक सड़क किनारे की जमीन, जिसकी कीमत उस समय करीब तीन लाख रुपये प्रति बीघा थी, अब एक करोड़ रुपये प्रति बीघा तक पहुंच गई है।

किराने से लेकर कपड़ों तक, अब हर खरीदारी का हिसाब रखेगी सरकार!

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। देश में लोग किस सामान पर सबसे ज्यादा खर्च करते हैं, कौन-सी चीजें सबसे अधिक खरीदी जाती हैं और अलग-अलग राज्यों में उपभोक्ताओं की खरीदारी की आदतें कैसी हैं, इसका सटीक रिकॉर्ड अब सरकार के पास हो सकता है. केंद्र सरकार देश का पहला रिटेल कंजम्प्शन सर्वे शुरू करने पर विचार कर रही है. इस सर्वे का मकसद देशभर में उपभोक्ताओं के खरीदारी के पैटर्न को समझना और रिटेल बाजार से जुड़ा विस्तृत डेटा जुटाना है. जानकारी के मुताबिक, इस सर्वे को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय कराएगा. हालांकि, इसे कब शुरू किया जाएगा, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है. मंत्रालय फिलहाल इसके दायरे और समय-सीमा पर काम कर रहा है.

हर तरह की दुकानों को किया जाएगा शामिल

प्रस्तावित सर्वे में नेशनल इंडसट्रियल क्लासिफिकेशन के तहत आने वाले लगभग सभी

तरह के रिटेल कारोबार शामिल होंगे. यानी किराना स्टोर, सुपरमार्केट, बर्तन की दुकान, मशीनरी स्टोर, मेडिकल स्टोर, कपड़ों की दुकान, इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम और अन्य खुदरा कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों का डेटा जुटाया जाएगा. इस सर्वे में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं जैसे टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के साथ-साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, दवाइयां और कपड़ों की बिक्री का भी रिकॉर्ड रखा जाएगा. सरकार का उद्देश्य यह जानना है कि अलग-अलग राज्यों और शहरों में किस तरह की वस्तुओं की मांग सबसे ज्यादा है.

मौजूदा सर्वे से कैसे होगा अलग?

यह नया सर्वे मौजूदा हाउसहोल्ड कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर सर्वे से अलग होगा. एचसीईएस में यह देखा जाता है कि किसी परिवार ने एक निश्चित अवधि में कितना सामान इस्तेमाल किया. जबकि रिटेल कंजम्प्शन सर्वे इस बात का रिकॉर्ड रखेगा कि दुकानों से वास्तव में कितना सामान खरीदा गया.मान लीजिए किसी परिवार ने एक किलो चावल खरीदा, लेकिन महीने भर में केवल 500 ग्राम ही इस्तेमाल किया. एचसीईएस में 500 ग्राम की खपत दर्ज होगी, जबकि नए रिटेल सर्वे में दुकानदार द्वारा बेचा गया पूरा एक किलो चावल रिकॉर्ड किया जाएगा. इससे बाजार में वास्तविक मांग और बिक्री का ज्यादा सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा.

डिजिटल भुगतान के आंकड़े दे रहे मजबूत संकेत

देश में डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल से भी उपभोक्ता खर्च का रुझान साफ दिखाई देता है. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में किराना स्टोर और सुपरमार्केट में करीब 79,705 करोड़ रुपये के डिजिटल लेनदेन हुए.इसी अवधि में मेडिकल स्टोर और फार्मेसी में 12,428.8 करोड़ रुपये, पुरुष और महिलाओं के कपड़ों की दुकानों में 11,792.9 करोड़ रुपये, जबकि फैमिली क्लोदिंग स्टोर में 7,059.8 करोड़ रुपये के डिजिटल ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए. ये आंकड़े बताते हैं कि देश में खुदरा बाजार में उपभोक्ता खर्च लगातार मजबूत बना हुआ है.

नीति बनाने में मिलेगी मदद

विशेषज्ञों का मानना है कि इस सर्वे से सरकार को उपभोक्ता मांग, महंगाई, उत्पादन और सप्लाई चेन से जुड़े फैसले लेने में काफी मदद मिलेगी. साथ ही, उद्योग जगत और कारोबारियों को भी यह समझने में आसानी होगी कि किन उत्पादों की मांग बढ़ रही है और किन क्षेत्रों में कारोबार के नए अवसर मौजूद हैं.

सस्ती एयरलाइन के विमान में बड़ा हादसा, उड़ते ही टूटी खिड़की

आधा बाहर लटक गया यात्री, ऐसे बची जान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोप की बेहद सस्ती एयरलाइन रयानएयर के एक विमान में बहुत ही डरावना हादसा हुआ। ग्रीस में कंपनी के एक बोइंग 737 विमान ने जैसे ही उड़ान भरी, उसकी एक खिड़की अचानक टूटकर अलग हो गई। हवा के भारी दबाव के कारण पास बैठे एक यात्री का आधा शरीर विमान से बाहर निकल गया। इस इमरजेंसी के बाद पायलट ने तुरंत समझदारी दिखाई और विमान को वापस सुरक्षित जमीन पर उतार लिया। यह प्लेन ग्रीस से जर्मनी जा रहा था। रयानएयर कंपनी ने माना है कि हवा में खिड़की उखड़ने की वजह से ही विमान को वापस ग्रीस के एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। इस कंपनी के विमान के साथ पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। इस कंपनी का किराया भारतीय एयरलाइंस के मुकाबले काफी कम है। ऐसे में

आयरिश कंपनी रयानएयर पर सेफ्टी को लेकर सवाल उठते रहते हैं।

कैसे हुआ यह हादसा?

स्थानीय मीडिया के अनुसार, विमान के उड़ते ही उसके इंजन का एक हिस्सा टूट गया और सीधे जाकर खिड़की पर लगा, जिससे खिड़की चकनाचूर हो गई। खिड़की टूटने से केबिन के अंदर की हवा तेजी से बाहर निकलने लगी, जिससे यात्री भी बाहर की तरफ खिंचने लगा। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में भी विमान के इंजन के ब्लेड टूटे हुए दिखाई दे रहे हैं।

विमान को लेकर दो बड़े खुलासे

रिकॉर्ड से पता चला है कि इस विमान में एक दिन पहले (गुरुवार को) भी कोई तकनीकी खराबी आई थी, जिसके कारण इसे बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा था। यह विमान बोइंग 737 एनजी मॉडल है जो काफी पुराना है।

बेहद सस्ता है किराया

रयानएयर एयरलाइन यूरोप की सबसे सस्ती एयरलाइंस में एक है। इसे अल्ट्रा लो कॉस्ट एयरलाइन भी कहा जाता है। यह एयरलाइन यात्रियों से बोर्डिंग पास और चेक-इन का भी पैसा लेती है। यात्री अपने साथ सिर्फ एक छोटा अंडर-सीट बैग ही ले जा सकते हैं। इससे ज्यादा सामान के लिए अतिरिक्त पैसा देना होता है।

दिल्ली से मुंबई जितनी करीब 1200 किमी की यात्रा के लिए रयानएयर एयरलाइन की फ्लाइट का किराया 10 से 30 यूरो (करीब 1100 रुपये से 3300 रुपये) के बीच होता है।

पीएफ ट्रस्ट चलाने वाली कंपनियों के लिए खुशखबरी!

ईपीएफओ देगा नियमों में बड़ी छूट

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने रविवार को कहा कि एक्जेम्प्टेड (छूट प्राप्त) प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट चलाने वाले संस्थानों को एमनेस्टी स्कीम 2026 के तहत अपनी कानूनी स्थिति नियमित (रेगुलराइज) कराने का मौका दिया जा रहा है. यह सुविधा 29 जून 2026 से शुरू होकर अगले कुछ महीनों तक उपलब्ध रहेगी. यह योजना उन संस्थानों पर लागू होगी, जो आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त पीएफ ट्रस्ट चला रहे हैं, लेकिन उनके पास केंद्र सरकार या राज्य सरकार (जैसा लागू हो) की ओर से जारी औपचारिक छूट की अधिसूचना नहीं है. जो संस्थान अपने पीएफ ट्रस्ट को पिछली तारीख (रेट्रोस्पेक्टिव) से नियमित कराना चाहते हैं और जिन्होंने पहले ही बिना छूट वाले संस्थान के रूप में नियमों का पालन शुरू कर दिया है या आगे ऐसा करने का विकल्प चुना है, वे भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे. इसके अलावा, जो संस्थान सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत आगे भी छूट प्राप्त संस्थान के रूप में काम करना चाहते हैं, वे भी एमनेस्टी स्कीम के तहत अपने ट्रस्ट को पिछली तारीख से नियमित कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं.

ईपीएफओ ने कहा कि एमनेस्टी स्कीम 2026 एक वन-टाइम (एक बार का) अवसर है. इसके जरिए आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट चलाने वाले संस्थान अपनी कानूनी स्थिति को नियमित करा सकेंगे.ईपीएफओ के अनुसार, आयकर अधिनियम, 2025 के तहत मान्यता केवल उन्हीं प्रोविडेंट फंड को मिलेगी, जिन्हें कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध उपबंध अधिनियम, 1952 की धारा 17 के तहत छूट मिली होगी. एमनेस्टी स्कीम के तहत ऐसे संस्थानों को धारा 17 और सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 143 के तहत पिछली तारीख से छूट का लाभ दिया जाएगा.जो संस्थान इस योजना के तहत अपनी स्थिति नियमित कराएंगे, उन्हें सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत न्यूनतम कर्मचारियों की संख्या और ट्रस्ट के न्यूनतम कॉर्पस (फंड) से जुड़ी शर्तों में छूट मिलेगी.

एक लाख रुपये लगाने वाले बने करोड़पति, 13,283% की बढ़ोतरी से निवेशक हुए मालामाल

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। स्टीलको गुजरात पिछले कुछ साल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला शेयर बनकर उभरा है. दरअसल, यह शेयर 2021 में 1.33 रुपये पर ट्रेड किया था. जहां से इस शेयर ने मात्र 5 साल में ही 13,283.46% की वृद्धि दर्ज की है. आसान शब्दों में इसका मतलब ये है कि अगर किसी ने इस शेयर में 1.33 के भाव पर एक लाख रुपये निवेश किए होते, तो अब तक के उच्चतम स्तर 178 के भाव के हिसाब से निवेश किए गए पैसों की कुल कीमत बढ़कर लगभग 1

करोड़ 33 लाख 83 हजार रुपये हो गई होती. यानी इस शेयर ने अप्रैल 2021 में 1.33 का निचला स्तर छुआ था. वहीं, यह शेयर 8 जून 2026 को 178 के उच्चतम स्तर ट्रेड किया था. खास बात ये है कि यह शेयर लगातार अपर सर्किट लगाते हुए अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा, जिससे आम निवेशकों को इस शेयर में बढ़त के दौरान पैसे लगाने और कमाने का मौका बहुत ही कम मिला. हालांकि, इस शेयर की कीमत में ऊपरी स्तर से मुनाफा वसूली की वजह से गिरावट देखी जा रही है. शेयर 178 रुपये के अपने उच्चतम स्तर से फिसलकर फिलहाल, 144 रुपये पर ट्रेड कर रहा है. इस गिरावट की सबसे खराब बात ये है कि बढ़त की तरह गिरावट भी लोअर सर्किट के साथ आ रही है. ऐसे में जो निवेशक शेयर बेचकर मुनाफा वसूलना चाहते हैं, उन्होंने भी मुनाफा वसूलने का मौका नहीं मिल रहा है. दरअसल, असर सर्किट में अक्सर शेयर सुबह खुलते के साथ ही उस स्तर पर पहुंच जाता है, जहां से ट्रेड रोक दी जाती है. उसी तरह लोअर सर्किट लगने पर सुबह खुलते ही शेयर उस स्तर पर पहुंच जाता है, जिसके नीचे शेयर बेचने की इजाजत नहीं होती है. स्टीलको गुजरात के शेयर ने पिछले एक साल में 1,085.33 प्रतिशत का रिटर्न दिया.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-52
सूर्यास्त. 18 -50
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - आषाढ़ सोमवार कृष्ण पक्ष 13 July 2026
तिथि - चतुर्दशी 18-49 तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - आर्द्रा 02-51 रात्रि तक उप पुनर्वसु
योग - धुव्र 16-00 तक उप व्याघात
करण - विष्टी(भद्रा) 08-40 तक उप शकुनि

विशेष: भद्राकाल 08-40 तक

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन----	03-56 बजे
चंद्र	मिथुन	मे	कर्क----	06-08 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह----	08-21 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या----	10-28 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला----	12-33 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक----	14-42 बजे
शनि	मीन	मे	धनु----	16-56 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर----	19-02 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ----	20-53 बजे
			मीन----	22-32 बजे
			मेष----	00-08 बजे
			वृष----	01-52 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-28 से 09-06 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05-52 - 07-28	शुभ	चंचल	18-50 - 20-16	शुभ
काल	07-28 - 09-06	अशुभ	रोग	20-16 - 21-38	अशुभ
शुभ	09-06 - 10-44	शुभ	काल	21-38 - 22-59	अशुभ
रोग	10-44 - 12-22	अशुभ	लाभ	22-59 - 00-22	शुभ
उत्पात	12-22 - 13-59	अशुभ	उत्पात	00-22 - 01-44	अशुभ
चंचल	13-59 - 15-38	शुभ	शुभ	01-44 - 03-06	शुभ
लाभ	15-38 - 17-15	शुभ	अमृत	03-06 - 04-29	शुभ
अमृत	17-15 - 18-50	शुभ	चंचल	04-29 - 05-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप आत्मविश्वास से भरपूर हैं और सहजता से दूसरों को प्रेरित करते हैं, जिससे उदाहरण बनकर नेतृत्व करना आसान हो जाता है। प्रेरणा का एक उभार आपको साहसिक योजनाएँ शुरू करने या लंबित कार्यों को नए सिरे से करने के लिए प्रेरित करता है। आपकी गतिशील उपस्थिति समर्थन आकर्षित करती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको अपने कार्य संबंधों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। फिर भी, आपका दृढ़ संकल्प आपको मजबूत और केंद्रित रहने में मदद करता है। सहानुभूति आपके कार्यों का मार्गदर्शन करती है, और निरंतर प्रयास परिणाम लाता है। सावधानीपूर्वक योजना बनाना और धैर्य रखना आपको पढ़ाई और करियर दोनों में आगे बढ़ने में मदद करेगा, भले ही गति धीमी लगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप अपने काम या पढ़ाई में रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरपूर हैं। रिश्ते सामंजस्यपूर्ण हैं, हालांकि मजबूत भावनाएं बड़े बदलावों को प्रेरित कर सकती हैं। निपुण महिलाओं से मार्गदर्शन महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। विकास के अवसरों की खोज करते समय संतुलित रहें। महत्वपूर्ण उन्नति की ओर ले जाने वाले परिवर्तनों को संभालने के लिए शांत निर्णय का उपयोग करें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपकी नेतृत्व क्षमता दूसरों को आपकी आत्मविश्वास भरी ऊर्जा की ओर आकर्षित करती है। उत्साह पढ़ाई पर आपका ध्यान केंद्रित करता है, जबकि गहरा दृढ़ संकल्प आपको अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रखता है। जुनून आपके काम में तीव्रता लाता है, और नवाचार साहसिक उपलब्धियों की ओर ले जाता है। बस आवेगपूर्ण क्षणों के प्रति सचेत रहें, और आपकी ईमानदारी सम्मान अर्जित करेगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके करियर को आत्मविश्वास और दयालुता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप दूसरों की ज़रूरतों के प्रति जागरूक रहते हुए दैनिक कार्यों में सबसे आगे रहते हैं। सहायक व्यक्ति, विशेष रूप से महिलाएँ, आज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। विचारशील संचार सहकर्मियों के साथ मजबूत, स्थायी बंधन बनाने में मदद करता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका सहज ज्ञान काम पर चमकता है। आपकी बेहतरीन रचनात्मकता आपको दूसरों से अलग बनाएगी। अपनी सोच और भावना को एक समान रखें और इससे आप जानकारी को प्रभावी ढंग से आत्मसात कर पाएंगे। आप उदासी का अनुभव कर सकते हैं, जिससे आपको अपनी मानसिक ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत होगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका करियर और पढ़ाई बोल्ड रचनात्मकता और सहज ज्ञान से भरपूर होगी। आप आकर्षण और विचारशील संचार के माध्यम से ध्यान आकर्षित करेंगे। जुनून आपकी प्रेरणा को बढ़ा सकता है, जिससे आप समूह सेटिंग में अधिक गतिशील बन सकते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव के प्रति सचेत रहें, लेकिन उन गर्मजोशी भरे संबंधों को अपनाएँ जो आपको काम और सीखने दोनों में आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका करियर पथ आत्मनिरीक्षण को आमंत्रित करता है क्योंकि आप महत्वाकांक्षा और भावनात्मक स्पष्टता के बीच संतुलन बनाते हैं। आपको ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जो आपके आत्मविश्वास की परीक्षा लेंगी और आपको अपने लक्ष्यों की गहरी समझ विकसित करने में मदद करेंगी। नए विचार सामने आ सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके करियर और पढ़ाई को सकारात्मक ऊर्जा और नए अवसरों का समर्थन प्राप्त है। अंतर्ज्ञान आपको दूसरों के साथ अच्छी तरह से जुड़ने में मदद करता है, खासकर उन लोगों के साथ जो सफलता के लिए प्रेरित करते हैं। आत्मविश्वास और रचनात्मकता आपके काम का मार्गदर्शन करती है,

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

राम मंदिर के बाद अब राजस्थान के बुटाटी धाम में महाघोटाला!

22 करोड़ के गबन पर एसडीएम की रिपोर्ट ने उड़ाए सबके होश

नागौर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जब धर्म और आस्था की बात आती है तो भारत की बड़ी आबादी आंख मूंद कर भरोसा कर लेती है। आस्था के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए दान कर दिए जातें हैं। श्रद्धालु और भामाशाह यह जानने की कोशिश भी नहीं करते कि उनकी ओर से दान किए गए रुपयों का दुरुपयोग हो रहा है या नहीं। इसी का फायदा उठाते हुए कई कथित पुजारी, संत और मंदिर समिति के पदाधिकारी करोड़ों रुपए का गबन कर जाते हैं। हाल ही में अयोध्या के भगवान श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी का बड़ा प्रकरण सामने आया जहां समिति के सदस्य ही चोरी करते पाए गए। अब राजस्थान के एक प्रसिद्ध मंदिर में भी करोड़ों रुपए का गबन सामने आया है।

राजस्थान के नागौर जिले में चतुरदास जी महाराज का प्रसिद्ध धाम है। यह धाम बुटाटी में है। मंदिर के विकास और रखरखाव के लिए समिति बनी हुई है। समिति के पदाधिकारियों पर अब करोड़ों रुपए के गबन के आरोप लगे हैं। ना केवल आरोप बल्कि

नागौर बुटाटी धाम घोटाला

उपखंड अधिकारी की जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि मंदिर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बुटाटी और अन्य सदस्यों ने मिलकर करीब 22 करोड़ रुपए का गबन किया है। समिति पर पिछले एक साल से गंभीर आरोप लग रहे थे। इसके बाद तत्कालीन जिला कलेक्टर अरुण पुरोहित ने डेगाना एसडीएम मोहन चौधरी के नेतृत्व में जांच कमेटी का गठन किया। जांच कमेटी ने जिला कलेक्टर को अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें करीब 22 करोड़ रुपए के गबन के प्रमाण प्रस्तुत किए गए हैं। श्री चतुरदास जी मंदिर बुटाटी की समिति ने पिछले ढाई तीन साल से चढ़ावे और खर्च का लेखा जोखा पेश करना बंद कर दिया। हालांकि समिति के पदाधिकारी कहते हैं कि उनके पास पूरा लेखा जोखा है लेकिन एसडीएम की जांच रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर समिति ने भारी वित्तीय गड़बड़ियां की है। चढ़ावे में आए रुपयों का पूरा हिसाब नहीं रखा गया। सोने चांदी के आभूषण जो कि दान किए गए थे। उनका कोई हिसाब नहीं रखा गया। बड़े-बड़े भामाशाहों ने लाखों रुपए दान करके जो विकास कार्य अपने पैसों से कराए, उसे समिति ने अपना खर्चा बताते हुए बड़ा गबन कर दिया।

एसडीएम की जांच रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर की नई समिति ने सोने चांदी के चढ़ावे का बड़ा गबन किया। पुरानी समिति के पास 36 किलो चांदी और 250 ग्राम सोना था। नई समिति ने कार्यभार ग्रहण करते समय 35.5 किलो चांदी और 280 ग्राम सोना बताया। वर्तमान में मंदिर समिति के अधीन कुल 2.60 करोड़ मूल्य की संपत्ति है, लेकिन इसका कोई लेखा जोखा दर्ज नहीं है।

समिति ने ग्राम विकास कार्यों में भारी फर्जीवाड़ा किया। बुटाटी गांव के विकास के लिए 31 लाख 37 हजार रुपए खर्च करना बताया लेकिन किन ठेकेदारों से कार्य करवाया। इसका रिकॉर्ड नहीं दिया। खर्च के जो बिल समिति की ओर से पेश किए गए, उनकी सत्यता का कोई प्रमाण नहीं है क्योंकि ठेकेदारों और मजदूरों का कोई भौतिक प्रमाण नहीं है।

मंदिर की दान पेटियों और बैंक खातों में भारी अनियमितताएं मिली है। दोनों में लाखों रुपए का अंतर पाया गया है। ग्राम सेवा सहकारी बैंक के खाते में करीब साढ़े तीन लाख रुपए और ग्रामीण बैंक खाते में करीब पौने दो लाख रुपए का अंतर पाया गया। जिससे यह साबित होता है कि चढ़ावे में लाखों रुपए का गबन किया गया है।

मंदिर समिति ने भोजनशाला निर्माण के नाम पर भी 49.49 लाख रुपए का गबन कर दिया। भोजनशाला का निर्माण एक भामाशाह के द्वारा कराया गया था लेकिन समिति ने अपना खर्च बताते हुए फर्जी बिल पेश करके मंदिर समिति के रुपए निकाल लिए। समिति ने सीसीटीवी लगाने के नाम भी लाखों रुपए डकार लिए। सीसीटीवी लगाने के लिए कोई टेंडर जारी नहीं किया। एम जंक्शन सर्विसेज के नाम से 58.14 लाख रुपए का भुगतान होना दर्ज किया गया। वाउचर रानाबाई ट्रेडर्स के नाम से मिले। जांच कमेटी ने इसे भी बड़ा घोटाला होना माना है।

गोशाला के रखरखाव और सुलभ कॉम्पलेक्स से प्राप्त किराए की राशि में भी लाखों रुपए का गबन किया गया। मंदिर समिति ने गौशाला के रखरखाव के नाम पर 17.87 लाख रुपए का खर्च दिखाया और सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर भी 31.33 लाख रुपए का खर्च बताया जबकि खर्च के कोई प्रमाण सामने नहीं आए।

'मलक्ष्मणगढ़ में 50 प्रतिशत शिक्षक पद 'जानबूझकर' रखे खाली', मंत्री दिलावर पर डोटासरा के आरोप

मदन दिलावार बनाम गोविंद सिंह डोटासरा

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत और सरकारी शिक्षा व्यवस्था को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने भजनलाल सरकार के शिक्षा मंत्री पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। डोटासरा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए आरोप लगाया है कि राजस्थान के वर्तमान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कथित एजेंडे को पूरी निष्ठा से लागू करने में जुटे हैं, जिसके तहत राज्य की सरकारी शिक्षा व्यवस्था को लगातार कमजोर करने वाले फैसले बैक-टू-बैक लिए जा रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब और सामान्य वर्ग के बच्चों के भविष्य को पूरी तरह से अंधकार में धकेला जा रहा है और हाल ही में हुई बड़ी स्थानांतरण प्रक्रिया के बाद ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के पद बड़े पैमाने पर खाली हो गए हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह बाधित हो गई है।

अपने खुद के निर्वाचन क्षेत्र का हवाला देते हुए गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि हाल ही में हुई बड़े पैमाने पर शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया के बाद उनके विधानसभा क्षेत्र की स्थिति बेहद भयावह और चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। क्षेत्र के लगभग हर सरकारी उच्च माध्यमिक और माध्यमिक विद्यालय में व्याख्याता, प्रधानाचार्य और प्रमुख विषय अध्यापकों के पद पूरी तरह से खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों का विश्लेषण किया जाए, तो लगभग 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद पूरी तरह से रिक्त हो चुके हैं। डोटासरा ने सवाल उठाया कि जब स्कूलों में आधे शिक्षक ही नहीं होंगे, तो बोर्ड परीक्षाओं के इस दौर में बच्चों का कोर्स कैसे पूरा होगा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे मिल पाएगी? डोटासरा ने सरकार की मंशा पर सीधा संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा पूरी तरह से प्रतीत होता है कि इस बड़ी स्थानांतरण प्रक्रिया के माध्यम से अनेक विद्यालयों को जानबूझकर शिक्षकों से पूरी तरह खाली कर दिया गया है।

उन्होंने इसके पीछे का गणित समझाते हुए कहा कि यदि किसी स्कूल में विषय अध्यापक और प्रिंसिपल ही नहीं होंगे, तो स्वाभाविक रूप से वहां पढ़ने वाले बच्चों की संख्या धीरे-धीरे कम होने लगेगी। जब बच्चों का नामांकन घट जाएगा, तो सरकार भविष्य में छात्र संख्या कम होने का बहाना बनाकर इन्हीं सरकारी विद्यालयों को हमेशा के लिए बंद करने या उन्हें मर्ज करने का एक मजबूत प्रशासनिक आधार तैयार कर लेगी। उन्होंने इसे सरकारी शिक्षा ढांचे को जमीनी स्तर पर ध्वस्त करने की एक सोची-समझी रणनीति करार दिया। पूर्व शिक्षा मंत्री और वर्तमान पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय शुरू किए गए महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों को वर्तमान सरकार द्वारा धीरे-धीरे बंद या कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे बिना किसी भारी फीस के अच्छी और आधुनिक अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को संवारने का सपना देख रहे थे। लेकिन अब सरकार के नए फैसलों के कारण इन बच्चों के सामने पढ़ाई का एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

'मंत्री किरोड़ी को नहीं है भजनलाल सरकार पर विश्वास', टीकाराम जूली ने साधा निशाना

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में पेपर लीक का मामला एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी सुरेश ढांका के पूरे नेटवर्क की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। पेपर लीक मामले को लेकर राजस्थान सरकार के मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के पत्र पर राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा, किरोड़ी लाल मीणा का यह पत्र दिखाता है कि वे सरकार की जांच से कहीं न कहीं संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने सरकार की जांच पर सवाल उठाए हैं और सुझाव दिया है कि इस जांच के अलावा, मामले की जांच के लिए एक अलग कमेटी बनाई जानी चाहिए। इसका मतलब है कि उन्हें अपनी ही सरकार की जांच पर

किरोड़ी लाल मीणा, टीकाराम जूली

भरोसा नहीं है, और यह एक बड़ा मुद्दा है। राजस्थान में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी सुरेश ढांका के पूरे नेटवर्क की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। इस लेटर में कृषि मंत्री मीणा ने फुलेरा विधानसभा से आरएलपी और पूर्व कांग्रेस नेता स्पर्धा चौधरी और कांग्रेस नेता और सीनियर एडवोकेट सलमान खुर्शीद का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई 2023 को राजस्थान हाईकोर्ट में सुरेश ढांका की पैरवी के लिए सलमान खुर्शीद उपस्थित हुए थे। यह व्यवस्था स्पर्धा चौधरी ने की थी।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा कहा कि फरार चल रहे सुरेश ढाका के पिता को करीब 20 करोड़ रुपए की बजरी खनन लीज आवंटित की गई। किरोड़ी लाल मीणा ने मांग की है कि सुरेश ढांका, उसके परिवार, सहयोगियों और आर्थिक नेटवर्क की जांच एसआईटी या किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए।

एनीकट में डूबने से 3 सगे भाई-बहनों समेत 4 बच्चों की मौत

डूंगरपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के आदिवासी बहुल सरहदी जिले डूंगरपुर के चौरासी विधानसभा क्षेत्र से एक बेहद हृदयविदारक और झकझोर देने वाली बड़ी खबर सामने आ रही है। जिले के धंबोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लिखी बड़ी गांव में स्थित एक स्थानीय एनीकट में नहाने गए 6 बच्चों में से 4 बच्चों की पानी में डूबने के कारण दर्दनाक मौत हो गई है। मरने वाले 4 मासूम बच्चों में से 3 बच्चे एक ही परिवार के सगे भाई-बहन बताए जा रहे हैं, जिससे पीड़ित परिवार और पूरे गांव पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े और उन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर 2 बच्चों को समय रहते पानी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे उनकी जान बच गई।

वागड़ अंचल के इस शांत गांव में एक साथ 4 मासूमों की मौत की खबर फैलते ही पूरे इलाके में कोहराम मच गया और देखते ही देखते एनीकट के किनारे सैकड़ों ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस भीषण हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन व पुलिस की टीमें राहत कार्य के लिए मौके पर पहुंच चुकी हैं। पुलिस थाना धंबोला के अनुसार लिखी बड़ी गांव में सुबह 6 बच्चे एनीकट में नहाने गए थे, जहां पर नहाते समय इशिता बाबू डामोर, प्रतीक पुत्र बाबू डामोर, हिना पुत्री बाबूलाल डामोर, निवासी लिखी बड़ी और उनके घर पर आये हुये मेहमानों के बच्चे रोनक पुत्री गौतम परमार निवासी पालनपुर, गुजरात की डूब जाने से मृत्यु हो गई। अन्य दो बच्चे राजवीर पिता कोहराम सिंह उम्र 15 साल निवासी पालनपुर, गुजरात और जयसिंह पिता सुरेश सिंह डामोर उम्र 11 साल निवासी मेहसाणा, गुजरात को बचा लिया गया है । मृतकों के शव CHC सीमलवाड़ा में रखे गए हैं। मौके पर पुलिस जाब्ता मौजूद है । मृतकों की उम्र 15 से 22 साल के बीच है।

स्थानीय सूत्रों से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, लिखी बड़ी गांव के रहने वाले यह सभी बच्चे दोपहर के समय गांव के पास बने एनीकट के पास खेलने गए थे। क्षेत्र में चल रही तेज उमस और गर्मी से राहत पाने के लिए बच्चों ने एनीकट के जमा पानी में नहाने का फैसला किया। नहाते-नहाते बच्चे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाए और 1-1 कर गहरे पानी की चपेट में आने लगे। बच्चों को डूबता देख किनारे खड़े अन्य बच्चों ने चीख-पुकार मचानी शुरू की। बच्चों के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनकर पास के खेतों में कृषि कार्य कर रहे ग्रामीण बिना एक पल गंवाए एनीकट की तरफ भागे। ग्रामीणों ने तुरंत पानी में छलांग लगाई और गहरे दलदल में फंस रहे 2 बच्चों को समय रहते सूझबूझ से बाहर खींच लिया।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि 5 मिनट की भी देरी और हो जाती, तो अन्य 2 बच्चों को भी बचाना नामुमकिन हो जाता। बचाए गए दोनों बच्चों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया, जिससे उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

राजकुमार रोत स्विट्जरलैंड में भारत के आदिवासियों की उठाएंगे आवाज

बांसवाड़ा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत वैश्विक मंच पर देश के करोड़ों आदिवासियों की आवाज बनने जा रहे हैं। सांसद राजकुमार रोत संयुक्त राष्ट्र के एक बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक मंच पर भारत के आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह कार्यक्रम स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आयोजित होने जा रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए वे पूरी तरह तैयार हैं। सांसद राजकुमार रोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी देशवासियों के साथ साझा की है। उन्होंने लिखा- आप सभी के विश्वास और सहयोग से मुझे संयुक्त राष्ट्र के आदिवासी अधिकारों पर 13 जुलाई से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले विशेष मंच ईएमआरआईपी के 19वें सत्र, जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में भारत के आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

'सरकार ने खोल दिया है तबादला उद्योग'

भजनलाल सरकार पर बरसे प्रताप सिंह खाचरियावास

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा, राजस्थान सरकार ने तबादला उद्योग खोल दिया। चारों तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। पैसे के आधार पर सरकार ने बड़े पैमाने पर तबादले कर दिए हैं। बिना पैसे के कोई तबादला नहीं हो रहा। भाजपा कार्यकर्ता मंत्री, एमएलए के पास जा रहा है पर उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कर्मचारी रो रहे हैं। भाजपा के जिन कार्यकर्ताओं ने राजस्थान में भाजपा की सरकार बनाई, आज वो रो रहे हैं। इन्हीं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के घर-घर जाकर इनके लिए वोट मांगे थे। प्रचार किया था। झूठी-झूठी बयानबाजी की कि यहां मस्जिद बन जाएगी। सनातन को बचाओ। अपनी बेटे-बेटियों को बचाओ।

प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा कार्यकर्ताओं को आइना दिखाते हुए कहा बोलो- झूठ। अब रामजी का हो गया चमत्कार। इन्हीं कार्यकर्ताओं को मंत्री और एमएलए घुसने नहीं दे रहे हैं। सब से अधिक नुकसान इन्हीं भाजपा कार्यकर्ताओं को हो रहा है। खाचरियावास ने खुलासा करते हुए कहा किसी भी विभाग में बिना पैसे के कोई भी ट्रांसफर नहीं हो रहा है।

पंचायत चुनाव: 'ओबीसी आंकड़े आने के एक सप्ताह में ले लेंगे फैसला'

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बताया पंचायत चुनाव का 'रोडमैप'

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले काफी समय से लंबित चल रहे स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों को लेकर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन चुनावों में हो रही देरी और अन्य प्रशासनिक मुद्दों को लेकर राजस्थान सरकार के मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया है। मंत्री खर्रा ने स्पष्ट किया है कि पिछड़ा वर्ग को स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों में उचित राजनीतिक आरक्षण देने के संबंध में राज्य सरकार पूरी तरह से गंभीर है, लेकिन इस प्रक्रिया में आ रही कानूनी और तकनीकी अड़चनों के कारण निर्वाचन आयोग अभी तक चुनावी कार्यक्रम जारी करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ पाया है।

सुप्रीम कोर्ट के पुराने दिशा-निर्देशों और कानूनी बाध्यताओं का हवाला देते हुए मंत्री ने बताया कि पिछड़ा वर्ग आयोग की तरफ से सटीक और सत्यापित डेटा मिलने में हो रही देरी के कारण ही इस पूरे मामले का स्थायी निदान अभी तक नहीं निकाला जा सका है। प्रदेश के लाखों मतदाताओं और भावी

जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सरकार इस मामले को और अधिक लटकाना नहीं चाहती है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग पूरी गंभीरता दिखाते हुए जितनी जल्दी हो सकेगा, ओबीसी आबादी के सभी सटीक और सत्यापित आंकड़े राज्य सरकार को सौंप देगा। राजस्थान में लोकसभा सीटें बढ़ने की सुगबुगाहट, हनुमान बेनीवाल और दुष्यंत सिंह की सीटों में फेरबदल संभव, सचिन पायलट के भी खुलेंगे रास्ते! मंत्री ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि जैसे ही यह डेटा सचिवालय को प्राप्त होगा ।

फिल्मी अंदाज में 'डोडा किंग' को दबोचा

कोटा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मदपाण्डुकी' के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। टास्क फोर्स ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भाग रही तस्करों की कार का फिल्मी अंदाज में पीछा कर पंजाब के कुख्यात 'डोडा किंग' और 25 हजार रुपए के इनामी शातिर अपराधी बलदेव उर्फ पम्मु उर्फ गोरा बाजीगर को दबोच लिया है। गिरफ्तार तस्कर के पास से टास्क फोर्स ने करीब 84 किलोग्राम (83.930 किग्रा) अवैध डोडा पोस्त और तस्करी में प्रयुक्त दिल्ली नंबर की एक कार बरामद की है। जब्त किए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 12 लाख 60 हजार रुपए है।कार्रवाई के दौरान पुलिस को तस्कर की एक 'काली डायरी' भी हाथ लगी है, जिससे अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क के कई बड़े काले राज खुलने की उम्मीद है। महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि यह पकड़ा गया आरोपी बलदेव, निवासी पटियाला, पिछले 3 साल से फरार चल रहा था। वर्ष 2023 में कोटपुतली-बहरोड़ पुलिस की नाकाबंदी के दौरान वह अपनी गाड़ी और डोडा पोस्त छोड़कर भाग निकला था, जिसके बाद जिला पुलिस ने

उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। तस्कर बलदेव इतना शातिर था कि पुलिस से बचने के लिए वह हर बार नई गाड़ी और एक नया साथी लेकर आता था। पिछले महीने विराटनगर में उसने टीम को चकमा भी दे दिया था। उसका एक नियम था कि माल लेने मध्य प्रदेश जाने से पहले वह कोटा के बड़गांव स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेककर पुलिस से बचने की मन्नत मांगता था।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि पांचवीं पास बलदेव शुरुआत में फसल कटाई के लिए राजस्थान और मध्य प्रदेश आता था। इसी दौरान वह चित्तौड़गढ़ के तस्करों के संपर्क में आया और मजदूरी छोड़ तस्करी के धंधे में उतर गया।

भू-माफिया ने फर्जीवाड़ा कर बेची रिटायर्ड कैप्टन की 25 बीघा जमीन

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सुरक्षा के लिए चीन और पाकिस्तान के खिलाफ तीन ऐतिहासिक युद्धों में दुश्मनों से लोहा लेने वाले 92 वर्षीय रिटायर्ड कैप्टन चुन्नीलाल आज अपने ही हक की चौथी लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं. जैसलमेर के इंदिरा गांधी नहरी क्षेत्र में स्थित उनकी 25 बीघा कीमती जमीन को भू-माफिया गिरोह ने सरकारी सिस्टम से सांठगांठ कर फर्जी दस्तावेजों के सहारे हड़प लिया और किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया.

दरअसल, रिटायर्ड कैप्टन चुन्नीलाल मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के रहने वाले

92 वर्षीय रिटायर्ड कैप्टन चुन्नीलाल

हैं और पोंग डैम (बांध) के निर्माण के विस्थापित हैं. कांगड़ा जिले में पोंग डैम के निर्माण के दौरान उनकी बेशकीमती पैतृक जमीन पानी में चली गई थी, जिसके बदले में सरकार ने उन्हें जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ क्षेत्र में नहरी भूमि आवंटित की थी. वह वर्षों से स्थानीय काश्तकारों के माध्यम से यहां खेती करवाते रहे और हर साल अपनी उपज का हिस्सा प्राप्त करते रहे, लेकिन इस बार जब उनके काश्तकार ने अचानक फोन कर बताया कि उनका मुरब्बा किसी ने बेच दिया है तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई. धोखाधड़ी के तौर-तरीकों की जानकारी देते हुए पीड़ित पूर्व सैन्य अधिकारी ने बताया कि कुछ शातिर लोगों ने उनके फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे. आरोपियों ने आधार कार्ड और अन्य जरूरी पहचान पत्रों में कथित रूप से हेरफेर किया और किसी अज्ञात व्यक्ति को कैप्टन चुन्नीलाल बनाकर 16 जून को जमीन की रजिस्ट्री करवा दी.

कैप्टन चुन्नीलाल का गंभीर आरोप है कि ये कोई अकेला मामला नहीं है, बल्कि इस पूरे क्षेत्र में बाहरी लोगों, विशेष रूप से कांगड़ा के विस्थापितों और पूर्व सैनिकों के मुरब्बों को निशाना बनाकर फर्जीवाड़ा करने का एक बड़ा संगठित खेल चल रहा है. उनके साथ आए बेटे मुल्तान सिंह ठाकुर ने रजिस्ट्री के सिस्टम पर गंभीर सवालिया निशान लगाते हुए पूछा कि आखिर फिंगर प्रिंट, फोटो और अन्य दस्तावेजों के सही मिलान के बगैर तथा मूल बेचानकर्ता के मौके पर मौजूद न होने पर भी उनकी जमीन की रजिस्ट्री कैसे कर दी गई.

प्रेमिका के कहने पर 'गोली मारने' निकला था युवक

पेट्रोल पंप फायरिंग मामले में पुलिस का बड़ा खुलासा

अलवर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में दिनदहाड़े पेट्रोल पंप पर सेल्समैन को गोली मारने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। शुरुआती जांच में जिस घटना को आपसी रंजिश या लेन-देन का विवाद माना जा रहा था, वह जांच आगे बढ़ने पर प्रेम-प्रसंग से जुड़ी निकली। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अपनी प्रेमिका के कहने पर पेट्रोल पंप के सेल्समैन को निशाना बनाया था। घटना के बाद इलाके में फैली दहशत के बीच पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरे मामले का पर्दाफाश किया।

यह वारदात अलवर के सदर थाना क्षेत्र में बुर्जा के पास स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर हुई थी। दिनदहाड़े एक युवक वहां पहुंचा और काम कर रहे सेल्समैन सचिन पर गोली चला दी। गोली उसके कंधे में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि घायल सेल्समैन सचिन एक युवती से लगातार फोन पर संपर्क करता था। यह युवती आरोपी की प्रेमिका थी। इसी बात को लेकर आरोपी के मन में नाराजगी थी। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि प्रेमिका की जानकारी मिलने के बाद उसने सचिन को सबक सिखाने की योजना बनाई और उसी के तहत फायरिंग की।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पहले कठूमर क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी कर अलवर पहुंचा था। पेट्रोल पंप पहुंचने के बाद उसने चुपचाप सेल्समैन सचिन की फोटो खींची और उसे अपनी प्रेमिका को भेजकर उसकी पहचान की पुष्टि कराई। जब युवती ने बताया कि यही वह युवक है जो उसे फोन करता है, तब आरोपी ने बिना देर किए उस पर गोली चला दी और मौके से फरार हो गया।

तमिल एक्टर आर्या के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

करोड़ों रुपये का बकाया न चुकाने का आरोप

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने रविवार को बताया कि शहर की एक फर्म ने तमिल एक्टर आर्या और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। इस फर्म ने एक फिल्म की शूटिंग के लिए सिने प्रोडक्शन इक्विपमेंट सप्लाई किए थे। जिनका 1.8 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया नहीं चुकाया गया। इसी मामले को लेकर तमिल एक्टर आर्या और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

ताहेर सिने टेक्निक के एक अधिकारी ने 10 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायकर्ता ने बताया कि आर्या और 'अनंतन काडु' फिल्म बनाने वाले स्टूडियो के प्रतिनिधियों ने फिल्म के लिए सिने प्रोडक्शन इक्विपमेंट लेने के लिए कंपनी से संपर्क किया था। मेकर्स ने भरोसा दिलाया था कि इक्विपमेंट के किराए का सारा पैसा चुका दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

शिकायतकर्ता ने कहा कि फिल्म के लीड एक्टर होने के नाते आर्या ने व्यक्तिगत रूप से भरोसा और गारंटी दी थी। इस भरोसे के बाद शिकायतकर्ता ने फरवरी 2025 में एक समझौता किया और हैदराबाद से केरल तक डिजिटल कैमरे, लाइटिंग इक्विपमेंट और सिने प्रोडक्शन से जुड़े अन्य इक्विपमेंट सप्लाई किए।

कंपनी को एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर ने धमकाया :

पुलिस ने शिकायत के आधार पर बताया कि इक्विपमेंट और सेवाओं के लिए कुल तय रकम 2.12 करोड़ रुपये थी। हालांकि कीमती इक्विपमेंट और सेवाओं का फायदा उठाने के बाद आरोपियों ने जानबूझकर 1.8 करोड़ रुपये से ज्यादा की बकाया रकम नहीं चुकाई। शिकायतकर्ता ने आगे कहा कि स्टूडियो ने भरोसा दिलाया था कि फिल्म रिलीज होने से पहले बकाया रकम चुका दी जाएगी और रिलीज से पहले उनसे नो ड्यूज/क्लियरेंस सर्टिफिकेट ले लिया जाएगा। यह भी आरोप लगाया गया कि बकाया रकम चुकाने के लिए बार-बार याद दिलाने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि बकाया रकम की मांग करने पर एक्टर, फिल्म के प्रोड्यूसर और अन्य लोगों ने उनकी कंपनी के मैनेजर को धमकी दी। पुलिस के मुताबिक इस शिकायत के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में अभिनेता आर्या और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अभी इस मामले की जांच चल रही है।

होमगार्डों को नौकरी सुरक्षा देने की मांग

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य होमगार्ड कल्याण संघ ने देशभर में कार्यरत होमगार्डों को नौकरी की सुरक्षा प्रदान करने के लिए कानूनी बदलाव करने की मांग को लेकर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को ज्ञापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष पुप्पाला अशोक के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि देशभर में लगभग पांच लाख होमगार्ड आज भी केवल स्वयंसेवक के रूप में वर्गीकृत हैं, जबकि वे पुलिस बल के समान ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सहायता करने और कोविड-19 जैसी आपात परिस्थितियों में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करते हैं। संघ ने ज्ञापन में कहा कि करीब 70 वर्षों से चली आ रही स्वयंसेवक व्यवस्था के कारण होमगार्डों के श्रम का शोषण हो रहा है। नौकरी की स्थिरता, स्वास्थ्य सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी सुविधाओं के अभाव में अनेक होमगार्ड आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। होमगार्ड कल्याण संघ ने केंद्र सरकार से वर्ष 1946-47 और 1962-63 के होमगार्ड कानूनों में संशोधन कर होमगार्डों को स्थायी नौकरी सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। संघ ने कहा कि होमगार्डों की आर्थिक स्थिति और उनके परिवारों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ठोस निर्णय लिया जाना चाहिए। संघ के नेताओं ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार तेलंगाना राज्य होमगार्ड कल्याण संघ की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगी। इस अवसर पर होमगार्ड अधिकारी नारायण रेड्डी, नर्सिंग, जंगैया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आगामी चुनावों में तीनों नगर निगमों में भाजपा का होगा मेयर : रामचंद्र राव

विवेकानंद नगर में नवनिर्मित भाजपा कार्यालय का उद्घाटन

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने रविवार को विश्वास व्यक्त किया कि आगामी नगर निगम चुनावों में हैदराबाद, मलकाजगिरि और साइबराबाद के तीनों नगर निगमों पर भाजपा का झंडा बुलंद होगा और तीनों में भाजपा के महापौर सत्ता ग्रहण करेंगे। कुकटपल्ली और सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत विवेकानंद नगर में नवनिर्मित भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यालय के निर्माण के लिए भूमि पार्टी नेता हनुमंत राव द्वारा दान की गई थी, जो पूर्व में नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा कार्यालय केवल एक कार्यालय नहीं है, बल्कि जनसेवा का मंदिर है और समाज कल्याण के लिए समर्पित है, जहां पार्टी कार्यकर्ता एक साथ आते हैं और जन समस्याओं पर विचार-विमर्श करके उनका समाधान करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस और वर्तमान कांग्रेस सरकारों ने सार्वजनिक मुद्दों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है और जीएचएमसी (ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम) शहर के नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने में बुरी तरह विफल रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी नगर निगम चुनावों में सेरिलिंगमपल्ली और कुकटपल्ली निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी को भारी जीत दिलाने के लिए यह कार्यालय मुख्य रणनीतिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता वर्तमान में भाजपा की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है और यह निश्चित है कि आगामी नगर निगम चुनावों में हैदराबाद, मलकाजगिरि और साइबराबाद नगर निगमों पर भाजपा का झंडा लहराएगा। राव ने आरोप लगाया कि शहर पहले से ही गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है, इसके बावजूद सरकार ने मानसून आने से पहले बाढ़ की रोकथाम के लिए एहतियाती उपाय करने की भाजपा की चेतावनियों को शुरू से ही नजरअंदाज किया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार और जीएचएमसी से पूछा कि अल नीनो के प्रभाव के कारण इस वर्ष कम वर्षा होने के बावजूद, हल्की बारिश भी शहर को जलमग्न क्यों कर रही है और यातायात को ठप्प क्यों कर रही है। कालेश्वरम मुद्दे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा जिम्मेदारी लेने और ईमानदारी से इस मुद्दे को सुलझाने के बजाय, बीआरएस और कांग्रेस दोनों ही अब राजनीतिक नाटकबाजी में लिप्त हैं।

आईआईआईटी हैदराबाद में 526 छात्रों को डिग्री

दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रों का सम्मान

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) हैदराबाद के 25वें दीक्षांत समारोह में शनिवार को 526 छात्रों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को विशेष सम्मान से नवाजा गया।

बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र मद्दीरेड्डी कृतिन को शानदार शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। वहीं, इसी पाठ्यक्रम के छात्र अभिनव दिगंबर रौंधल को शैक्षणिक उपलब्धियों, पाठ्येतर गतिविधियों और संस्थान के प्रति योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्र का पुरस्कार दिया गया।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने ऑनलाइन माध्यम से छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में केवल नए आविष्कार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि तकनीकी नवाचार को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना भी जरूरी है। उन्होंने छात्रों से जिम्मेदार नवाचार के माध्यम से समाज के लिए उपयोगी समाधान तैयार करने का आह्वान किया।

आईआईआईटी हैदराबाद की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक झुनझुनवाला ने संस्थान की अनुसंधान क्षमता और तकनीकी विकास में योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार काम कर रहा है।

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर संदीप शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष 31 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य के आधार पर अपनी डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने सभी स्नातकों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

रेवंत रेड्डी पर टिप्पणी मामले में केस दर्ज

वाईएसआर कांग्रेस प्रवक्ता समेत तीन पर आरोप

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बेगम बाजार पुलिस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता नागार्जुन यादव, एक निजी चैनल के एंकर कोमिनेनी श्रीनिवास राव और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई हैदराबाद के उस्मानगंज निवासी अधिवक्ता कैलाश सज्जन की शिकायत के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें एक टीवी बहस के दौरान नागार्जुन यादव ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि बहस के दौरान एंकर ने कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों पर रोक नहीं लगाई और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होता रहा। शिकायतकर्ता ने कहा कि इन टिप्पणियों से मुख्यमंत्री की छवि को नुकसान पहुंचाने और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर बेगम बाजार थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'हमारे प्रदर्शन में गुंडों को भेजने की साजिश'

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके का आरोप

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। इस मांग को मनवाने के लिए पार्टी दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस प्रदर्शन की अगुवाई अभिजीत दीपके कर रहे हैं और उन्हें सोनम वांगचुक का भी समर्थन मिला है। वांगचुक अभी उसी जगह पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं और आज उनकी हड़ताल का 15वां दिन है। इसी बीच, अभिजीत दीपके ने एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि गुंडे भेजकर उनके विरोध प्रदर्शन को बाधित करने की साजिश रची जा रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, सिस्टम के अंदर मौजूद हमारे कुछ सूत्रों ने हमें बताया है कि संसद तक हमारे शांतिपूर्ण मार्च से पहले, जंतर-मंतर पर हो रहे शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में बाधा डालने के लिए बाहर से गुंडे भेजने की योजना बनाई जा रही है।

सोनम वांगचुक की सेहत और बिगड़ गई :

बता दें कि रविवार को सोनम वांगचुक की सेहत और बिगड़ गई। डॉक्टरों ने कहा कि ब्लड प्रेशर और गिर गया है और उनका वजन 7.8 किलोग्राम घट गया है। कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से जारी स्वास्थ्य सूचना के मुताबिक, भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का ब्लड प्रेशर गिरकर 104/66 एमएम एचजी हो गया है, जबकि उनका वजन 7.8 किलोग्राम घट गया। इसके अलावा, कॉकरोच जनता पार्टी ने बताया कि कई नेता और जाने-माने बुद्धिजीवी आंदोलन के प्रति समर्थन दिखाने के लिए दिन में विरोध स्थल का दौरा करने वाले हैं।

केरल के पूर्व मंत्री के.के. शैलजा, के.एन. बालगोपाल और पी. राजीव प्रदर्शनकारियों से बातचीत करेंगे, जबकि समाजवादी पार्टी के सांसद पुष्पेंद्र सरोज रविवार को सभा को संबोधित किया। कॉकरोच जनता पार्टी ने बताया कि दिन के कार्यक्रम का समापन बेरोजगारी का अर्थशास्त्र विषय पर अर्थशास्त्री जयति घोष के सार्वजनिक व्याख्यान के साथ हुआ।

वांगचुक ने दूसरों में नायक न खोजने की अपील की थी :

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) लिबरेशन से जुड़े आइसा के सदस्यों नेहा, मनीष, दीपक कुमार वर्मा और आमीन ने विरोध स्थल पर एक अलग मंच पर अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखी। वांगचुक ने शनिवार को लोगों से दूसरों में नायक न खोजने की अपील की थी और कहा था कि वह सिर्फ एक आम नागरिक हैं, न कि आधुनिक गांधी या कोई नायक।

उन्होंने एक्स पर वीडियो डालकर कहा था, कृपया किसी और में नायक न ढूंढें। अपनी जिंदगी के नायक खुद बनें। एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। उन्होंने लोगों से 20 जुलाई को संसद तक प्रस्तावित मार्च में शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को एकजुट होकर सांसदों से परीक्षा में कथित गड़बड़ियों से जुड़े मुद्दों पर गौर करने के लिए कहना चाहिए।

सनातनी हिंदू व्यापारियों की मीटिंग

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग ने 11 जुलाई को होटल पिनकोड बेगमपेट में अपनी दूसरी रीजनल मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कई सनातनी हिंदू व्यापारियों ने हिस्सा लिया, संगठन का मुख्य मकसद हैदराबाद में हिंदू व्यापारियों को बढ़ावा देना था।

इस मीटिंग के मुख्य अतिथि गोपाल बलदवा थे और प्रयागराज के बिल्डर रितेश पॉल 'गेस्ट ऑफ़ ऑनर' के तौर पर शामिल हुए। सुदेश पाटिल को 'एच2एच 4 लक्ष्य' (अमीरपेट चैप्टर) का नया प्रेसिडेंट चुना गया। 'एच2एच आदित्य' और 'एच2एच कुबेर' की प्रेसिडेंट सुजाता नाम्बियार और उमा कार्तिक ने भी मीटिंग की अध्यक्षता की। इस मौके पर रीजन 3 की रीजनल डायरेक्टर रीमा देब और एच2एच के फाउंडर गीतेश काटे भी मौजूद थे और उन्होंने कार्यक्रम का संचालन किया। इस इवेंट को दीपाली खुशालदसानी, डॉ. अदिति, डॉ. मधु और कुबेर के आदित्य का सहयोग मिला।

पीएम लक्सन ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए आधारित नई डील का किया ऐलान

ऑकलैंड, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूजीलैंड समेत तीन देशों का छह दिवसीय दौरा खत्म कर चुके हैं। पीएम मोदी के दौरे के खत्म होने के बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने जानकारी दी है कि न्यूजीलैंड और भारत एक नए समझौते पर सहमत हुए हैं जो हमारे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर आधारित है।

पीएम लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, न्यूजीलैंड और भारत एक नई डील पर सहमत हुए हैं जो हमारे मुक्त व्यापार समझौते पर आधारित है। न्यूजीलैंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ, हमने अपने संबंधों को एक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया है, जिसमें 2030 तक हमारे देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने की योजना है। इसका मतलब है कि कीवी समुदाय में ज्यादा पैसा वापस आएगा, नौकरियां पैदा होंगी और घर पर सैलरी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजकीय सम्मान के साथ उन्हें विदाई दी गई। पीएम क्रिस्टोफर लक्सन उनसे गले मिले और हाथ हिलाकर गुडबाय कहा।

छह दिवसीय आधिकारिक विदेश दौरे के आखिरी चरण में वे राजधानी ऑकलैंड पहुंचे थे। दौरा बेहद सफल रहा। 18 बड़े फैसले और 10 समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पुरानी दोस्ती, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, लोगों के बीच गहरे संबंधों और हिंद-प्रशांत में साझा हितों को देखते हुए, दोनों पीएम ने आपसी संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने का फैसला किया।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान में 1860 मामले दर्ज किए

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने टीजीएसआरटीसी अधिकारियों के समन्वय से आरटीसी बस स्टेशनों के पास अनधिकृत यात्री परिवहन, ओवरलोडिंग, परमिट उल्लंघन और अवैध पार्किंग के खिलाफ 6 जुलाई से पूरे शहर में एक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान, अधिकारियों ने मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 1,860 मामले दर्ज किए, जिनमें 342 अवैध पार्किंग, 520 बस बे पार्किंग उल्लंघन, 342 वैध ड्राइविंग लाइसेंस न होना आदि शामिल हैं। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि उसने ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति अपनाई है, क्योंकि अनधिकृत परिवहन संचालन से यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है, सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित होती हैं और यातायात जाम बढ़ता है। अधिकारियों ने कहा कि इसी तरह के प्रवर्तन अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे और उन्होंने वाहन मालिकों और चालकों से मोटर वाहन अधिनियम और संबंधित परिवहन नियमों का पालन करने की अपील की।

गांधी अस्पताल में कोई नौकरी नहीं : फर्जी विज्ञापनों से सावधान रहें : प्रो. वानी

साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर गांधी अस्पताल हैदराबाद जॉब 2026 के बारे में चल रही सूचनाएं फर्जी हैं और इनका उद्देश्य नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को धोखा देना है। अस्पताल की अधीक्षक प्रो. वानी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में बताया कि उन्होंने नौकरियों के संबंध में कोई अधिसूचना जारी नहीं की है और न ही आवेदन आमंत्रित किए हैं। उन्हें यह जानकारी मिली है कि व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया पर अस्पताल में नौकरियों के विज्ञापन प्रकाशित हुए हैं, जिनमें नियमित, संविदा और आउटसोर्सिंग आधार पर आकर्षक वेतन का वादा किया गया है। इन विज्ञापनों का उद्देश्य नौकरी चाहने वालों को धोखा देना है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस संबंध में साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। लोगों को इस तरह की फर्जी सूचनाओं से सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

डॉ. महेन्द्र कुमावत व राजेश कुमावत का सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत सेवा समिति भवन चिंगिचेरला व प्रवासी समाज बन्धुओं द्वारा 11 जुलाई को कुमावत समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में आए मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कुमावत व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी सलाहकार परिषद के सदस्य व पूर्व सचिव राजेश कुमावत, आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द्र कुमावत, किसान मोर्चा पाली जिला मंत्री व सीरवी समाज कोरेमुला वडेर अध्यक्ष कालुराम काग का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत, प्रदेश सचिव धर्माराम डया कुमावत ने बताया कि सम्मान समारोह में कुमावत समाज तेलंगाना समस्त संस्था अध्यक्ष व सचिव समस्त कार्यकारणी सदस्य व युवाओं में आपसी एकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि का मंच पर राजस्थानी साफा व माला शाल द्वारा सम्मान किया गया।

अवसर पर उपस्थित कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत, सचिव धर्माराम डया कुमावत, आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द्र कुमावत, प्रदेश परामर्शदाता सोहनलाल माणणिया, परामर्शदाता ओमप्रकाश सांगर, परामर्शदाता आसुराम चांदोरा, कोषाध्यक्ष पवन पटेल सागर, विष्ट उपाध्यक्ष राजुराम बागरेचा, उपाध्यक्ष बुधाराम होतवाल, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश भोभरीया, रामकिशोर भड़लीवाल, मांगीलाल बावलेचा, सुनील मोरवाड़िया, सह सचिव प्रकाश मालवीय, शंभुराम मोटावत, श्यामलाल बाकरेचा, बगदाराम बाकरेचा, रुपाराम मालीवाड़, सह कोषाध्यक्ष बाबूलाल गोड़ावड़, अणदाराम मनावत राकेश सिरड़ेड़, सह प्रचार मंत्री राजुराम खेडावत, माणकराम मेड़तिया, गैर मंत्री केसाराम नागौरा व समाज बंधुओं उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'दस कदम...

पात्रा के अनुसार, यह केवल प्रधानमंत्री का सम्मान नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और विश्व मंच पर उसकी मजबूत होती साख का प्रतीक है।

सभ्यतागत और सांस्कृतिक रिश्तों को कैसे मिला नया आयाम :

पात्रा ने कहा कि भारत ने अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और साझा सभ्यतागत संबंधों को भी नई ऊर्जा देने का काम किया। विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक सहयोग और पारंपरिक रिश्तों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया।

डिजिटल और शिक्षा के क्षेत्र में क्या नई पहल हुई :

उन्होंने बताया कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण साझेदारियां बनी हैं। इससे तकनीकी सहयोग, नवाचार और शैक्षणिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा तथा दोनों पक्षों के छात्रों और संस्थानों को लाभ पहुंचेगा।

खेल सहयोग को लेकर क्या पहल हुई :

संबित पात्रा ने कहा कि खेल के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। खेलों के माध्यम से दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने तथा खिलाड़ियों के लिए नए अवसर तैयार करने की दिशा में काम किया जाएगा।

लोगों के बीच रिश्ते कैसे होंगे और मजबूत :

उन्होंने कहा कि इन विदेश यात्राओं का सबसे महत्वपूर्ण पहलू लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ाना है। पर्यटन, शिक्षा, व्यापार, सांस्कृतिक आदान प्रदान और सामाजिक संबंधों के माध्यम से भारत तथा साझेदार देशों के नागरिकों के बीच भरोसा और सहयोग पहले से अधिक मजबूत होगा। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं ने भारत की वैश्विक भागीदारी को नई गति देने का काम किया है।

भाजपा सांसद ने राहुल गांधी को बताया चीनी एजेंट :

भाजपा नेता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी अंडमान और निकोबार द्वीप समूह गए थे, जहां उन्होंने 'चीनी एजेंट' की तरह व्यवहार करते हुए भारत के खिलाफ बयान दिए। पात्रा ने कहा कि सबांग बंदरगाह का विकास भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, बंदरगाह के तैयार होने से मलक्का जलडमरूमध्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है और रक्षा के नजरिए से भी अत्यंत अहम माना जाता है। उन्होंने कहा कि सबांग बंदरगाह को लेकर मिली सफलता और समन्वय भारत की बड़ी उपलब्धि है। साथ ही अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा सुमात्रा को जोड़ने वाली पहलों का उद्देश्य निवेश बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना, तकनीक का आदान-प्रदान करना और पूरे क्षेत्र की समृद्धि सुनिश्चित करना है।

'मैं आत्महत्या कर लूंगा...'

उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग देश के लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक है और उसकी गरिमा हर हाल में बनी रहनी चाहिए।

क्या है पूरा विवाद :

किताब के मुताबिक, यह मामला जनवरी 2012 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का है। उस समय तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने चुनाव प्रचार के दौरान मुस्लिमों के लिए 4.5 प्रतिशत उप-कोटा बढ़ाकर 9 प्रतिशत करने का वादा किया था। भाजपा ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग में शिकायत की। सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने सलमान खुर्शीद को कड़ी फटकार लगाई।

इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं और मंत्रियों ने चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए उसके फैसले पर सवाल उठाए। यही बयानबाजी चुनाव आयोग और सरकार के बीच तनाव की वजह बनी। कुरैशी का दावा है कि प्रधानमंत्री ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से लिया और बाद में मंत्रियों तक अपना सख्त संदेश पहुंचाया, जिसके बाद चुनाव आयोग के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी बंद हो गई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया; करियर की बेस्ट रैंकिंग 7 पर पहुंचेंगी

लंदन (यूके), 12 जुलाई (एजेंसियां)। चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।

लिंडा नोस्कोवा पिछले चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं।

सेंटर कोर्ट पर फाइनल के बाद ट्रॉफियों के साथ लिंडा नोस्कोवा और कैरोलिना मुहोवा

इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब नोस्कोवा आसानी से जीत की तरफ बढ़ रही थीं। वे दूसरे सेट में 6-2, 5-2 से आगे थीं। इसके बाद 10वीं सीड मुहोवा ने जोरदार वापसी की और लगातार 5 गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान दबाव में नोस्कोवा का बॉडी लैंग्वेज देखने लायक था। वे क्राउड के शोर से बचने के लिए कानों में उंगलियां डालती दिखीं और चेंजओवर के समय विंबलडन के तौलिये में अपना चेहरा छिपा लिया। हालांकि, तीसरे सेट में उन्होंने खुद को संभाला और जीत कर इतिहास रच दिया।

जीत के बाद नोस्कोवा कोर्ट पर ही बैठ गईं और भावुक हो गईं। ट्रॉफी मिलने के बाद स्पीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाइंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया।

नोस्कोवा ने कहा,'दो साल पहले विंबलडन की शुरुआत से ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जो मेरे लिए फ्लाइट का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए।'

मुहोवा ने मजाकिया अंदाज में कहा- लिंडा मेरी 'एक्स-फ्रेंड' हैं

हार के बाद भावुक मुहोवा ने उपविजेता की ट्रॉफी लेते समय रोते हुए कहा,'शब्द ढूंढना मुश्किल है, लेकिन मैं अपनी 'पूर्व दोस्त' (एक्स-फ्रेंड) लिंडा से शुरुआत करूंगी। आपने जिस तरह से दबाव को संभाला और खेला, वह अविश्वसनीय था। आप इस जीत की हकदार हैं।'

उन्होंने आगे कहा,'मैं आगे भी लड़ती रहूंगी। मुझे यह ट्रॉफी चाहिए और उम्मीद है कि मैं फिर से फाइनल में पहुंचकर इसे जीतूंगी। बता दें कि मुचोवा पिछले कुछ समय से कलाई की गंभीर चोट से जूझ रही थीं, जिसके कारण उन्हें एक समय सिंगल-हैंडेड बैकहैंड से खेलना पड़ा था।

नोस्कोवा इस पूरे टूर्नामेंट में कठिन परिस्थितियों से उबरकर आगे बढ़ी हैं। वे इस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया के खिलाफ मैच पॉइंट से पिछड़ रही थीं, लेकिन वहां से वापसी कर उन्होंने मैच जीता। विंबलडन के इतिहास में मैच पॉइंट बचाकर खिताब जीतने वाली वे केवल तीसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह कारनामा वीनस विलियम्स (2005) और सेरेना विलियम्स (2009) ही कर सकी थीं।

एक शतक से रोहित शर्मा करेंगे 3 कमाल

भारत बनाम इंग्लैंड वनडे सीरीज में बना सकते हैं रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड

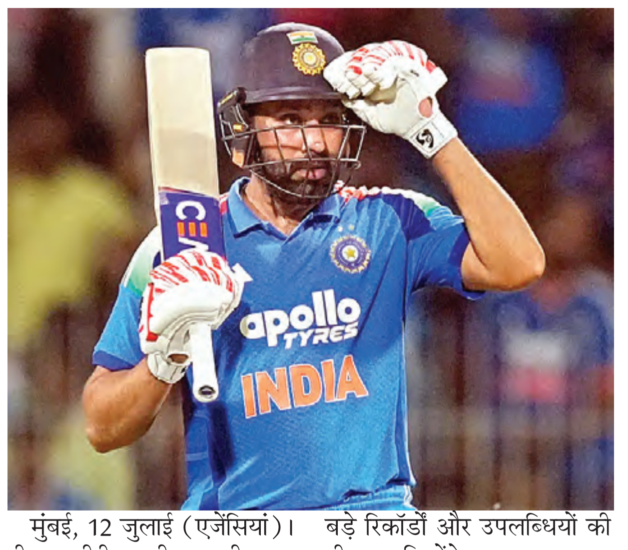

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। टी20 सीरीज की कड़वी याद जाइए भूल क्योंकि अब शुरू होने जा रही है इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज.

वनडे में रोहित और विराट का जलवा देखने को मिलेगा. रोहित शर्मा के लिए तो ये वनडे सीरीज बेमिसाल हो सकती है, क्योंकि इसमें एक शतक जड़ते ही वो कई कमाल तो करेंगे ही, साथ ही कुछ बड़े रिकॉर्डों और उपलब्धियों की भी गाथा लिखेंगे.

रोहित शर्मा ने विराट कोहली और टीम इंडिया के बाकी सदस्यों के साथ कमर कसकर वनडे सीरीज की तैयारी शुरू कर दी है. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में एक शतक लगाते ही रोहित 3 कमाल करेंगे. पहला, वो सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय ओपनर बन जाएंगे.

दूसरा, 39 साल की उम्र में शतक लगाने वाले वो पहले भारतीय होंगे और तीसरा, वो इंग्लैंड में डॉन ब्रैडमैन के बाद 10 शतक लगाने वाले दूसरे विदेशी बल्लेबाज बन सकते हैं.

रोहित शर्मा ने अगर 3 वनडे की सीरीज में 2 शतक लगा दिए तो फिर उसके बाद वो इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा इंटरनेशनल शतक लगाने वाले भारतीय बन जाएंगे. रोहित शर्मा के पास वनडे सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बनने और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय ओपनर बनने का भी मौका होगा. इसके लिए रोहित शर्मा को सीरीज में 1 छक्का लगाना होगा और 178 रन बनाने होंगे.

रोहित शर्मा अगर वनडे सीरीज में 8 छक्के लगाते हैं तो वो वनडे में इंग्लैंड में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन सकते हैं. वो वनडे में अपन 12000 रन से 280 रन दूर हैं.

टीम इंडिया की लगातार हार की 3 सबसे बड़ी वजह

पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने खोल दी पोल

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर गई टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा. भारतीय टीम ने लगातार दो टी20 सीरीज गंवा दी और 7 मैचों में से एक भी नहीं जीत सकी. इस खराब प्रदर्शन के बाद टीम इंडिया की जमकर आलोचना हो रही है. इसी बीच पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भारत की इस लगातार हार के तीन सबसे बड़े कारण बताए हैं.

भारतीय टीम यूके दौरे पर आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ कुल 7 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले, लेकिन एक में भी जीत नहीं मिली. भारत को पहले आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 4-0 से करारी शिकस्त दी.

पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने भारत की इस शर्मनाक हार के तीन सबसे बड़ी वजह

बताई है. उनके मुताबिक, भारत की कमजोर मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजी, बेहतरीन ऑलराउंडर की कमी और बेहद खराब फील्डिंग टीम की लगातार हार की सबसे बड़ी वजह रही.

जियोहॉटस्टार पर बातचीत के दौरान पुजारा ने कहा कि दोनों टीमों के मध्यक्रम के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला. उन्होंने कहा, ₹इंग्लैंड के पास 5वें, छठे, 7वें और 8वें नंबर पर ऐसे बल्लेबाज थे जिन्होंने हर मैच में टीम के लिए अहम योगदान दिया. वहीं, भारत की बात करें तो 5वें नंबर पर तिलक वर्मा और छठे नंबर पर शिवम दुबे उतरे, लेकिन वे इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर की तरह मैच पर प्रभाव नहीं छोड़ सके.

पुजारा का मानना है कि भारतीय टीम के पास भरोसेमंद ऑलराउंडर की कमी भी साफ नजर आई. उन्होंने कहा, ₹भारत के पास एक ऐसे ऑलराउंडर की कमी है, जो बल्ले और गेंद दोनों से लगातार योगदान दे सके. यह टीम के लिए चिंता का विषय है और भविष्य में इस पर काम करने की जरूरत होगी.

पुजारा ने टीम की खराब फील्डिंग पर भी सवाल उठाए और कहा कि फील्डिंग में इस तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने कहा, ₹यह युवा टीम है, इसलिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में गलतियां हो सकती हैं, लेकिन खराब फील्डिंग किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जा सकती. टी20 क्रिकेट में फील्डिंग मैच का रुख बदल देती है, लेकिन पूरी सीरीज के दौरान भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा. यही टीम की सबसे बड़ी कमजोरियों में से एक है.

अर्जेंटीना छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में

स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे; अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस, 12 जुलाई (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।

कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।

मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का

इस वर्ल्ड कप में अपना पहला गोल सेलिब्रेट करते एलिस्टर

सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्यॉय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया।

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था।

इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

देश में करीब 35 हजार फुटबॉल क्रिएटर्स

फीफा वर्ल्ड कप 2026; ब्राजील के बाद दूसरे नंबर पर भारतीय फैंस

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की टीम फीफा में नहीं खेल रही, लेकिन सोशल मीडिया पर भारतीय फुटबॉल फैंस ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। क्रिएटर इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म Qoruz की रिपोर्ट के मुताबिक, फीफा वर्ल्ड कप के इंस्टाग्राम अकाउंट के सबसे ज्यादा फॉलोअर्स ब्राजील के बाद भारत से हैं। यही नहीं, रोनाल्डो और मेसी के करोड़ों भारतीय फॉलोअर्स वर्ल्ड कप को भारत में बड़ा डिजिटल इवेंट बना रहे हैं।

फीफा के इंस्टाग्राम अकाउंट के 6.05 करोड़ फॉलोअर्स में 10.21% भारतीय हैं। इस मामले में भारत सिर्फ ब्राजील से पीछे है। अमेरिका, अर्जेंटीना, इटली और इंडोनेशिया जैसे फुटबॉल देशों से भी ज्यादा भारतीय इस अकाउंट को फॉलो करते हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 8.13 करोड़ फॉलोअर्स भारत से हैं। यानी अकेले भारत में उनके फॉलोअर्स, उनके देश पुर्तगाल की कुल आबादी से कई गुना ज्यादा हैं। लियोनेल मेसी के भी 5.66 करोड़ भारतीय फॉलोअर्स हैं।

वर्ल्ड कप के दौरान 35,000 से ज्यादा भारतीय कंटेंट क्रिएटर इंस्टाग्राम पर लगातार फुटबॉल से जुड़ी पोस्ट और वीडियो बना रहे हैं।

डेकेथलॉन के मुताबिक, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही उसके 50% से ज्यादा फुटबॉल प्रोडक्ट्स बिक गए। सबसे ज्यादा मांग पुर्तगाल टीम की जर्सी और मर्चेंडाइज की रही।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए रवि बिश्नोई टीम में

मुंबई, 12 जुलाई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे दौरे से स्पिनर वरुण चक्रवर्ती टी-20 और तेज गेंदबाज हर्षित राणा वनडे सीरीज से हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए हैं। वरुण की जगह रवि बिश्नोई को टी-20 टीम में शामिल किया गया है, जबकि हर्षित की जगह प्रिंस यादव वनडे स्क्वाड में बने रहेंगे। टीम 20 जुलाई को हरारे के लिए रवाना होगी। बीसीसीआई के अनुसार ट्रेंट ब्रिज टी-20 के दौरान हर्षित राणा के दाहिने पैर में और वरुण चक्रवर्ती के बाएं पैर में हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई। दोनों अब बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (में रिहैब करेंगे।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट के बीच वर्ल्ड कप विजेता कप्तान हीथर नाइट ने किया संन्यास का ऐलान

16 साल लंबे करियर का अंत

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेला जा रहा है. इसी बीच इंग्लैंड क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने संन्यास का ऐलान कर दिया है. उन्होंने साफ कर दिया है कि भारतीय महिला टीम के खिलाफ लॉर्ड्स में ऐतिहासिक टेस्ट उनके करियर का आखिरी मुकाबला होगा. बता दें कि हीथर की कप्तानी में भी इंग्लैंड ने 2017 का वुमेंस वर्ल्ड कप जीता था. अब आखिर उनके 16 साल लंबे इंटरनेशनल करियर का अंत होने जा रहा है.

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट डालते हुए बताया कि वर्ल्ड कप विजेता कप्तान हीथर नाइट लॉर्ड्स

टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने वाली हैं. रिटायरमेंट को लेकर नाइट ने कहा, 'इंग्लैंड के लिए क्रिकेटर के रूप में मेरे सफर के लिए मैं आभारी हूं. यह सभी लोग पिछले 16 साल से मेरे जीवन का हिस्सा हैं और अब इस टीम एवं ड्रेसिंग रूम से दूर होना मेरे लिए आसान नहीं होगा. इन सभी अनुभवों ने मुझे बेहतर बनने में मदद की. मैं अब अपने भविष्य को लेकर उत्साहित हूं.'

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान का निधन

दो बार फीफा विश्व कप में लिया था हिस्सा; फुटबॉल जगत में शोक

ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना), 12 जुलाई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एएफए ने एक बयान में कहा, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के

निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के आइकन थे, जिनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया।

रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई। मेजबान देश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में उन्हें जर्मन रेफरी रुडोल्फ क्रेटलिन ने मैदान से बाहर भेज दिया था, जबकि उस समय येलो और रेड कार्ड का सिस्टम नहीं था। उन्हें लगा कि उनके साथ अन्याय हुआ है और वे रेफरी का फैसला समझ नहीं पा रहे थे, इसलिए मैदान छोड़ने से पहले रैटीन ने एक अनुवादक की मांग की। उनके मैदान से न हटने के कारण एक ऐतिहासिक दृश्य बना: वे महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए आरक्षित रेड कार्पेट पर बैठ गए और स्टेडियम से निकलने से पहले उन्होंने ब्रिटिश झंडे को मरोड़ दिया। उस घटना का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतना असर हुआ कि कुछ साल बाद 1970 के विश्व कप में फीफा ने रेफरी की पेनल्टी या सजा को पहचानने के लिए आधिकारिक तौर पर कार्ड सिस्टम लागू किया।

दावा- इंग्लैंड दौरे के बाद भारत का कोचिंग स्टाफ बदलेगा

गंभीर के दो भरोसेमंद कोच हट सकते हैं, फील्डिंग कोच दिलीप पर भी दबाव

खेल डेस्क, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो टी-20 सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ में बदलाव हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल टीम से बाहर हो सकते हैं। दोनों का मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद खत्म हो रहा है।

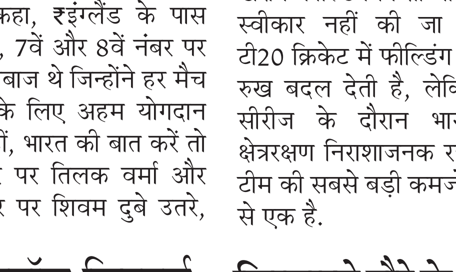

हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर

लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई टीम और सपोर्ट स्टाफ का रिव्यू करेगा। टीम की खराब फील्डिंग भी बोर्ड की चिंता बढ़ा रही है। भारत ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर 10 से ज्यादा कैच छोड़े। ऐसे में फील्डिंग कोच टी. दिलीप को भी हटाया जा सकता है। पिछले साल उन्हें अभिषेक नायर के साथ टीम से बाहर किया गया था, लेकिन बाद में दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रयान टेन डोशेट पूरे साल भारतीय टीम के साथ लगातार यात्रा करने से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने अपनी यह बात बीसीसीआई के सामने भी रखी है। साथ ही उनके किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ने की चर्चा है। वहीं, मोर्ने मोर्कल भी दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। अगर रेयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल सपोर्ट स्टाफ से बाहर होते हैं, तो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के नए फास्ट बॉलिंग कोच लक्ष्मीपति बालाजी को श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के साथ भेजा जा सकता है। भारत अगस्त की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। वहीं, जुलाई के आखिर में जिम्बाब्वे दौरे पर होने वाली टी-20 सीरीज में वीवीएस लक्ष्मण सीओई के कोचिंग स्टाफ के साथ टीम इंडिया की जिम्मेदारी संभालेंगे। रयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल को गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में हेड कोच बनने के बाद अपने सपोर्ट स्टाफ में शामिल किया था। इससे पहले बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर की जगह सितांशु कोटक को जिम्मेदारी दी जा चुकी है। अब इंग्लैंड दौरे के बाद गंभीर के सपोर्ट स्टाफ में एक और बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। गौतम गंभीर की कोचिंग में वनडे और टी-20 में भारत का प्रदर्शन शानदार, जबकि टेस्ट में निराशाजनक रहा है। वनडे में भारत ने 23 में से 16 मैच जीते और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अपने नाम कीं।

टी-20 में टीम ने 53 में 37 मैच जीते, एशिया कप 2025 और टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता। हालांकि, इसके बाद भारत पहली बार आयरलैंड (2-0) और इंग्लैंड (4-0) से टी-20 सीरीज हार गया। वहीं टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड सबसे खराब रहा।

कॉनर मैकग्रेगर की वापसी दर्दनाक चोट के साथ खत्म

केवल 69 सेकंड में मैक्स होलोवे ने जीता मुकाबला

खेल डेस्क, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पांच साल बाद ऑक्टागन में लौटे आयरलैंड के स्टार फाइटर कॉनर मैकग्रेगर की वापसी यूएफसी 329 में बेहद निराशाजनक रही। मैक्स होलोवे के खिलाफ मुख्य मुकाबले में पहले ही राउंड के दौरान गंभीर पैर की चोट के कारण मुकाबला रोकना पड़ा। जुलाई 2021 में डस्टिन पॉयरियर के खिलाफ मुकाबले में टिबिया और फिबुला की हड्डियां टूटने के बाद यह मैकग्रेगर की पहली प्रतिस्पर्धी फाइट थी। हालांकि, लास वेगास के टी-मोबाइल एरीना में इस बार भी वह गंभीर चोट का शिकार हो गए।

पहले राउंड के सिर्फ एक मिनट नौ सेकेंड में मुकाबला रोक दिया गया। इससे स्टेडियम में मौजूद दर्शक हैरान रह गए और 37 वर्षीय मैकग्रेगर के एमएमए करियर के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए। यह मुकाबला 2013 के बाद मैकग्रेगर और मैक्स होलोवे के बीच पहली

भिड़ंत थी। उस समय मैकग्रेगर ने सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की थी।

नई मोहॉक हेयरस्टाइल और पूरे आत्मविश्वास के साथ एंट्री करने वाले मैकग्रेगर ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने छलांग लगाकर पहला किक लगाया, लेकिन उतरते समय उनका दायां घुटना मुड़ गया। इसके बावजूद उन्होंने दूसरा वार करने की कोशिश की, लेकिन तुरंत कैनवास पर गिर पड़े।

मैकग्रेगर के गिरते ही मैक्स होलोवे ने मौके का फायदा उठाते हुए लगातार दाएं हाथ से कई मुक्के लगाए। हालांकि, जैसे ही उन्हें एहसास हुआ कि मैकग्रेगर खड़े नहीं हो पा रहे हैं, उन्होंने खेल भावना दिखाते हुए पीछे हटकर रेफरी की ओर देखा। मैकग्रेगर ने दोबारा उठने की कोशिश की, लेकिन उनके दाएं पैर ने फिर जवाब दे दिया। इसके बाद रेफरी माइक बेल्ट्रान ने मुकाबला रोकते हुए मैक्स होलोवे को तकनीकी नॉकआउट से विजेता घोषित कर दिया।

मैदान पर हुई शुरुआती मेडिकल जांच में लिगामेंट फटने की आशंका जताई गई है। आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मुकाबले के लिए मैकग्रेगर को 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बेस राशि मिलने का अनुमान है। हालांकि, प्रतिस्पर्धी करियर के लिहाज से यह चोट उनके लिए बड़ा झटका मानी जा रही है।

जनगणना प्रपत्रों के वितरण की समीक्षा

डिजिटलीकरण की गति और गुणवत्ता का आकलन किया

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं आयुक्त, जीएचएमसी आरवी कर्णन ने रविवार को 63-नामपल्ली, 67-चंद्रायणगुट्टा और 69-बहादुरपुरा विधानसभा क्षेत्रों में जनगणना प्रपत्र वितरण और डिजिटलीकरण गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में नामपल्ली क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 221-230, रवींद्र नायक नगर और जांगम्मेट क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 224, 226 और 227 (चंद्रायणगुट्टा क्षेत्र) और अलियाबाद क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 1-6 (बहादुरपुरा क्षेत्र) शामिल थे। आयुक्त ने जमीनी स्तर पर चल रही गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की, एईआरओ, बीएलओ पर्यवेक्षकों और बीएलओ से बातचीत की और डिजिटलीकरण की गति और गुणवत्ता का आकलन किया। उन्होंने सभी चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी मतदान केंद्रों पर जनगणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण में तेजी लाएं और साथ ही यह सुनिश्चित करें कि सभी गतिविधियां भारतीय चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सटीकता, गुणवत्ता और समय पर पूरी हों।

श्री कनकदुर्गा देवी की प्रतिमा प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए टीपीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने हैदराबाद स्थित एलबी स्टेडियम परिसर में आयोजित श्री कनकदुर्गा देवी की प्रतिमा प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर स्थापित मंदिर का दर्शन किया। इस अवसर पर उन्होंने देवी की विशेष पूजा-अर्चना की और प्रार्थना की कि राज्य के सभी नागरिक सुख, समृद्धि, शांति तथा उत्तम स्वास्थ्य के साथ जीवन व्यतीत करें। पूजा के उपरांत मंदिर के पुजारियों से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराएं समाज में शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कामना की कि श्री कनकदुर्गा देवी की कृपा सभी लोगों पर बनी रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पार्टी के नेता, मंदिर समिति के सदस्य, श्रद्धालु तथा विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित रहीं।

मंत्री और सांसद ने किया विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी तथा भुवनगिरि के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने संयुक्त नलगोंडा जिले में सड़क संपर्क को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 773.77 करोड़ रुपये की विभिन्न सड़क एवं पुल निर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास किया। सरकार की ओर से बताया गया कि नलगोंडा और यादाद्रि-भुवनगिरि जिलों में सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया गया है। नकिरेकल विधानसभा क्षेत्र में सरकारी सचेतक वेमुला वीरेशम की उपस्थिति में नलगोंडा जिले के नार्कटपल्ली-मुनुगोडु मार्ग पर 76 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले रेलवे ओवरब्रिज का शिलान्यास किया गया। इसके बाद रामन्नापेट में 339.59 करोड़ रुपये की लागत से एचएएम प्रथम चरण (पैकेज-2) के अंतर्गत सड़क एवं भवन विभाग की सड़कों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और रखरखाव कार्यों का भूमि पूजन किया गया। आलेर विधानसभा क्षेत्र में सरकारी सचेतक बिरला इलैया की उपस्थिति में यादगिरिगुट्टा मंडल के वंगापल्ली गांव में 358.18 करोड़ रुपये की लागत से पैकेज-1 के अंतर्गत यादाद्रि-भुवनगिरि जिले की सड़कों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं रखरखाव कार्यों का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा जनगांव विधानसभा क्षेत्र में श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर की परिधि दीवार (कंपाउंड वॉल) निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में भुवनगिरि के विधायक कुंभम अनिल कुमार रेड्डी, नलगोंडा के जिलाधिकारी बडुगु चंद्रशेखर, यादाद्रि-भुवनगिरि के

मध्याह्न भोजनकर्मियों का मानदेय 10 हजार रुपये किया जाए : भाजपा

मध्याह्न भोजन कर्मियों के धरने में शामिल हुए रामचंद्र राव

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने राज्य सरकार से मध्याह्न भोजन योजना के कर्मियों का मासिक मानदेय चुनावी वादे के अनुसार 10 हजार रुपये करने की मांग की है। रविवार को हैदराबाद के इंदिरा पार्क धरना चौक पर मध्याह्न भोजन कर्मी एवं एजेंसिया संघ द्वारा आयोजित धरने में शामिल हुए रामचंद्र राव ने आंदोलनरत कर्मियों के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों की पढ़ाई बीच में न छूटे और सरकारी विद्यालयों में नामांकन व साक्षरता को बढ़ावा मिले, इसके लिए मध्याह्न भोजन योजना शुरू की थी। इस योजना को सफल बनाने में लगभग 54 हजार कर्मी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा-पत्र में मध्याह्न भोजन कर्मियों का मासिक मानदेय 10 हजार रुपये करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के ढाई वर्ष बाद भी उसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं, सब्जियों और अंडों की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जबकि कर्मियों को आज भी लगभग एक दशक पुराने मानकों के अनुसार भुगतान किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक संकट और कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि वर्तमान में मिलने वाला तीन हजार रुपये का मानदेय भी समय पर जारी नहीं किया जा रहा है और उसका भुगतान लंबित रखा जा रहा है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी शपथ ग्रहण के समय किए गए वादे के अनुसार तत्काल 10 हजार रुपये मासिक मानदेय लागू करें तथा बकाया राशि भी एकमुश्त कर्मियों के बैंक खातों में जमा कराई जाए। रामचंद्र राव ने कहा कि वह मध्याह्न भोजन कर्मियों की मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखेंगे और उनसे अपने वादे को पूरा करने का आग्रह करेंगे। उन्होंने आंदोलनरत कर्मियों को आश्वस्त किया कि उनके अधिकारों की लड़ाई में भारतीय जनता पार्टी हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी।

टीटीडी 18 जुलाई से अक्टूबर दर्शन के टिकट जारी करेगा

तिरुपति, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अक्टूबर 2026 के लिए विभिन्न दर्शन टिकटों और आवास कोटा विवरणों की ऑनलाइन रिलीज का कार्यक्रम घोषित किया है। सुप्रभातम, थोमला, अर्चना और अस्तादाला पद पद्माराधना सेवा सहित अर्जिता सेवाओं का कोटा 18 जुलाई को सुबह 10 बजे ऑनलाइन जारी किया जाएगा। श्रद्धालु 20 जुलाई को सुबह 10 बजे तक इलेक्ट्रॉनिक डुबकी (ई-डुबकी) के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। टिकट इलेक्ट्रॉनिक डिप के माध्यम से आवंटित किए जाएंगे, और चयनित श्रद्धालुओं को अपनी बुकिंग की पुष्टि करने के लिए 20 जुलाई से 22 जुलाई के बीच दोपहर 12 बजे से पहले भुगतान पूरा करना होगा। कल्याणोत्सव, उन्जल सेवा, अर्जिता ब्रह्मोत्सव और सहस्र दीपालंकरा सेवा के टिकट 21 जुलाई को सुबह 10 बजे ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। वर्चुअल सेवाओं और उनसे संबंधित दर्शन स्लॉट का कोटा दोपहर 3 बजे ऑनलाइन जारी किया जाएगा। अंगप्रदक्षिणा टोकन का कोटा 23 जुलाई को सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा, जबकि श्रीवानी ट्रस्ट दर्शन टिकट 23 जुलाई को सुबह 11 बजे जारी किए जाएंगे और वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए टिकट दोपहर 3 बजे ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। विशेष प्रवेश दर्शन (300 रुपये) टिकटों का ऑनलाइन कोटा 24 जुलाई को सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा, जबकि तिरुमाला और तिरुपति के लिए आवास कोटा दोपहर 3 बजे जारी किया जाएगा।

कालेश्वरम तेलंगाना के लिए ऐतिहासिक अवसर : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने कालेश्वरम परियोजना के माध्यम से तेलंगाना के लिए ऐतिहासिक अवसर तैयार किया, लेकिन वर्तमान सरकार इस परियोजना को लेकर भ्रामक प्रचार कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सेवानिवृत्त अभियंताओं को जेल भेजने की धमकियां दे रहे हैं, जबकि वे केवल तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेडीगड्डा बैराज को लेकर मुख्यमंत्री जनता को गुमराह कर रहे हैं। जगदीश रेड्डी ने कहा कि भविष्य में सुपर एल नीनो जैसी परिस्थितियों के कारण पेयजल संकट उत्पन्न हो सकता है और ऐसे समय में कालेश्वरम जैसी परियोजनाओं का महत्व और बढ़ जाएगा। उनका आरोप था कि मुख्यमंत्री पहले भी बीआरएस नेताओं का खून खेतों में बहाने जैसी भाषा का प्रयोग कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर के खून-पसीने के संघर्ष से ही तेलंगाना राज्य का गठन हुआ है। यदि रेवंत रेड्डी को उनका खून चाहिए तो के. टी. रामाराव सहित सभी बीआरएस नेता इसके लिए तैयार हैं। कालेश्वरम परियोजना पर बोलते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री और सिंचाई मंत्री यह कहकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं कि भद्राचलम डूब जाएगा। उन्होंने दावा किया कि 290 टीएमसी तक की बाढ़ आने पर भी भद्राचलम को कोई खतरा नहीं हुआ। उन्होंने सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी को इस विषय पर सार्वजनिक बहस की चुनौती देते हुए कहा कि उन्हें गलत जानकारी दी गई है। जगदीश रेड्डी ने यह भी कहा कि यदि सरकार में साहस है तो विधानसभा का सत्र बुलाकर सभी मुद्दों पर खुली चर्चा कराए। उन्होंने दावा किया कि केसीआर के सक्रिय राजनीति में लौटने से कांग्रेस के नेता घबरा रहे हैं।

वनस्थलीपुरम में सड़क किनारे मिला शव

चाकू के कई घाव, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम क्षेत्र में शनिवार देर रात एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने पनामा के पास एआरटी थिएटर के निकट सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर वनस्थलीपुरम पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार शव पर चाकू से किए गए कई वार के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के मुर्दाघर भेज दिया है। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है, इसलिए शव को पहचान के लिए सुरक्षित रखा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हत्या के कारणों के साथ-साथ आरोपी की पहचान करने के लिए आसपास के क्षेत्र के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

मतदाता सूची पर आयोग ने दूर किया भ्रम

जरूरत पड़ने पर ही देने होंगे दस्तावेज

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतदाताओं के बीच दस्तावेज जमा करने को लेकर फैली उलझन पर भारत निर्वाचन आयोग ने स्थिति स्पष्ट की है। आयोग ने कहा है कि मतगणना या प्रारंभिक प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को कोई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है। आयोग के अनुसार, मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित होने के बाद यदि किसी व्यक्ति का नाम सूची में शामिल नहीं होता है या नाम दर्ज करने में कोई विसंगति पाई जाती है, तो संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) नोटिस जारी करेगा। नोटिस मिलने पर ही संबंधित मतदाता को अपनी पात्रता सिद्ध करने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

निर्वाचन आयोग ने ऐसे मामलों के लिए कई प्रकार के सहायक दस्तावेज मान्य बताए हैं। इनमें सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी का पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश, 1 जुलाई 1987 से पहले सरकार, बैंक, डाकघर, एलआईसी या सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा जारी पहचान पत्र या प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी, एससी, एसटी या अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां लागू हो), राज्य अथवा स्थानीय निकाय का पारिवारिक रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि आधार कार्ड के संबंध में 9 सितंबर 2025 को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

गणना प्रपत्र नहीं देने पर क्या होगा

आयोग ने मतदाताओं के लिए जारी की जानकारी

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान यदि कोई मतदाता गणना प्रपत्र जमा नहीं करता है, तो उसके नाम को लेकर आगे की कार्रवाई भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित नियमों के अनुसार की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे गणना प्रपत्र भरकर समय पर संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) को जमा करें। इससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सकेगी। आयोग के अनुसार, जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र वापस नहीं मिलते हैं, उनके संबंध में बीएलओ आसपास के लोगों से जानकारी जुटाएगा। इस दौरान यह पता लगाया जाएगा कि संबंधित व्यक्ति उस स्थान पर मौजूद है या नहीं, उसकी मृत्यु हो चुकी है, वह कहीं और स्थानांतरित हो गया है या उसका नाम दो स्थानों पर दर्ज है। ऐसी स्थिति में संबंधित नाम प्रारंभिक (मसौदा) मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।

छह हत्याओं का आरोपी अब भी फरार

सात टीमें तलाश में, गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के शाबाद में छह लोगों की हत्या के मुख्य आरोपी राज कुमार की तलाश तेज कर दी गई है। फ्यूचर सिटी पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए सात विशेष टीमें गठित की हैं और कई राज्यों में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की लावारिस कार शनिवार सुबह कोथुर के पास बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि कार छोड़ने के बाद वह पैदल ही पास के रेलवे स्टेशन की ओर चला गया था। इसके बाद पुलिस टीमों ने उसकी तलाश में चार राज्यों के विभिन्न स्थानों पर खोज अभियान शुरू किया। इस बीच, मामले में कथित लापरवाही बरतने के आरोप में शाबाद थाने के एक सब-इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है। घटना के बाद शाबाद में ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों ने प्रदर्शन करते हुए आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने राज कुमार को हिरासत में ले लिया है, लेकिन अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में पुलिस की ओर से पुष्टि होने का इंतजार किया जा रहा है।

एबेकस प्रतियोगिता में 3200 बच्चों ने भाग लिया

एकाग्रता और मानसिक गणित पर रहा विशेष जोर

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन थ्री में रविवार को एसआईपी एबेकस की ओर से आयोजित 22वीं तेलंगाना क्षेत्रीय विलक्षण प्रतिभा चैम्पियनशिप-2026 में राज्यभर से 5 से 14 वर्ष आयु वर्ग के करीब 3,200 बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बच्चों की मानसिक गणित और एकाग्रता क्षमता का आकलन किया गया। मुख्य प्रतियोगिता के बाद आयोजित विशेष एकाग्रता दौर आकर्षण का केंद्र रहा। इस चरण में बच्चों की ध्यान भटकाने वाली परिस्थितियों के बीच भी एकाग्र बने रहने की क्षमता का परीक्षण किया गया। आयोजकों के अनुसार, डिजिटल युग में यह कौशल पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआरसीए ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य पन्नुरु प्रभाकर ने कहा कि भारत ने प्राचीन काल से ही गणित के महत्व को पहचाना है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में भी इसकी उपयोगिता बनी हुई है। एसआईपी एकेडमी इंडिया के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक दिनेश विक्टर ने कहा कि यह धारणा गलत है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण बच्चों को मानसिक गणित सीखने की आवश्यकता नहीं रही। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, लेकिन अबेकस प्रशिक्षण बच्चों की सोचने, सही प्रश्न पूछने और मस्तिष्क की क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तस्वीर के बहाने महिला से हार छीना

एसआईआर के नाम पर ठगी, जांच शुरू

नालगोंडा, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिबीनगर क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। दो अज्ञात युवकों ने जनगणना प्रपत्र के लिए फोटो लेने का झांसा देकर एक महिला का करीब तीन तोला सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। पीड़िता के. अंडालू ने पुलिस को बताया कि दो युवक दोपहिया वाहन से उनके पास पहुंचे और कहा कि एसआईआर आवेदन के लिए उनकी तस्वीर लेनी है। उन्होंने यह कहते हुए मंगलसूत्र उतारने को कहा कि इससे फोटो लेने में परेशानी होगी। महिला ने उन पर विश्वास करते हुए मंगलसूत्र उतारकर अपने पति को दे दिया।

फोटो लेने के बाद आरोपी महिला को थोड़ी दूर ले गए और कहा कि आवेदन की आगे की प्रक्रिया पास के मंदिर में मौजूद अधिकारियों के पास पूरी करनी होगी। इसी दौरान दोनों युवक वापस महिला के पति के पास पहुंचे, उनके हाथ से सोने का हार छीन लिया और दोपहिया वाहन से फरार हो गए। धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

केटीआर ने मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

किसानों के पानी को लेकर सरकार को घेरा

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कथित बयान को लेकर रविवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है और राजनीतिक बयानबाजी में उलझी हुई है। केटीआर ने कहा कि तेलंगाना के किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का तेलंगाना के साथ अन्याय का लंबा इतिहास रहा है और राज्य के लोगों ने इसके लिए वर्षों तक संघर्ष किया है।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना आंदोलन के विभिन्न चरणों में बड़ी संख्या में लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। केटीआर ने कहा कि बीआरएस किसानों के अधिकारों और सिंचाई के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है, लेकिन राजनीतिक धमकियों से पीछे हटने वाली नहीं है। उन्होंने सरकार से किसानों की सिंचाई संबंधी समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय जल उपलब्धता सुनिश्चित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के कथित बयान को लेकर उन्होंने कांग्रेस सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए।

ऑडियो विवाद से कांग्रेस में बढ़ी नाराजगी

बीसी नेताओं ने कार्रवाई की मांग उठाई

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस में एक कथित ऑडियो क्लिप के वायरल होने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। यह ऑडियो यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्कीदी शिवचरण रेड्डी से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसके बाद पार्टी के बीसी नेताओं ने उनके व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। विवाद की शुरुआत यदगिरिगुट्टा देवस्थानम ट्रस्ट की सदस्य ईश्वरम्मा यादव के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान लगाए गए फ्लेक्सी पोस्टरों से हुई। आरोप है कि पोस्टरों में जक्कीदी शिवचरण रेड्डी के पिता जक्कीदी प्रभाकर रेड्डी की तस्वीर नहीं लगाई गई, जिस पर शिवचरण रेड्डी ने कथित तौर पर ईश्वरम्मा यादव के पोते सुरेश यादव से फोन पर आपत्ति जताई।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कथित ऑडियो क्लिप में शिवचरण रेड्डी स्वयं को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बाद पार्टी का तीसरा सबसे महत्वपूर्ण पदाधिकारी बताते हुए सुनाई दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने फ्लेक्सी लगाने के तरीके पर नाराजगी जताई और कथित रूप से कुछ नेताओं के पोस्टर फाड़ने जैसी बातें भी कही हैं। इस कथित ऑडियो के सामने आने के बाद कांग्रेस के बीसी नेताओं ने इसे अपमानजनक बताते हुए पार्टी नेतृत्व से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, कुछ आदिवासी संगठनों ने भी इस मामले की निंदा करते हुए चेतावनी दी है कि यदि उचित कार्रवाई नहीं की गई तो राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हालांकि, वायरल ऑडियो की प्रामाणिकता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही इस मामले पर संबंधित पक्ष की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने आई है।

तेज रफ्तार फरारी अपार्टमेंट गेट से टकराई

चालक फरार, शराब के नशे की आशंका

हैदराबाद, 12 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जुबली हिल्स क्षेत्र में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार फरारी कार अपार्टमेंट के मुख्य गेट से टकरा गई। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन अपार्टमेंट का गेट और लग्जरी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, हादसा फिल्म नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रोड नंबर-5 स्थित फोर्ट व्यू अपार्टमेंट्स के सामने हुआ। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार में सवार लोग वाहन छोड़कर भाग चुके थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चालक शराब के नशे में था और तेज गति से लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहा था।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के समय वाहन कौन चला रहा था और कार में कितने लोग सवार थे, इसका पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। क्षतिग्रस्त कार को टोइंग वाहन की सहायता से पुलिस थाने पहुंचा दिया गया है। उल्लेखनीय है कि जुबली हिल्स में एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले 9 जुलाई की रात एक नशे में धुत चालक की एसयूवी टॉलीवुड अभिनेता धर्मा के घर की चारदीवारी से टकरा गई थी। उस मामले में पुलिस ने आरोपी कार्तिक कुमार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया था। ब्रेथलाइज़र जांच में उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.